2 फरीदाबाद
भ्रष्टाचार के कारण चार साल में नहीं बनी ओल्ड फरीदाबाद अस्पताल की इमारत

6 अभिमत
लोकतंत्र में नैतिकता महत्वपूर्ण

9 देश-विदेश
राहुल को लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना चाहिए था : सुशील मोदी

11 धर्म
मां कूष्मांडा की पूजा से होगी यश में वृद्धि

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 6 अंक 48
फरीदाबाद, शनिवार, 25 मार्च, 2023
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

# पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

रुद्रांक्ष पाटिल ने भारत को दिलाया ब्रॉन्ज, देश के पास पांच मेडल हुए

पेज - 12

चतुर्थ माता कूष्मांडा

अनाहत चक्र में ध्यान कर इनकी साधना की जाती है। रोग, दोष, शोक की निवृत्ति, यश, बल और आयु की दात्री मानी गई हैं।
मंत्र- 'ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं कूष्मांडायै नमः।'

विस्तृत सामग्री पेज-11

TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate ₹54,300/-
76% Gold Rate ₹44,790/-
Making Charges 8% 100% BUY BACK + EXCHANGE
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

## बाजार

| | | | |
|---|---|---|---|
| सेंसेक्स | 57,527 | ▼ | 398.8 |
| निफ्टी | 16,945 | ▼ | 131.85 |
| सोना | 59,450 | ▲ | 50 /10 gm |
| चांदी | 70,500 | ▲ | 520 /kg |

## मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 29.00°C
न्यूनतम 19.00°C

## क्विक न्यूज

### हरियाणा में एचपीएससी का प्री-एग्जाम 21 मई को

**चंडीगढ़।** एचसीएस प्री-एग्जाम की डेट फाइनल हो गई है। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ने शुक्रवार को इसका ऐलान कर दिया है। एचपीएससी के नोटिफिकेशन के अनुसार परीक्षा 21 मई रविवार को होगी। आयोग परीक्षा को सुबह और शाम की दो सत्रों में आयोजन कराएगा। आयोग की ओर से कहा गया है कि जल्द ही अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी कर दिए जाएंगे।

### अधिकारी हर रोज पब्लिक को देंगे दो घंटे का समय

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री मनोहरलाल बजट पेश करने के बाद एक्टिव मोड में दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर डिविजनल कमिश्नर और जिला उपायुक्तों की बैठक में काफी एक्टिव दिखे। सीएम ने बैठक में अधिकारियों की पब्लिक डीलिंग के लिए ड्यूटी लगाई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अब हर रोज दो घंटे ( सुबह 11.00 से दोपहर एक बजे तक) पब्लिक से रूबरू होना पड़ेगा। इस दौरान सरकार की ओर से इन दो घंटों में कोई वीडियो कॉन्फ्रेंस या बैठक आयोजित नहीं की जाएगी।

# राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी गई

## लोकसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी किया

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

वायनाड सीट को खाली दिखाया

**कांग्रेस** नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता शुक्रवार दोपहर करीब 2.30 बजे रद्द कर दी गई। वह केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। लोकसभा सचिवालय ने पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी है। मानहानि केस में सूरत की कोर्ट ने गुरुवार दोपहर 12.30 बजे उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, 27 मिनट बाद उन्हें जमानत मिल गई थी। राहुल गांधी ने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई 2013 को अपने फैसले में कहा था कि कोई सांसद या विधायक निचली अदालत में दोषी करार दिए जाने की तारीख से संसद या विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित हो जाएगा। कोर्ट ने लिली थॉमस बनाम भारत सरकार के केस में यह आदेश दिया था। इससे पहले कोर्ट का आखिरी फैसला आने तक विधायक या सांसद की सदस्यता खत्म नहीं करने का प्रावधान था। लीगल एक्सपर्ट के मुताबिक लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की संसदीय सीट वायनाड को खाली घोषित कर दिया है। इलेक्शन कमीशन अब इस सीट पर इलेक्शन का ऐलान कर सकता है। दिल्ली में राहुल गांधी को सरकारी बंगला खाली करने को भी कहा जा सकता है। अगर राहुल गांधी की सजा का फैसला ऊपरी अदालतें भी बरकरार रखती हैं तो वे अगले आठ साल तक चुनाव भी नहीं लड़ पाएंगे। दो साल की सजा पूरी करने के बाद वह छह साल के लिए अयोग्य रहेंगे।

राहुल गांधी अब सूरत कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकते हैं। कांग्रेस ने एक्शन की वैधानिकता पर भी सवाल उठाया है कि राष्ट्रपति ही चुनाव आयोग के साथ विमर्श कर किसी सांसद को अयोग्य घोषित कर सकते हैं। राहुल गांधी की टीम अब सूरत कोर्ट के फैसले को हाइकोर्ट में चैलेंज करने जा रही है। अगर सूरत कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील को वहां स्वीकार नहीं किया जाता है तो सीधे सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी। सूरत कोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल को अपील दायर करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया था।

याद रहे, 2019 लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान राहुल गांधी ने कहा था, 'चोरों का सरनेम मोदी है। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है, चाहे वह ललित मोदी हो या नीरव मोदी हो चाहे नरेंद्र मोदी।' इसके बाद सूरत पश्चिम के बीजेपी विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ मानहानि का केस किया था। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने हमारे पूरे समाज को चोर कहा है और यह हमारे समाज की मानहानि है। इस केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी तीन बार कोर्ट में पेश हुए थे। आखिरी बार अक्टूबर 2021 की पेशी के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था।

उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी। मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। इसी मामले में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद उसी कोर्ट ने उन्हें 30 दिन के लिए जमानत भी दे दी। मानहानि के मामले में दो साल की जेल अधिकतम सजा है। यानी इससे ज्यादा इस मामले में सजा नहीं दी जा सकती है।

### राहुल के समर्थन में सोशल मीडिया पर 'डरो मत' कैंपेन शुरू

**राहुल** गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद कांग्रेस समेत 14 विपक्षी दलों ने पहले संसद और फिर दिल्ली की सड़कों पर प्रोटेस्ट किया। विपक्षी दलों ने विजय चौक तक मार्च निकाला, जो पोस्टर विपक्षी सांसदों ने लिए थे, उन पर लिखा था- लोकतंत्र खतरे में है। इस बीच, प्रियंका और सोनिया गांधी राहुल से मिलने उनके घर पहुंचीं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र की हिफाजत के लिए हमें जेल भी जाना पड़ा तो जाएंगे। दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर पर भी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उनकी पुलिस से झड़प भी हुई। कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। कर्नाटक में भी कांग्रेस चीफ डीके शिवकुमार को हिरासत में लिया गया है। जम्मू में भी प्रदर्शन हुए। इधर, राहुल गांधी के समर्थन में पार्टी ने सोशल मीडिया पर डरो मत कैंपेन शुरू किया है। पार्टी के ट्विटर हैंडल पर भी इसे लगाया गया है। पार्टी के कार्यकर्ता इसे शेयर कर रहे हैं। इसके अलावा पार्टी के प्रदर्शनों में भी इस नारे को बैनर-पोस्टर पर प्रमुखता से इस्तेमाल किया जा रहा है। 14 विपक्षी दल शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इन दलों का आरोप है कि केंद्र सरकार सीबीआइ-ईडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष के नेताओं को टारगेट कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट पांच अप्रैल को इस मामले की सुनवाई करेगी। कांग्रेस दफ्तर के बाहर राहुल की सजा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कर्नाटक में कांग्रेस चीफ डीके शिवकुमार हिरासत में लिए गए। राज्यसभा दोपहर 2.30 बजे तक स्थगित की गई थी। यह फिर शुरू हो गई है। लोकसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई, फिर शुरू हुई तो 27 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई।

### राहुल की सजा पर भड़कीं रेणुका, पीएम पर केस करेंगी

**कांग्रेस** सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी ने पीएम मोदी के खिलाफ मानहानि का केस करने की बात कही है। रेणुका ने एक ट्वीट में लिखा, इस क्लासलेस अहंकारी ने मुझे राज्यसभा में शूर्पणखा कहा था। मैं उसके खिलाफ मानहानि का केस करूंगी। अब देखेंगे कि अदालतें कितनी तेजी से एक्शन लेंगी। रेणुका का यह बयान तब आया है, जब 2019 के मोदी सरनेम से जुड़े मानहानि केस में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा और जुर्माना लगाया है। रेणुका ने अपने ट्वीट में वीडियो क्लिप भी शेयर की है।

### हाइकोर्ट ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग को जारी किया नोटिस

**दिल्ली** हाइकोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ रेप विक्टिम की पहचान उजागर करने को लेकर एफआइआर दर्ज करने की मांग की गई थी। हाइकोर्ट चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को नोटिस जारी करके चार हफ्ते में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। एनसीपीसीआर ने कोर्ट को बताया था कि राहुल गांधी के ट्वीट को हटाने के ट्विटर के दावे के बावजूद इस तरह का खुलासा करने का अपराध बना हुआ है। सोशल वर्कर मकरंद सुरेश म्हाडलेकर ने 2021 में हाईकोर्ट में दावा किया था कि पीड़िता के माता-पिता के साथ फोटो पोस्ट करके, गांधी ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 और यौन से बच्चों के संरक्षण का उल्लंघन किया है। जबकि ऐसा करना अपराध है।

- विस्तृत खबर पेज-9 पर

# नई पेंशन स्कीम का रिव्यू करेगी सरकार, कमेटी बनाई जाएगी

**एजेंसी।** नई दिल्ली

**पुरानी** पेंशन स्कीम को वापस लागू करने की मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर आई है। सरकार नई पेंशन स्कीम का जल्द रिव्यू करेगी। शुक्रवार को संसद में फाइनेंस बिल पेश करने के दौरान फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने यह बात कही है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि फाइनेंस सेक्रेटरी की लीडरशिप में एक कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी नई पेंशन स्कीम का रिव्यू करेगी। लोकसभा में आज फाइनेंस मिनिस्टर ने फाइनेंस बिल पेश किया है। हंगामे के बीच ही फाइनेंस बिल 2023 पर वोटिंग हुई। लोकसभा में फाइनेंस बिल को पास करा लिया गया है।

सरकारी कर्मचारियों को साल 2004 से पहले पुरानी पेंशन स्कीम के तहत रिटायरमेंट के बाद एक तय पेंशन मिलती थी। यह पेंशन रिटायरमेंट के समय कर्मचारी की सैलरी पर आधारित होती थी। इस स्कीम में रिटायर्ड कर्मचारी की मौत के बाद उसके फैमिली मेंबर्स को भी पेंशन मिलने का नियम था। हालांकि, अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम को बंद कर दिया था और इसकी जगह नई पेंशन स्कीम लागू हुई थी।

...विस्तृत खबर पेज-9 पर

# अमित शाह ने येदियुरप्पा-बोम्मई संग ब्रेकफास्ट पर की चुनावी चर्चा

**एजेंसी।** बेंगलुरु

**गृहमंत्री** अमित शाह शुक्रवार को कर्नाटक दौरे पर थे। यहां वे पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से मिलने पहुंचे। शाह ने येदियुरप्पा के घर ब्रेकफास्ट पर चुनावी चर्चा भी की।

इस दौरान राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई, येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह और कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष नलिनकुमार कटील समेत कई सीनियर लीडर मौजूद रहे। गृहमंत्री अमित शाह बेंगलुरु में ड्रग ट्रैफिकिंग एंड नेशनल सिक्योरिटी की रीजनल कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस में साउथ के राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल होंगे। उनके सामने ड्रग्स भी जलाकर नष्ट किया जाएंगे।

येदियुरप्पा और उनके बेटे विजयेंद्र शाह के स्वागत के लिए अपने घर के बाहर मौजूद थे। जब येदियुरप्पा ने शाह को बुके देकर उनका स्वागत करना चाहा तो शाह ने इशारों में कहा कि वे पहले उनके बेटे विजयेंद्र से बुके लेंगे। इसके बाद विजयेंद्र ने शाह को बुके देकर उनका स्वागत किया। शाह ने मुस्कुरा कर विजयेंद्र की पीठ थपथपाई।

### कृषि और वानिकी में आईआईटी-खड़गपुर शीर्ष पर

**कोलकाता।** क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2023 के अनुसार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-खड़गपुर देश में कृषि और वानिकी तथा सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में पहले स्थान पर है। आईआईटी-खड़गपुर में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी शिक्षा देश में चौथे स्थान पर है और विश्व स्तर पर 82वें स्थान पर है। शुक्रवार को जारी रैंकिंग के अनुसार, यह वास्तुकला और बिल्ट एन्वाइरन्मन्ट, मैटेरियल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, लेखा और वित्त, अर्थशास्त्र और एर्गोनॉमिक्स में दूसरे स्थान पर है।

# धर्म के आधार पर लोगों के बीच विभाजन नहीं होना चाहिए : ईरानी

**नई दिल्ली।** अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक निजी संकल्प का विरोध करते हुए कहा कि देश में धर्म के आधार पर लोगों के बीच विभाजन नहीं होना चाहिए और मौजूदा सरकार सभी तबकों को साथ लेकर न्यू इंडिया की दिशा में काम कर रही है, जो समावेशी और समता पर आधारित है। स्मृति ईरानी उच्च सदन में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के अब्दुल वहाब के एक निजी संकल्प पर हुई चर्चा में हस्तक्षेप कर रही थी। बहाव द्वारा लाया गया संकल्प सच्चर समिति की रिपोर्ट के क्रियान्वयन से संबंधित था। बहाव ने इस संकल्प के जरिए मुसलमानों की स्थिति में सुधार के लिए सरकार से विभिन्न कदम उठाने का आग्रह किया था।

### चार इनामी सहित 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

**सुकमा।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में चार इनामी नक्सलियों समेत 16 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया।

सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के सामने 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कवासी पाले उर्फ जोगी को पकड़ने पर आठ लाख रुपये, पदाम सोमा पर पांच लाख रुपये तथा नक्सली पदाम देवा और नीलम कवासी पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

# पीएम मोदी के नेतृत्व में देश को बर्बाद करने की कोशिश हो रही : केजरीवाल

**एजेंसी।** नई दिल्ली

**दिल्ली** के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला और कहा कि उनके नेतृत्व में देश को बर्बाद करने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा में एक संबोधन में उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार के काम में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। केजरीवाल ने कहा, मैं भाजपा के लोगों को बताना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को बर्बाद करने का प्रयास किया जा रहा है, जो लोग देश को नष्ट करना चाहते हैं, उन्हें भाजपा में होना चाहिए और जो देश को बचाना चाहते हैं, उन्हें भाजपा छोड़ देनी चाहिए। केजरीवाल के प्रधानमंत्री के बारे में बोलने पर विधानसभा में हंगामा शुरू हो गया।

राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिए जाने का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि वे डरे हुए हैं।

# अरुणाचल में विभिन्न स्थानों पर ईडी ने की छापेमारी

**एजेंसी।** ईटानगर

**प्रवर्तन** निदेशालय (ईडी) ने अरुणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) घोटाले और एपीपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच के सिलसिले में पापुम पारे जिले में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईडी ने एपीएसएसबी घोटाले और अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) प्रश्न पत्र लीक मामलों की जांच करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत छापेमारी की।

ईडी ने ट्वीट किया, ईडी ने एपीपीएसबी घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988

और भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत विशेष जांच सेल (एसआईसी) द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पीएमएलए, 2002 के तहत जांच शुरू की। इसके अलावा एपीपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत एसआईसी और सीबीआई द्वारा दर्ज मामले की जांच भी शुरू की गई।

## अडाणी के बाद हिंडनबर्ग के निशाने पर अमेरिकी कंपनी

# ट्विटर के को-फाउंडर जैक डॉर्सी की ब्लॉक इंक पर धोखाधड़ी के आरोप

**एजेंसी।** नई दिल्ली/वाशिंगटन

**अमेरिका** की शॉर्टसेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप के बाद अब ट्विटर के को-फाउंडर जैक डॉर्सी की कंपनी ब्लॉक इंक के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की है। हिंडनबर्ग ने इस रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि डॉर्सी की पेमेंट कंपनी ब्लॉक इंक ने अपने कंज्यूमर्स और सरकार के साथ धोखाधड़ी की है।

हिंडनबर्ग ने दो साल की इन्वेस्टिगेशन के बाद ये रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट में ये कहा गया है कि कोरोना महामारी के दौरान फ्रॉड के कारण ब्लॉक के शेयरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देखी गई। इसके बाद जैक डॉर्सी और टॉप एग्जीक्यूटिव जेम्स मैककेल्वे ने कलेक्टिवली एक बिलियन डॉलर यानी करीब आठ हजार करोड़ रुपये के शेयर के स्टॉक बेच दिए।

वहीं हिंडनबर्ग ने कहा, ब्लॉक इंक जिन लोगों की मदद करने का दावा करती है, कंपनी ने सिस्टमैटिक रूप से उन्हीं लोगों का फायदा उठाया है। ब्लॉक इंक ने अपने यूजर्स की संख्या भी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई है। कंपनी ने एक्टिव यूजर्स का मेट्रिक्स फर्जी अकाउंट्स से भर दिया। साथ ही कंपनी ने ऐप पर यूजर्स लाने में किए गए खर्च को काफी कम करके बताया है।

हिंडनबर्ग ने कहा कि उसने ब्लॉक के शेयरों में शॉर्ट-पोजिशन ले रखी है, यानी उसने कंपनी के शेयरों में गिरावट पर दांव लगाया है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद ब्लॉक इंक के शेयर में करीब 15 फीसद की गिरावट देखने को मिली है। हिंडनबर्ग ने कहा, केवल फंडामेंटल बेसिस पर हम ब्लॉक के शेयरों में 65 फीसद से 75 फीसद के बीच गिरावट देखते हैं।

### शेयर डाउन हुए, नेटवर्थ चार हजार करोड़ रुपये कम हुई

शेयरों में गिरावट के कारण डॉर्सी की नेटवर्थ में 52.6 करोड़ डॉलर यानी करीब चार हजार करोड़ रुपये की गिरावट आई है, जो मई के बाद से एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग इंडेक्स के अनुसार 11 फीसद की गिरावट के बाद अब उनकी नेटवर्थ 4.4 बिलियन डॉलर है। हिंडनबर्ग के अनुसार पेमेंट कंपनी ब्लॉक ने कोविड के दौरान फर्जीवाड़ा करके सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने वालों की मदद की। सबसे बड़ी गड़बड़ी ये रही कि कंपनी के कैश ऐप ने कई लोगों को एक ही अकाउंट में सरकार की तरफ से मिलने वाली सहायता लेने की। जैक डॉर्सी ने ब्लॉक इंक को 2009 में बनाया था। यह कंपनी मर्चेंट्स और कंज्यूमर्स के लिए पेमेंट और मोबाइल बैंकिंग सर्विसेस प्रोवाइड करती है। इस कंपनी को पहले स्क्वॉयर के नाम से जाना जाता था। ब्लॉक इंक का मार्केट कैप 44 बिलियन डॉलर यानी 3.61 लाख करोड़ रुपये है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में भारतीय मूल की अमृता अहूजा का नाम भी लिया गया है। अमृता ब्लॉक इंक की चीफ फाइंेशियल ऑफिसर यानी सीइओ हैं। उन पर भी ब्लाक इंक के शेयरों में लाखों डॉलर की हेराफेरी का आरोप लगाया गया है। अमृता की लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह पिछले चार साल और तीन महीने से ब्लॉक इंक के साथ हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक उनके माता-पिता भारतीय प्रवासी हैं, जिनका क्लीवलैंड में एक डे-केयर सेंटर है।

जैक डॉर्सी

पायनियर
हरियाणा, शनिवार, 25 मार्च, 2023



**शहर का तापमान**
- अधिकतम 29.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 19.00 डिग्री सेल्सियस

## शहर में आज

- मानव रचना में खेलों का समापन: सुबह 9 बजे।
- सीकरी में समाज कार्य शिविर का दूसरा दिन : सुबह 10 बजे।
- तिकोना पार्क स्थित सिद्धपीठ श्रीमहारानी वैष्णव देवी मंदिर संस्थान में पूजा-अर्चना: सुबह 8 बजे।
- एनएच-पांच मंदिर में श्रीरामायण का अखंड पाठ तथा महिला मंडल द्वारा कीर्तन: शाम 4 बजे।
- सिद्ध पीठ श्रीमहाकाली मंदिर संस्था प्रांगण में चैत्र नवरात्रि महोत्सव में चौकी और भंडारा: शाम 7 बजे।
- पावन सिद्धपीठ श्रीहनुमान मंदिर 1 बी ब्लॉक के प्रांगण में महामाई का गुणगान: शाम 7 बजे।
- जिलेभर के आयुष्मान मित्रों की हड़ताल जारी: सुबह 9 बजे।

## निवेश गुरु

**हर** व्यक्ति अमीर बनना चाहता है। भविष्य की जरूरतों के लिए लोग छोटी-मोटी बचत तो कर लेते हैं, लेकिन बचत और निवेश का सही तरीका पता नहीं होने की वजह से वे अमीर नहीं बन पाते। अगर आप निवेश में अनुशासन बनाये रखें तो आप भी करोड़पति बन सकते हैं। इक्विटी म्युचुअल फंड में नियमित निवेश कर लंबी अवधि में अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। म्युचुअल फंड से मिलने वाला रिटर्न हालांकि शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

## यूटीलिटी न्यूज

### जी-20 में छिपा है गीता का सार

**फरीदाबाद।** पूरे हरियाणा प्रदेश में सबसे पहले फरीदाबाद में हुई जी-20 की बैठक, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने युवाओं को भाजपा की उपलब्धियां गिनाई। जी 20 से पहले यह वाई20 की चौपाल फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ तहसील में अग्रवाल कॉलेज में संपन्न हुई। जिसमें भाजपा फरीदाबाद जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, आईएएस गरिमा मित्तल, बडखल से विधायक सीमा त्रिखा और भाजपा युवा मोर्चा फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज सिंगला उपस्थित रहे। इस 420 की चौपाल में शहजाद पूनावाला ने बताया कि गीता से प्रेरणा लेते हुए भाजपा सरकार ने जैसे गांव में आई से इनोवेशन पीसी टेक्नोलॉजी और ऐसे अंत्योदय तक की राह को कैसे सुलभ किया है। आईएएस गरिमा मित्तल ने भी आईएएस बनने से लेकर महिला सशक्तिकरण के लिए युवाओं को राह दिखाई।

## क्विक न्यूज

### यात्रा का हुआ आयोजन

**फरीदाबाद।** डीएवी शताब्दी महाविद्यालय फरीदाबाद अपने छात्रों के स्वर्णिम विकास के लिए सदैव तत्पर रहता है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सविता भगत अपने विद्यार्थियों के आध्यात्मिक और शैक्षिक विकास के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। ऐतिहासिक उद्देश्य के लिए महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा जयपुर के लिए एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में सहायक प्रोफेसर तथा इतिहास विभागाध्यक्ष कमलेश सैनी और रविंद्र सिंह कला संकाय के 24 विद्यार्थियों के साथ शामिल थे। विद्यार्थियों ने बिरला मंदिर, जयगढ़ किला, नाहरगढ़ किला, आमेर का किला, हवा महल, जल महल और अल्बर्ट म्यूजियम का दौरा करके अपना ज्ञानार्जन किया।

# भ्रष्टाचार के कारण चार साल में नहीं बनी ओल्ड फरीदाबाद अस्पताल की इमारत

### अधिकारियों के भ्रष्टाचार के कारण चार साल में भी नहीं हुआ अस्पताल का निर्माण

**राजेश दास।** फरीदाबाद

जर्जर होता निर्माणाधीन अस्पताल का भवन।

सरकारी धन की बर्बादी पर किसी का ध्यान नहीं।

**नगर** निगम अथवा अन्य संबंधित विभागों की लापरवाही की वजह से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को भी ग्रहण लग जाता है। लोगों की सुविधा के लिए सरकार नई-नई योजनाएं बना रही है, लेकिन इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी लोगों की सुविधाओं का नहीं बल्कि अपनी स्वार्थ सिद्धी की सम्भावनाएं ज्यादा तलाशते हैं। ऐसे में सरकार का पैसा व्यर्थ हो रहा है। लोगों की सुविधा के लिए सरकार ने ओल्ड फरीदाबाद में 30 बिस्तर के अस्पताल के निर्माण की मंजूरी दी थी। लेकिन नगर निगम के अधिकारी इसमें भी भ्रष्टाचार करने से नहीं चूके। निगम अधिकारियों ने एस्टीमेट में छेड़छाड़ कर 30 बिस्तर की जगह 80 बिस्तर के अस्पताल का निर्माण शुरू करवा दिया था। जबकि 80 बिस्तर का अस्पताल बनाने लायक यहां जगह ही मौजूद नहीं है। मामले में निगम के एसई और एसडीओ को निलंबित भी किया गया था, लेकिन बाद में जांच लंबित दिखाकर दोनों को ही बहाल कर दिया गया, लेकिन इस घोटाले की जांच आज तक सीरे नहीं चढ़ पाई है। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के अधिकारी चार साल गुजर जाने के बाद भी अस्पताल की इमारत का निर्माण नहीं करवा पाए। जिसका खामियाजा इलाके लोगों को उठाना पड़ रहा है।

### किया था घोटाले का प्रयास

**प्रदेश** सरकार ने इस अस्पताल का निर्माण करवाने की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी थी। निगम अधिकारियों ने टैंडर और अन्य औपचारिकताएं पूरी करवाने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया। लेकिन उसी दौरान किसी ने अस्पताल की इमारत के निर्माण में निगम द्वारा की जा रही गड़बड़ी की शिकायत सरकार से कर दी। जिसके बाद चंडीगढ़ से स्थानीय निकाय विभाग के चीफ इंजीनियर को इस निर्माणाधीन अस्पताल की जांच के लिए यहां भेजा गया था। जांच के दौरान अस्पताल के निर्माण में कई तरह की खामियां पाई गई थी। नगर निगम के अधिकारियों ने इमारत के एस्टीमेट के साथ छेड़छाड़ कर 30 की जगह 80 बिस्तर के अस्पताल का निर्माण करवाया जा रहा था। जबकि 80 बिस्तर के अस्पताल के लायक यहां पर जगह ही उपलब्ध नहीं थी। चीफ इंजीनियर ने जांच रिपोर्ट तैयार कर अधिकारियों को सौंप दी थी। स्थानीय निकाय विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव एसएन रॉय ने रिपोर्ट के आधार पर एसई ओमवीर और एसडीओ राजकुमार को निलंबित कर दिया था।

### लंबे समय से अधूरी है इमारत

**ओल्ड** फरीदाबाद इलाके में रहने वाले लोगों के इलाज को स्वास्थ्य विभाग द्वारा बराही तालाब के पास एक डिस्पेंसरी चलाई जा रही थी, लेकिन यह इमारत वर्षों पुरानी होने की वजह से जर्जर हो चुकी थी। जिसके कारण यहां आने वाले मरीजों के साथ यहां तैनात डॉक्टर और कर्मचारियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण इलाके के लोग काफी समय से यहां नई इमारत का निर्माण करने की मांग कर रहे थे। जिसे ध्यान में रखते फरवरी 2019 में सरकार ने इस जगह पर 30 बिस्तर के अस्पताल के निर्माण की मंजूरी दे दी थी। जिसके कुछ समय बाद तत्कालीन कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने इमारत का शिलान्यास करने के बाद निर्माण कार्य शुरू करवा दिया था। लेकिन चार साल से ज्यादा समय गुजर जाने के बाद भी अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया।

निर्माण स्थल पर रखी सामग्री और मशीनरी तक हो रही खराब।

### निर्माण को लेकर हुई थी चर्चा

**ओल्ड** फरीदाबाद का निर्माणाधीन अस्पताल पिछले दिनों काफी चर्चा में रहा था। शहर के लोग इस अस्पताल के भवन की तुलना भाजपा के जिला कार्यालय के निर्माण के साथ सोशल मीडिया पर जमकर कर रहे थे। क्योंकि भाजपा के भव्य जिला कार्यालय का निर्माण कार्य काफी कम समय में पूरा करवाने के बाद इसका उद्घाटन भी कर दिया गया है। जबकि चार साल पहले वर्ष 2019 में ओल्ड फरीदाबाद के सरकारी अस्पताल का निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो पाया है। फिलहाल तो इसका निर्माण कार्य पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। लोगों में चर्चा है कि नगर निगम अधिकारियों द्वारा इसके निर्माण में भी घोटाला किया गया है।

### लोग भुगत रहे खामियाजा

**सामाजिक** कार्यकर्ता किशन कुमार का कहना है कि नगर निगम के अधिकारियों ने अस्पताल की इमारत को भी भ्रष्टाचार से अछूता नहीं रहने दिया। सम्भव है कि अस्पताल की इमारत के निर्माण में घोटाला करने की नीयत से नगर निगम के अधिकारियों ने एस्टीमेट में गड़बड़ी कर 30 की जगह 80 बिस्तर का अस्पताल बनवाया जा रहा था। निगम अधिकारियों के भ्रष्टाचार का खामियाजा हमेशा जनता को ही उठाना पड़ता है।

# कुश्ती हमारे देश की संस्कृति से जुड़ी हुई है : डागर

### 86 किलो भार वर्ग में प्रथम सुमित मलिक ने दो लाख का इनाम जीता

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

विजेताओं को ट्राफी देते बीजेपी नेता दीपक डागर व आयोजक।

**शहीदी** दिवस के अवसर पर गांव दुधौला विश्वकर्मा स्किल विश्वविद्यालय के आडिटोरियम में तीसरे महादंगल का आयोजन किया गया। दंगल के मुख्य संयोजक बीजेपी नेता दीपक डागर ने इस अवसर पर सर्वप्रथम शहीदे आजम सरदार भगत सिंह को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हम अपने वीर शहीदों को हमेशा याद रखेंगे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करेंगे।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के मार्गदर्शन व नेतृत्व ओर सानिध्य में सांसद खेल अभियान से प्रेरित होकर इस महादंगल का आयोजन किया। कुश्ती हरियाणा का मुख्य खेल है। कुश्ती हमारी भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। इस तरह के आयोजन करने से ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं निखरती है और युवाओं में जागरूकता आती है। हर वर्ष इस तरह के आयोजन करवाते रहेंगे। तीसरे विशाल राष्ट्रीय महा दंगल में हरियाणा से व आसपास के राज्यों से भी पुरुष व महिला पहलवानों ने भाग लिया। राष्ट्रीय महादंगल में 55 किलो भार वर्ग भारत कुमारी में प्रथम पुष्पा महादेव अखाड़ा, द्वितीय निकिता दिल्ली, 61 किलो भार में भारत महिला महाबली में प्रथम प्रिया मलिक निड़ानी, द्वितीय राधिका पानीपत, भारत पुरुष 60 भार वर्ग में प्रथम शुभम नेवी, द्वितीय राहुल छत्रसाल अखाड़ा,भारत अभिमन्यु 58 किलो भार वर्ग में प्रथम सतेन्द्र उमरा, निशांत सोनू अखाड़ा आदि ने भाग लिया।

# वर्ल्ड टीबी दिवस पर क्षयरोगियों को राशन बांटा

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

क्षयरोगियों को राशन देते विधायक, रेडक्रॉस सचिव, डिप्टी सीएमओ तथा डॉ. पुनीता हसीजा।

**बीके** हॉस्पिटल में वर्ल्ड टीबी डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बड़खल की विधायिका सीमा त्रिखा कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डॉ विनय गुप्ता ने की। इस मौके पर सीमा त्रिखा ने बताया कि टीबी मरीजों की सेवा अपने आप में एक बहुत बड़ी सेवा है।

टीबी का स्टाफ ऐसे ही मरीजों की मदद आगे भविष्य में ऐसे ही करते रहें। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ ऋचा बत्रा ने लोगों से आवाहन किया कि वह आगे आए और कम्युनिटी सपोर्ट के तहत लोगों को राशन दें। टीवी एचआईवी कोऑर्डिनेटर सुभाष गहलोत ने सबसे पहले लोगों को जागरूक किया कि सबसे पहले बैक्टीरिया की खोज 24 मार्च 1882 में रॉबर्ट कोच वैज्ञानिक ने की थी। उसके बाद 24 मार्च 1982 से हर वर्ष वर्ल्ड टीबी डे मनाया जाता है। स्वास्थ्य संगठन ने 2030 तक दुनिया को टीवी से मुक्त करना है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने इसका लक्ष्य भारत को 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाना है।

सरकार द्वारा निक्षय पोषण योजना के तहत मरीज को महीने 500 रुपये दिए जाते हैं। प्रोग्राम में सर्वोदय हॉस्पिटल से आए हुए एएनएम स्टूडेंट ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को टीवी के प्रति जागरूक किया। अंत में विधायक सीमा त्रिखा, सीएमओ डॉ विनय गुप्ता, डॉ. रिचा बत्रा, डॉ. गजराज, डॉ. राम भगत, डॉ. राजेश श्योकंद, डॉ. सुशील कुमार अहलावत, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. एके यादव, डॉ. पुनीता हसीजा, डॉ. महेंद्र गोयल, एमडीआर टीबी एचआईवी कोऑर्डिनेटर सुभाष गहलोत ने मरीजों को राशन भी दिया। इस मौके पर रेडक्रॉस के सचिव विजेंद्र सौरोत, पुरुषोत्तम सैनी, मधु भाटिया, साधना, राजकुमार शर्मा, बिजेंद्र, अशोक कुमार, वीरेंद्र, विकास, यथार्थ, करण, कुलभूषण, कुलदीप आदि मौजूद थे।

# सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति किया जागरूक

रैली निकाल सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करती छात्राएं।

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

**सेक्टर-16ए** स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के सड़क सुरक्षा इंटरप्रेटेशन सेंटर की ओर से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें पोस्टर निर्माण, नारा लेखन एव प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रैली को हरी झंडी दिखाते हुए प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा अपने हाथ में होती है। जो लोग सड़क सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते वो अपनी व दूसरों की जान के लिए खतरा बनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में लोग सड़क हादसों के वजह से अपनी जान गंवा देते हैं, जो परिवार, समाज एवं देश के लिए बड़ी हानि है।

उन्होंने सभी छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों को पालन करने तथा अपने आस-पास के लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा सेंटर कॉर्डिनेटर डा. संदीप कुमार ने बताया कि बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए, समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं को आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापिका अर्चना वर्मा, सतविंद्र कौर, मीनल सभरवाल, दिवेश, संगीता कंजानी, केशव कुमार आदि मौजूद रहे।

# नहीं लग पा रही कक्षाएं, एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

### स्टॉफ की कमी के चलते नहीं लग पा रही कक्षा तो एनएसयूआई ने सौंपा शिक्षा मंत्री और डीएचई डायरेक्ट के नाम ज्ञापन

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

एनएसयूआई के सदस्य प्रिंसीपल को ज्ञापन देते हुए।

### एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने बताया, जीव विज्ञान विभाग में से अभी कई प्राध्यापक हुए हैं सेवानिवृत्त

**एनएसयूआई** हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री के नेतृत्व में छात्रों ने नेहरू कॉलेज के प्राचार्य एमके गुप्ता को प्राध्यापकों की कमी के कारण कक्षा ना लगने की शिकायत को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग के डायरेक्ट एवं हरियाणा शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा के नाम ज्ञापन पत्र सौंपा।

एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने बताया कि जीव विज्ञान विभाग में से अभी अभी कई प्राध्यापक सेवानिवृत्त हुए हैं जिसके कारण छात्रों की कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं। छात्रों की इस संबंध में उन्हें कई मौखिक शिकायत प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि बीएससी मेडिकल (6 कक्षाएं), बीएससी बॉयोटेक (2 कक्षाएं) तथा बीएससी केमिस्ट्री ऑनर्स (2 कक्षाएं) के कुल मिलाकर 10 कक्षाएं हैं और 20 पेपर हैं। जिनके लिए 8 से 9 प्राध्यापकों की जरूरत हैं जबकि विभाग में केवल दो प्राध्यापक ही कार्यरत हैं।

ऐसे में 8 प्राध्यापकों का काम 2 प्राध्यापक कैसे कर पाएंगे। ऐसे में छात्रों की पढ़ाई पूरी नही हो पाएगी। कृष्ण अत्री ने भाजपा-जजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा सरकार ने वाह वाही लूटने को नए कॉलेज तो कई खोल दिये लेकिन स्टॉफ भर्ती नहीं किया जिसके कारण छात्रों को काफी परेशानी का सामना कर पड़ रहा हैं और ऐसा अकेले नेहरू कॉलेज में नहीं हैं बल्कि प्रदेश के सभी कॉलेजों में यही हाल है। इसलिए सरकार को चाहिए कि छात्रों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान करना चाहिए ताकि छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने में कोई समस्या का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर छात्रनेता आरिफ खान, सोनू सिंह, योगेश चौधरी, मनीष चौधरी, अमित शर्मा, सन्नू चौधरी, सुमित तंवर, अमित खेड़ी, कामना, मनीषा, नेहा, ज्योति, प्रिया आदि मौजूद थे।

## पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट 9818848494
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मोबाइल नंबर- 9255029919
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

## नज़रिया

**दिनेश रघुवंशी, कवि**

खुशी की राह पर अब दूर तक दिखने लगे हैं ग़म
मगर वो पीठ अपनी थपथपाएं क्या करेंगे हम
अँधेरे कह रहे हैं आज दीपक से सभी मिलकर
ज़ुबाँ ख़ामोश रखनी है भले ही आँख है पुरनम

# आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

मॉकड्रिल के दौरान घायल की जांच करती पीमएओ डॉ. सविता यादव व डॉ. शीला भगत समेत मौके पर मौजूद नर्सिंग ऑफिसर।

मॉक ड्रिल में घायल को ले जाते हुए।

**उपायुक्त** विक्रम सिंह के मार्ग दर्शन में एडीसी अपराजिता के दिशा निर्देशानुसार आज फरीदाबाद जिला में चिन्हित 5 जगहों पर जिला प्रशासन व राष्ट्रिय आपदा प्रतिक्रिया बल (राष्ट्रिय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) द्वारा संयुक्त आपदा प्रबंधन अभ्यास (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया गया।

एक दिवसीय मॉक ड्रिल में सेक्टर-12 लघु सचिवालय, राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, नजदीक बड़खल तहसील, राजा नाहर सिंह महल बल्लभगढ़, बी के सिविल हॉस्पिटल, फरीदाबाद, और नई राजस्व कॉलोनी, सेक्टर 15ए में आयोजित की गई। जिसमें स्टेट डिजास्टर रिलीफ फोर्स/ एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन, सिविल डिफेंस/ होमगार्ड, रेडक्रॉस की क्विक रिस्पांस टीमों ने भाग लिया। एनडीआरएफ की 7वीं बटालियन टीम के सदस्यों द्वारा आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया।

मॉकड्रिल का मूल उद्देश्य आपदा के समय आपदा प्रबंधन कर्मियों की क्षमता व तत्परता की जांच करना होता है साथ के साथ कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को भी आपदा से निपटने के लिए क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए इस बात की जानकारी दी गई। चीफ वार्डन सिविल डिफेंस व विषय विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन डॉ एमपी सिंह ने बताया कि चिन्हित 5 जगहों पर प्रतिदिन लाखों लोग आते हैं। इस प्रकार की जगहों में आगजनी घटना होने की संभावना होती है,तो कहीं शॉर्ट सर्किट भी हो सकता है, कहीं कोई किसी को धक्का भी दे सकता है, तो कही आपसी लड़ाई झगड़ा/ मारपीट भी हो सकती है। ऐसी स्थिति पर काबू पाने के लिए आज पूर्व अभ्यास करवाया गया। ताकि समय रहते सभी विभाग अपनी अपनी तैयारियों का जायजा ले सकें। अपनी कमियों को दूर कर सकें। इसी के तहत अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने आग लगाकर उसको बचाया। सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने सर्च एंड रेस्क्यू का काम किया। एसडीआरएफ के जवानों ने जरूरत पड़ने पर काम में आने वाले यंत्रों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और उनका प्रयोग करके बताया। रेड क्रॉस के प्रवक्ताओं तथा स्वयंसेवकों ने प्राथमिक उपचार देकर फर्स्ट एड पोस्ट तक पहुंचाया। सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने ट्राइज पर काम करके मास कैजुअल्टी को हैंडल किया। इस मॉक ड्रिल में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

# रावल इंस्टीट्यूट में सुपर 30 बैच हुए आरंभ

बैज से अलंकृत करते अतिथिगण अनिल प्रताप, सिंह, डॉ. ज्योति राणा और डॉ. भावना स्याल।

**फरीदाबाद।** रावल इंस्टीट्यूशंस हमेशा से ही विद्यार्थियों की उन्नति के लिए अग्रसर रहा है। इसी परंपरा को कायम रखते हुए रावल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सुपर 30 बैच का आरंभ किया गया।

इस अवसर पर डॉ ज्योति राणा, डीन, एकेडमिक अफेयर्स, विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी, हरियाणा ने कॉलेज के 30 विद्यार्थियों को बैज द्वारा अलंकृत किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। उसके बाद डॉ भावना सयाल, एसोसिएट डीन, रावल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ने सुपर 30 बैच के विषय से अवगत कराया। सुपर 30 बैच का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉरपोरेट वर्ल्ड के लिए तैयार करना है जिसके तहत विद्यार्थियों के विकास के लिए, समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों जैसे गेस्ट लेक्चर, इंडस्ट्रियल विजिट, केस स्टडी आदि का आयोजन किया जाएगा तथा साथ ही विद्यार्थियों के विकास के लिए उनकी कम्युनिकेशन स्किल तथा इंटरपर्सनल स्किल आदि पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा। डॉ ज्योति राणा ने कहा कि अगर मनुष्य के अंदर किसी भी चीज को पाने की लालसा हो तो मंजिल खुद ब खुद उसके पास चली आती है। अनिल प्रताप सिंह, प्रशासक रावल इंस्टीट्यूशंस ने कहा कि कॉलेज में सुपर 30 बैच का आरंभ शिक्षा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित करेगा।

# नवरात्रों में तीसरे दिन हुई मां चंद्रघंटा की भव्य पूजा

वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करते बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

**नवरात्रों** के तीसरे दिन शहर के मंदिरों में तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की भव्य पूजा अर्चना की की गई। मंदिरों में आरती में सैकड़ों भक्तों ने मां के जयकारे लगाते हुए भव्य तरीके से पूजा की। इस दौरान पुजारियों ने भक्तों को मां की महिमा से अवगत करवाया गया।

**वैष्णो देवी मंदिर :** तिकोना पार्क स्थित महारानी वैष्णों देवी मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने मां चंद्रघंटा की भव्य पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली ने मां के समक्ष अपनी हाजिरी लगाते हुए भव्य पूजा अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। मंदिर के प्रधान जगदीश भाटिया ने राजीव जेटली का स्वागत किया और उन्हें माता की चुनरी भेट की।

**काली मंदिर में पूजा :** सिद्धपीठ काली मंदिर में मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना की गई। प्रधान राकेश ने बताया कि मां चंद्रघंटा की पूजा के लिए खासकर लाल रंग के फूल चढ़ाएं जाते हैं। जो भी भक्त सच्चे मन से मां की पूजा करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। मां चंद्रघंटा का रूप बहुत ही सौम्य है और मां को सुगंध प्रिय है। उनका वाहन सिंह है। उनके दस हाथों में अलग-अलग शस्त्र हैं। मां चंद्रघंटा की आराधना करने वालों का अहंकार नष्ट होता है और उनको सौभाग्य और शांति की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में तीसरे दिन इस देवी की पूजा का महत्व है। देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं।

## आज होगी मां कुष्माण्डा देवी की पूजा

**नवरात्रों** के चौथे दिन मां कुष्माण्डा देवी की पूजा अर्चना की जाती है। इन्हें मां दुर्गा का चौथा स्वरूप माना जाता है। अपनी हल्की हंसी से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के लिए इनका नाम कुष्माण्डा पड़ा। ये अनाहत चक्र को नियंत्रित करती है। मां की आठ भुजाएं हैं। इसलिए इन्हें अष्टभुजा देवी भी कहते हैं। एनएच-पांच स्थित श्रीराधा सर्वेश्वर मंदिर के संस्थापक मुनिराज जी ने बताया कि हरे कपड़े पहनकर मां कुष्माण्डा का पूजन करें। पूजन के दौरान मां को हरी इलाइची, सौंफ अर्पित करते हैं। इसके बाद उनके मुख्य मंत्र 'कुष्मांडा देव्यै नमः' का 108 बार जाप करें। इससे बुद्धि का विकास होने के साथ-साथ निर्णय क्षमता भी अच्छी हो जाएगी।

# कोरोना : एक बार फिर असर दिखाने लगा वायरस, 17 पॉजिटिव मरीज मिले

### जिले भर में जगह जगह टूट रहे कोरोना के नियम, बरसात ने बढ़ाई चिंता

कविता। फरीदाबाद

शुक्रवार को नगर निगम के बाहर लगी भीड़ में बिना मास्क के लोग।

**जिले** में कोरोना वाइरस एक बार फिर अपना असर दिखा रहा है। शुक्रवार को कोरोना के 17 केस पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि गर्मी बढ़ते ही पॉजिटिव मामलों में कमी आ जाएगी। फिलहाल जिले में एक्टिव केस 41 हैं। इनमें एक मरीज अस्पताल में भर्ती है। जिले में सोमवार से बढ़ रहे केसों को देखते हुए भी लोग कोरोना के नियमों का पालन करते नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं ठंड और बरसाती मौसम कोरोना के मरीजों के बढ़ने का कारण बताया जा रहा है। स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर भी नियमों का पालन नहीं हो रहा है।

सिविल अस्पताल, डिस्पेंसरियों और सरकारी दफ्तरों के अलावा होने वाली सभाओं, धरना प्रदर्शनों समेत अन्य कार्यक्रमों का जायजा लिया तो सभी कर्मचारी बिना मास्क के पब्लिक डिलिंग करते हुए नजर आए। सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों के मुंह पर मास्क नहीं था। अस्पतालों में बिना मास्क और ग्लब्स के स्वास्थ्य कर्मी काम कर रहे थे।

**अस्पताल का हाल :** सोमवार से शुक्रवार तक शहर के सरकारी अस्पतालों, डिस्पेंसरियों और यहां तक की ईएसआई में भी लोग बिना मास्क के नजर आए। जबकि राज्य सरकार ने भीड़ वाले स्थानों पर अब मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। लेकिन इसके बावजूद मरीज और तिमारदार तक बिना मास्क के नजर आए। जिससे कोरोना वायरस के फैलने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

**सरकारी दफ्तर :** नगर निगम, बड़खल तहसील, सेक्टर-12 कोर्ट परिसर, जिला उपायुक्त कार्यालय, बिजली दफ्तरों समेत तमाम सरकारी कार्यालयों में अपने काम से आए लोग बिना मास्क लगाए नजर आए। वहीं दफ्तरों में तैनात कर्मचारी भी भीड़ में बिना मास्क काम करते नजर आए। वहीं स्कूलों, बाजारों और मंडियों के अलावा जगह-जगह होने वाले कार्यक्रमों में पाया गया कि कहीं भी कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोग सर्तक नहीं है। हर जगह लोगों के मुंह से मास्क गायब मिला। वहीं कुछ कर्मचारियों ने मास्क लगाया था तो उन्होंने सर्जिकल और एन-95 के बजाय कपड़े का मास्क लगाया हुआ था। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह सही है तो उनका कहना था कि पीछे से जो उपलब्ध हो रहा है, वही इस्तेमाल कर रहे हैं।

**यह है आंकड़ा :** जिले में सोमवार को 4, मंगलवार और बुधवार को 8-8, बृहस्पतिवार को 5 और शुक्रवार को सर्वाधिक 17 मरीजों की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग ने की है। जिले में फिलहाल विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक्टिव केसों की संख्यां 41 है। शुक्रवार को 17 पॉजिटिव आए मरीजों में से एक अस्पताल में भर्ती है। शेष होम आईसोलेशन में है। जिसमें फिलहाल होम आईसोलनेशन में रहने वालों की संख्या का आंकड़ा 40 पर पहुंच गया है।

# 20 हजार की रिश्वत के साथ दो निगम कर्मी गिरफ्तार

### एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने निगम मुख्यालय से आरोपियों को पकड़ा

### टीम दर्ज करा रही आरोपियों पर मामला

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम की गिरफ्तार में आरोपी लाल घेरे में।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

**प्रोपर्टी** आइडी बनाने की आड़ में नगर निगम के कर्मचरियों द्वारा शहर के लोगों को जमकर परेशान किया जा रहा है। शुक्रवार की शाम को एंटी करप्शन की टीम में नगर निगम के एक क्लर्क और सफाई कर्मचारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। समाचार लिखे जाने तक ब्यूरो की टीम द्वारा आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक संजय कालोनी, सेक्टर-22 इलाके में रहने वाले सुनील अग्रवाल को अपनी किसी सम्पत्ति की प्रोपर्टी आइडी बनवानी थी। जिसके लिए वह काफी समय से नगर निगम कार्यालय के चक्कर काट रहा था। आरोप है उसने प्रोपर्टी आइडी के लिए जब निगम के क्लर्क अजय नैन और चपरासी का काम कर रहे सफाई कर्मचारी विनोद से सम्पर्क किया तो दोनों आइडी बनाने के बदले में रुपये की मांग करने लगे। मजबूरी में सुनील अग्रवाल ने दोनों को दस हजार रुपये दे दिये, लेकिन इसके बावजूद आरोपी 20 हजार रुपये और मांग रहे थे। परेशान को सुनील अग्रवाल ने एंटी करप्शन ब्यूरो से शिकायत कर दी। ब्यूरो की टीम ने निगम मुख्यालय के आसपास अपना जाल बिछा कर सुनील अग्रवाल को पाउडर लगे नोट देकर भेज दिया। सुनील अग्रवाल ने दोनों को रुपये देकर टीम को इशारा कर दिया। टीम ने तुरंत दोनों आरोपियों को दबोच कर उनसे रुपये बरामद कर लिए।

# दिन भर बदलता रहा मौसम, कभी होती रही बरसात तो कभी खिली धूप

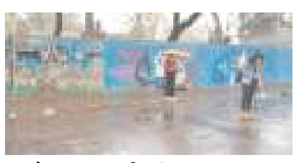

शहर में छातों के सहारे खुद को बरसात से बचाते युवक-युवतियां।

### आज भी मौसम परिवर्तनशील बने रहने का है अनुमान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

**शुक्रवार** को जहां एक तरफ सुबह धूप थी। वहीं अचानक से करीब आठ बजे के बाद मौसम बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए। अचानक ही बरसात शुरू हो गई। लेकिन दोपहर बाद एक बार फिर बरसात धूप निकल गई। शुक्रवार को मौसम परिवर्तनशील बना रहा। सुबह हल्की बरसात के बाद दिन भर हवाएं चलने का सिलसिला जारी रहा, जिससे तापमान में गिरावट व मौसम में थोड़ी ठंडक बनी रही। शनिवार को भी मौसम परिवर्तनशील बना रहने का अनुमान है।

मौसम में गरज शुक्रवार को बनी रही। जिससे कही हल्की, तो कही तेज बरसात हुई। हालांकि कृषि यूनिवर्सिटी हिसार की तरफ से 24 व 25 मार्च को गरज चमक के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया गया था। पूर्वानुमान के तहत सुबह के समय हल्की बारिश हुई। हालांकि सुबह मौसम साफ था। लेकिन लगभग आाठ बजे के बाद आसमान में बादल छाने लगे और सुबह 9 बजे से हल्की बारिश शुरू हुई। 10 बजे तक हल्की बारिश व बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा। सुबह करीब 12 बजे के आसपास कही तेज तो कही हल्की बूंदाबादी जारी रही। उसके बाद लगभग एक बजे तक आसमान में हल्के बादल छाए रहे। बाद में मौसम साफ हो गया। हालांकि दिन भर हल्की हवा भी चलती रही। हवाओं में थोड़ी ठंडक होने के कारण तापमान में गिरावट भी देखने को मिली। मौसम विभाग की वेबसाइट के अनुसार शुक्रवार को फरीदाबाद का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वेबसाइट के अनुसार शनिवार को भी बादल छाए रहने व हल्की बारिश होने की संभावनाएं हैं।

बढ़ गया प्रदूषण: जिले के प्रदूषण स्तर में फिर से थोड़ी वृद्धि देखने को मिल रही है। पिछले तीन दिनों से एयर क्वालिटी इंडेक्स मध्यम श्रेणी में बना हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार शुक्रवार को एक्यूआई 184 दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग साढ़े तीन गुना अधिक है। वहीं सेक्टर 11 क्षेत्र में 239, सेक्टर 30 क्षेत्र में 129 व बल्लभगढ़ क्षेत्र में 182 एक्यूआई दर्ज किया गया।

# टाइम्स फूड एंड नाइटलाइफ अवार्ड्स 2023 में चार पुरस्कार जीते

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

**क्राउन** प्लाजा ग्रेटर नोएडा हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक टाइम्स फूड एंड नाइटलाइफ अवार्ड्स में एक नहीं बल्कि चार प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करके बहुत खुश है। होटल के उत्कृष्ट भोजन और पेय पदार्थों की पहचान के लिए, समारोह में रेस्तरां को प्रीमियम डाइनिंग श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया। द टाइम्स फूड एंड नाइटलाइफ़ अवार्ड्स देश के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है, जो कैफे, रेस्तरां और बार को अपने शानदार गैस्ट्रोनॉमिक अनुभवों और बढ़िया स्वाद के लिए मान्यता देता है।

स्पाइस आर्ट, प्रसिद्ध फाइन डाइनिंग भारतीय रेस्तरां ने सर्वश्रेष्ठ उत्तर भारतीय रेस्तरां अवार्ड जीता, चाओबेला ओरिएंटल और इतालवी व्यंजन रेस्तरां ने सर्वश्रेष्ठ एशियाई व्यंजन के लिए, मोज़ेक, बेहतरीन वैश्विक व्यंजन रेस्तरां ने सर्वश्रेष्ठ ऑल डे डाइनिंग रेस्तरां के लिए, जबकि कनेक्शंस ने सर्वश्रेष्ठ बार, शानदार नाइट-आउट श्रेणी के रूप में पुरस्कार जीते। इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हुए, क्राउन प्लाजा ग्रेटर नोएडा के महाप्रबंधक शरद के. उपाध्याय ने कहा, 'यह मील का पत्थर हासिल करना मेरी और पूरी टीम के लिए एक अद्भुत क्षण है। हमें दिल्ली एनसीआर में अग्रणी होटलों में से एक के रूप में स्थापित होने पर गर्व है। क्राउन प्लाजा ग्रेटर नोएडा वास्तव में प्रेरित सेटिंग्स में विभिन्न व्यंजनों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। हम अपने मेहमानों और संरक्षकों को धन्यवाद देते हैं, जिनके समर्थन ने हमारे रेस्तरां और बार को वास्तव में अतिथि प्रिय के रूप में स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा, यह अत्यधिक कुशल और समर्पित कर्मचारियों के कारण सम्भव हुआ है। यह ऐसी टीम है जो प्रत्येक सभी अतिथियों को शानदार अतिथ्य एवं अनुभव देने का पूरा प्रयास करती है और हर सम्भव कदम उठाने के पीछे नहीं हटती, इस टीम के लिए कोई चुनौती बड़ी नहीं है। आईएचजी में सच्चे आतिथ्य की यही परिभाषा है और यही हमें विशिष्ट बनाती है। मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सीपीजीएन में एफ एंड बी निदेशक, अमित चावला ने कहा, कार्यकारी शेफ सौरभ सिंह चंदेल के कुशल नेतृत्व में एक शानदार टीम को उनकी सर्वश्रेष्ठ गैस्ट्रोनॉमिकल विशेषज्ञता, संस्कृति और सेवा का प्रदर्शन करने के लिए बधाई। हमारे ऊर्जावान और उत्साही महाप्रबंधक शरद उपाध्याय के नेतृत्व में टीम ने हम सभी को गौरवान्वित और आनंदित किया है। यह एक बड़ा क्षण है और टीम द्वारा किए गए अद्भुत काम के लिए सबसे अच्छा इनाम है, वे सभी सीपीजीएन के लिए प्रशंसा लाते हैं।

# छह महीने में बनेगा पाली-भाखड़ी टोल मार्ग : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

**एनआईटी** विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि बल्लभगढ़ सोहना टोल रोड को लेकर काफी समय से उनका संधर्ष जारी है। उसी के परिणाम स्वरूप बल्लभगढ़ सोहना टोल रोड जोकि सरूरपुर चौक के पास श्रति ग्रस्त थी, उसको लेकर विधानसभा में गरजे थे। जिसके उपरांत आज लगभग उस सड़क का कार्य पूर्ण होने वाला है। कार्य 15 अप्रैल तक पूर्ण हो जाएगा।

जानकारी के मुताबिक विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि बल्लभगढ़ सोहना रोड सड़क के निर्माण कार्य शुरू होने के बाद गांव भाखड़ी के निवासीगण मुझसे मेरे कार्यालय पर आकर मिल थे। उनके द्वारा अवगत करवाया गया था कि गांव भाखड़ी एंव गांव नवादा के पास सड़क काफी श्रतिग्रस्त है। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि कार्यालय में 17 अगस्त 2021 के द्वारा मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार को अवगत करवाया गया था कि गांव पाली से गांव भाखड़ी होकर सड़क सैनिक कालोनी को जाती है जोकि गुडगांव रोड पर जाकर मिलती है सड़क पर बिना बरसात के भी पानी खडा रहता है तथा पूरी सडक टूटी पड़ी है। टोल देने के बावजूद लोगों को परेशानी का समना करना पड़ रहा है। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि बजट सत्र में उनके द्वारा दिनांक 20 मार्च में अतारकिंत प्रश्न सख्या 112 में पूछा गया था कि क्या यह तथ्य है कि बल्लभगढ़-सोहना रोड जोकि एक टोल रोड है, पर सुखी नहर से पाली गांव तथा पाली गांव से भांकड़ी तक गुरूग्राम जाने वाले रास्ते पर पानी एकत्रित होता है तथा सड़क भी चलने योग्य नहीं है तथा यदि हां तो सड़क को कब तक चलने योग्य बनाए जाने की संभावना है। सड़क पर एकत्रित पानी की समस्या का समाधान कब तक किये जाने की संभावना है। जिसपर उप मुख्यमंत्री हरियाणा ने सदन में जवाब देते हुए बताया है कि बल्लभगढ़-सोहना मार्ग पर किमी 7.80 से किमी 8.00 तक सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण कार्य आगामी 15 अप्रैल 2023 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

# इन्वेस्टमैंट बाजार फॉर एनर्जी एफीशिएंसी का आयोजन

### कार्यक्रम में हरेडा के निदेशक एस नारायणन ने की शिरकत

प्रवीन शर्मा। फरीदाबाद

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडीसी अपराजिता को स्मृति चिन्ह देते हुए।

**हरियाणा** रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमैंट एजेंसी (हरेडा), ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफीशिएंसी (बीईई) व आईएमएसएमई ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को फरीदाबाद स्थित पार्क प्लाजा में इन्वेस्टमैंट बाजार फॉर एनर्जी एफीशिएंसी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांफ्रेंस सहित एग्जीबीशन का आयोजन भी किया गया। जिसमें एनर्जी एफीशिएंसी के क्षेत्र में काम कर रही विभिन्न संस्थाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एस. नारायणन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि पंचामृत के तहत बढ़े हुए लक्ष्य के लिए, भारत के ऊर्जा दक्षता प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा दक्षता नीति के कार्यान्वयन में और सबसे अधिक ऊर्जा कुशल तरीके से सतत विकास पर राज्य-विशिष्ट लक्ष्यों को पूरा करने में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न्यू ग्रीन टैक्रोलॉजी के प्रति जागरूकता व रूझान को बढ़ाना है ताकि रिन्यूएबल एनर्जी के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त की जा सकें। अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि फरीदाबाद में स्थित MSMEs और उद्योगों द्वारा अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता उपाय के कार्यान्वयन से देश के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। जिला प्रशासन इस क्षेत्र में आपको हर संभव सहायता प्रदान करेगा। जिससे कि एक बेहतर उद्योगिक पर्यावरण का निर्माण हो सके। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के सचिव आर.के. राय ने बीईई और केंद्र सरकार की ऊर्जा दक्षता पहलों के बारे उपस्थित लोगों को बताया और ऊर्जा दक्षता से जुड़े वित्तपोषण विकल्पों तक समय पर पहुंच की आवश्यकता पर बल दिया। IamSMEofIndia के अध्यक्ष राजीव चावला ने अखिल भारतीय स्तर पर स्स्स्ध उद्योग की ऊर्जा दक्षता पहलों को विस्तृत किया और बताया कि फरीदाबाद जिलों में 500 से अधिक SME ऊर्जा कुशल बन गए हैं।

# हत्या के प्रयास में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** डीसीपी सेन्ट्रल मुकेश मल्होत्रा के द्वारा अपराधिक मामलों में फरार चल रहे आरोपियो की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए थाना सेन्ट्रल की पुलिस टीम चौकी नम्बर-15ए की टीम ने हत्या के प्राश मामले में फरार चल रहे 2 आरोपियो को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गत दो फरवरी को ठेकेदार ने शिकायत दी थी। जिस पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियो में सुनील और अरविन्द का नाम शामिल है। दोनो आरोपी उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले के चाटोनी गांव के रहने वाले है। पुलिस टीम ने दोनो आरोपियो को पुलिस चौकी सेक्टर-15ए के एरिया से हत्या के प्रयास मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी सेक्टर-15 हुड्डा मार्किट में मजदूरी का काम करते है। पीडित फूलचन्द भी आरोपियो के साथ मजदूरी का काम करता था। दोनो पक्षों में किसी बात को लेकर झगडा हो गया था। झगडे में फूलचन्द को गंभीर चोट लगी जिसका ईलाज अभी इलाहाबाद के सरकारी अस्पताल में चल रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### कालीबाड़ी मंदिर में चैत दुर्गा पूजा की तैयारी शुरू

**फरीदाबाद।** सेक्टर-16 स्थित फरीदाबाद कालीबाड़ी में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बसंती अथवा चैत दुर्गा पूजा मनाने की तैयारी जोर शोर से शुरू कर दी गई है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न उच्च कोटि के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। इस बार की चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम अपने आप में एक विशेष दर्जा रखते हैं एवं इस तरह का कार्यक्रम फरीदाबाद में प्रथम बार आयोजित किया जा रहा है। फोक कार्निवाल या फरीदाबाद कालीबाड़ी लोक सांस्कृतिक उत्सव में पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर पश्चिम बंगाल राज्य के सांस्कृतिक पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन 24 मार्च को शुरू होगा और 27 मार्च तक जारी रहेगा। इस सांस्कृतिक उत्सव में बंगाल के क्षेत्रीय एवं आदिवासी नृत्य और गायन कला का प्रदर्शन होगा। इसमें बंगाल के प्रसिद्ध बाउल गान, भटियाली, भवइया, टूशु और झुमुर नृत्य एवं संगीत का भी समावेश रहेगा। जो फरीदाबाद एवं आस पास के दर्शकों के लिए एक अलग तरह का रोमांचकार अनुभव होगी। फरीदाबाद कालीबाड़ी के प्रधान डॉक्टर प्रांजित भौमिक, महासचिव अचिंत्य कुमार पंडित व सह सचिव सांतनु देब सरकार के अनुसार इस आयोजन का पूरा मकसद भारतीय राज्यों की विभिन्न संस्कृति और विरासत को दिखाना और उजागर करना है। हम चाहते हैं कि लोग इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़ें।

### टीबी को लेकर सावधान रहने की जरूरत : डॉ झा

**फरीदाबाद।** हर साल 24 मार्च को तपेदिक (टीबी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है, जो एक जीवाणु के कारण होने वाली एक संक्रामक बीमारी है और आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स फरीदाबाद में डायरेक्टर एवं एचओडी पल्मोनोलॉजी डॉ रवि शेखर झा बताते हैं कि पिछले 2 वर्षों में, टीबी के मामलों में वृद्धि देखी है। डॉ. रवि शेखर झा बताते हैं, इसके कई कारण हैं, लेकिन महत्वपूर्ण कारणों में प्रमुख हैं - (1) तपेदिक (टीबी) के मरीज़ों ने टीबी का इलाज देरी से शुरू किया क्योंकि कोविड महामारी के दौरान खांसी, जो कि तपेदिक का सबसे प्रमुख लक्षण होता है, को लेकर काफी शर्मिन्दगी महसूस होने लगी थी। (2) इसी तरह, बलगम की जांच, जो कि टीबी के निदान के लिए जरूरी है, नियमित रूप से नहीं की जा रही थी। (3) कोविड के दौरान स्टेरॉयड्स का काफी दुरुपयोग हुआ था। स्टेरॉयड्स का प्रयोग शरीर में सुप्तावस्था में पड़े तपेदिक (डॉरमेन्ट टीबी) को भड़का सकता है। और (4) जो रोगी पहले से एंटी टीबी दवाओं का सेवन कर रहे थे, उन्हें नियमित रूप से दवाएं प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा क्योंकि डॉक्टर कोविड ड्यूटी पर थे। उल्लेखनीय है कि एमडीआर टीबी (मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी) के मामलों में भी काफी वृद्धि देखी गई है। इसका संभावित कारण एटीटी (एंटी टीबी ट्रीटमेंट) का सही ढंग से अनुपालन नहीं करना हो सकता है, और साथ ही, स्टेरॉयड के प्रयोग के चलते डायबिटीज़ के मामले भी बढ़े हैं। डायबिटीज़ बढ़ने से एमडीआर टीबी के मामलों में भी तेज़ी आती है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स फरीदाबाद के डॉ रवि शेखर झा के बताया, हमें तपेदिक (टीबी) को लेकर काफी सावधान रहने की जरूरत है।

### रमजान में पहले रोजे की नवाज की अदा

**फरीदाबाद।** इबादतों के पवित्र महीने रमजान उल मुबारक के पहले जुमे की नमाज शुक्रवार दोपहर मुस्लिम सामुदाय ने उत्साह से अदा की। रहमतों और बरकतों के महीने रमजान में शुक्रवार को अकीदतमंदों ने अलसुबह सहरी की और फिर फजर की नमाज अदा की। दोपहर में जुमे की नमाज हुई। रोजा रखने वाले रोजेदारों ने जुमे की नमाज अदा की। लोगों ने नमाज के बाद दुआ मांगी। फजर की नमाज से शुरू हुआ इबादत का दौर रात को ईशा की नमाज के बाद तराबी तक चला। वहीं देर शाम इफ्तार व सेहरी हुआ। इसके लिए बाजार में खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, अनार, शिकंजी के लिए नींबू की खरीदारी हुई।

### नाराज निगम कर्मचारियों ने जमकर किया प्रदर्शन

**फरीदाबाद।** नगर निगम मुख्यालय पर सफाई कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के समय नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान गुरचरण खांडिया की अध्यक्षता में जनरल मीटिंग की तथा जुलूस बनाकर प्रदर्शन करते हुए स्थापना शाखा लेखा शाखा दिलराज के समक्ष जमकर नारेबाजी करते हुए निगम प्रशासन सरकार के पत्र के अनुसार सीवर मेन व सफाई कर्मचारियों को नियमित भर्ती के माध्यम से नियमित करने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने या उनके वेतन में पक्के कर्मचारियों के बराबर बढ़ोतरी करने एलटीसी देने समेत अन्य मांगों को पूरा करने की मांग की। मीटिंग का संचालन सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव कृष्ण चंडालिया ने किया। इस अवसर पर नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व उप प्रधान कमला, राज्य सचिव अनूप चंडालिया, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला वरिष्ठ उप प्रधान बलवीर सिंह बालगोहर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के सफाई कर्मचारियों के साथ भेदभाव एवं उनको बांटने के ओछे हथकंडे अपना रही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट सेशन में पालिका कर्मचारियों को 1000 रुपये स्वच्छता भत्ता देने का एलान किया।

### बच्चों को क्षयरोग के प्रति किया सचेत

**फरीदाबाद।** राजकीय आदर्श वरिष्ठ माद्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा में विश्व टीबी दिवस पर जूनियर रेड क्रॉस व सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविन्दर कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में क्षय रोग (टीबी) के लक्षण और प्रकार बता कर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविन्दर कुमार मनचन्दा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व में दो अरब से ज्यादा व्यक्तियों को लेटेंट टीबी संक्रमण है। सक्रिय टीबी की बात की जाए तो इस अवस्था में टीबी का जीवाणु शरीर में सक्रिय अवस्था में रहता है तथा यह स्थिति व्यक्ति को बीमार बनाती है। सक्रिय टीबी का रोगी दूसरे स्वस्थ व्यक्तियों को भी संक्रमित कर सकता है। इसलिए सक्रिय टीबी के रोगी को अपने मुंह पर मास्क या कपड़ा लगाकर बात करनी चाहिए और मुंह पर हाथ रखकर खांसना और छींकना चाहिए। लगातार तीन सप्ताह से खांसी का आना और आगे भी जारी रहना, खांसी के साथ खून का आना, छाती में दर्द और सांस का फूलना, वजन का कम होना और अधिक थकान महसूस होना, शाम को बुखार का आना और ठंड लगना, रात में पसीना आना आदि टी बी के लक्षण है। जब टीबी का जीवाणु फेफड़ों को संक्रमित करता है तो वह पल्मोनरी टी बी कहलाता है। टीबी का बैक्टीरिया 90 प्रतिशत से अधिक केसेस में फेफड़ों को प्रभावित करता है। अन्य लक्षणों में सामान्य रूप से सीने में दर्द और लंबे समय तक खांसी व बलगम होना शामिल हो सकते हैं। कभी कभी पल्मोनरी टीबी से संक्रमित लोगों की खांसी के साथ थोड़ी मात्रा में खून भी आ जाता है।

# आज है अर्थ आवर डे...एक घंटा बिजली बंद रखकर बचाएं ऊर्जा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

**जलवायु** परिवर्तन व पृथ्वी को बचाने के लिए जरूरी है कि हम प्राकृतिक और महत्वपूर्ण चीजों का संरक्षण करें। ऊर्जा भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसका संरक्षण भी बहुत जरूरी है। शनिवार को अर्थ आवर-डे है, इसलिए इस दिन एक घंटा बिजली बंद रखकर ऊर्जा संरक्षण में अपना योगदान दें।

अर्थआवर हर साल मार्च के अंतिम शनिवार को एक घंटे के लिए रात 8:30 से 9:30 बजे तक धरती की रक्षा के लिए लाखों लोगों द्वारा स्वयं मनाया जाता है। इस बार 25 मार्च को मनाए जाने वाले अर्थ आवर-डे को लेकर ऊर्जा समिति

## ऊर्जा समिति कर रही है बिजली उपभोक्ताओं को जागरुक

लोगों को जागरुक भी कर रही है। अर्थ आवर-डे का उद्देश्य लोगों को बिजली के महत्व के प्रति और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरुक करना है।

अर्थ आवर विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा आयोजित एक विश्वव्यापी अभियान है। यह आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जो व्यक्तियों, समुदायों और व्यवसायिकों आदि को पृथ्वी के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में एक घंटे के लिए गैर-जरूरी बिजली की बत्तियां बंद करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसमें दुनियाभर के नागरिकों से न सिर्फ एक घंटे के लिए गैरजरूरी लाइट्स को बंद रखने की अपील की जाती है बल्कि सौर ऊर्जा को भी अपनाने की सलाह भी दी जाती है।

**हमें अर्थ आवर का बनना चाहिए हिस्सा :** हमें अर्थ आवर का हिस्सा बनना चाहिए और स्वयं ही शनिवार को स्वेच्छा से एक घंटे के लिए बिजली बंद करनी चाहिए। सभी लोग अपने घरों और कार्यालयों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स आदि बंद कर दें। बिजली के उपकरणों को स्वयं बंद करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरणा दें। इस अभियान में एक घंटे के लिए

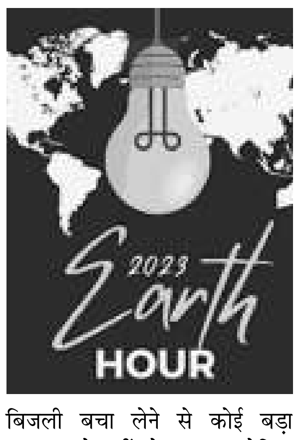


बिजली बचा लेने से कोई बड़ा बदलाव तो नहीं हो जाएगा। लेकिन एक दिन लिए की गई कोशिश और लोगों की एकजुटता में यह सन्देश देने की कोशिश करते हैं कि ऊर्जा बचाएं।

**एक घंटे तक स्वेच्छा से करें बिजली बंद :** उन्होंने लोगों को स्वेच्छा से समय निर्धारित कर एक घंटे के लिए बिजली के अनावश्यक उपकरण आदि बंद करने का आह्वान किया है।

विश्व के किसी भी क्षेत्र में रहने वाला व्यक्ति इसमें शामिल होकर अपना योगदान दे सकता है। एक घंटे के लिए स्वयं बिजली उपकरण बंद कर अपना समर्थन अवश्य दें। यह बायो-डायवर्सिटी एवं प्रकृति की रक्षा में तुच्छ योगदान होगा। अर्थ आवर की शुरुआत वर्ष 2007 में ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर से लाइट-ऑफ इवेंट के रूप में हुई थी। 2008 में 35 देशों ने अर्थ आवर डे में हिस्सा लिया और अब अर्थ आवर डे में विश्व के लगभग सभी देश शामिल हैं।

**बड़े स्तर पर ऊर्जा खपत को बचाना उद्देश्य :** ऊर्जा समिति के महासचिव संजय कुमार चुघ के मतुाबिक अर्थ आवर-डे मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया में ऊर्जा की बड़े स्तर पर खपत को बचाना और प्रकृति की सुरक्षा के लिए जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। प्रकृति के नुकसान और जलवायु परिवर्तन की चचाज़ पर जल्द से जल्द प्रकाश डालने को लेकर दुनिया भर के लाखों लोगों व कारोबारियों को एक साथ लाना है। प्रकृति को हो रहे नुकसान को देखते हुए अर्थ आवर दुनिया के लोगों को इस मुद्दे पर बोलने के लिए भी एकजुट करता है।

# देश सेवा को दिए सर्वोच्च बलिदानों में हरियाणा के शूरवीरों का विशेष योगदान

## कार्यक्रम में 23 वीरांगनाओं सहित रेजांगला युद्ध के जीवित शूरवीरों को किया सम्मानित

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

**राज्यपाल** बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव तीनों नायक ऐसे सच्चे राष्ट्रवादी थे, जिनके खून में देशभक्ति का भाव कूट-कूट कर भरा हुआ था। उनके बलिदान से देश की युवा शक्ति में क्रांति के एक नए जोश का संचार हुआ। जिसके चलते अंग्रेजों को देश छोड़कर जाना पड़ा व देश को स्वतंत्रता मिली। वे यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित शहीदी दिवस समारोह में बोल रहे थे।

शहीदी दिवस समारोह में ख्याति प्राप्त कवि कुमार विश्वास ने भी अपनी पंक्तियों से शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में

गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित शहीदी दिवस समारोह में शहीदों के परिवारजनों को सम्मानित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

राज्यपाल ने 23 युद्ध वीरांगनाओं एवं रेजांगला के युद्ध के जीवित तीन शूरवीरों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक देश सेवा में जो भी सर्वोच्च बलिदान दिए गए, उसमें हरियाणा के शूरवीरों का विशेष योगदान रहा है। जिसमें दक्षिण हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने राव तुलाराम, राव किशन सिंह व गोपाल देव की शहादत का जिक्र करते हुए कहा कि दक्षिण हरियाणा के ये वीर बलिदानी देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम के मुख्य सूत्रधार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल का लगभग दो प्रतिशत भाग होने के बावजूद सैनिकों और अर्द्धसैनिकों के लगभग 10 प्रतिशत नौजवान हरियाणा से आते हैं। उनमें से भी दक्षिणी हरियाणा के जवानों की संख्या काफी है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में वर्ष 1962 में चीन के साथ रेजांगला क्षेत्र में चीनी सैनिकों व भारत की कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के युद्ध का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में लड़े गए इस युद्ध में दक्षिण हरियाणा क्षेत्र के रणबांकुरों ने वो इतिहास रचा जिसके लिए दुश्मन ने भी उनकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। वीरों, शहीदों का सम्मान करना हमारी परंपरा रही है। राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी वीर बलिदानियों को सम्मान देने की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। हरियाणा सरकार विभिन्न योजनाओं के द्वारा युद्ध के दौरान शहीद हुए सेना के जवानों व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों के कल्याण के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम में स्वामी धर्मदेव ने कहा कि शहीदों की याद में आयोजित यह कार्यक्रम निश्चित हैं हमारे समाज में एक व्यापक बदलाव लाएगा। इस अवसर पर पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह, हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के वाईस चेयरमैन बोधराज सीकरी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। वहीं जिला प्रशासन की ओर से एडीसी विश्राम कुमार मीणा तथा चीफ प्रोटोकॉल ऑफिसर वत्सल वशिष्ठ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# छह साल के हेयांश ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, स्वामी रामदेव ने किया सम्मान

## देश के बच्चों के लिए रोल मॉडल बना गुरुग्राम का बालक हेयांश

**गुरुग्राम।** जिस उम्र में बच्चे स्कूल जाने की शुरूआत करते हैं, उस उम्र में बालक हेयांश ने एवरेस्ट बेस कैंप फतह करके विश्व रिकार्ड बनाया है। हेयांश पूरे देश के बच्चों के लिए एक रोल माडल बन गया है। योग गुरु बाबा रामदेव द्वारा गुरुग्राम के हेयांश कुमार को विश्व रिकॉर्ड बनाने पर सम्मानित किया गया।

गुरुग्राम जिला के गांव बाबरा बकीपुर के सामान्य से किसान परिवार से संबंध रखने वाला बच्चा आज विश्व रिकॉर्ड बना गुरुग्राम और हरियाणा का नाम पूरे विश्व में स्थापित कर चुका है। हाल ही में हेयांश कुमार पुत्र मनजीत कुमार पटौदी के एक निजी स्कूल में नर्सरी कक्षा का छात्र है। उसे सम्मानित करते हुए स्वामी रामदेव ने मंच के माध्यम से कहा कि हेयांश के पिता ऑर्गेनिक खेती करते

बालक हेयांश को गोद में उठाए हुए स्वामी रामदेव।

हैं। अपने परिवार को सात्विक भोजन कराते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप यह छोटा सा बालक माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक अपने पैरों से जाने में सफल हुआ। उन्होंने बताया कि आज हेयांश से समस्त माता-पिता और बच्चों को प्रेरणा लेनी चाहिए। बड़ों की अपेक्षा बच्चों में सीखने और करने की शक्ति क्षमता अत्याधिक होती है। साथ ही हेयांश के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पुरस्कार स्वरूप च्यवनप्राश, मिठाई देकर रुद्राक्ष की माला पहनाकर आगे सहयोग का आश्वासन भी दिया।

# संक्षिप्त समाचार

## दुकान में से आभूषण चोरी करने वाली महिलाओं पर केस दर्ज

**सोहना।** कॉस्मेटिक की दुकान पर ग्राहक बनकर आई दो महिलाएं जेवरात चोरी कर ले गईं। स्थानीय पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शहर के वार्ड 17 निवासी नरेन्द्र शर्मा ने पुलिस को बताया कि उसने शिव कुंड के पास कॉस्मेटिक की दुकान की हुई है। बुधवार को दो अज्ञात महिलाएं उसकी दुकान पर ग्राहक बनकर आई थीं। जिसमें से एक महिला ने सामान देखने के दौरान उसका ध्यान भटका दिया। एक बाद एक सामान खरीदने के नाम खुलवा दिया। इसी दौरान गल्ले में 20 ग्राम का रखा सोने का आभूषण चोरी कर लिया। महिला की यह चालाकी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी में आ रही फुटेज के आधार पर महिलाओं की पहचान करने में जुट गई है।

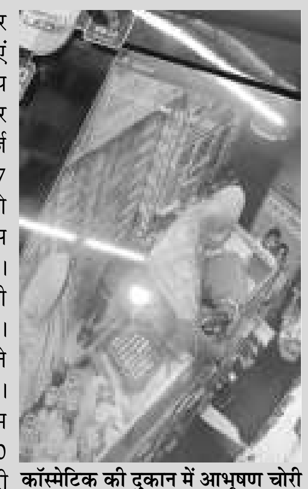

कॉस्मेटिक की दुकान में आभूषण चोरी करने की आरोपी महिलाएं।

## बलिदान दिवस पर रंग दे बसंती कार्यक्रम में झूमे लोग

**गुरुग्राम।** हरियाणा कला परिषद, नगर निगम गुरुग्राम के सहयोग से री-अर्थ लाइफ संस्था द्वारा सेक्टर-29 ओपन एयर थिएटर में बलिदान दिवस पर रंग दे बसंती कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन व जिला परिषद गुरुग्राम के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सिलानिया ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों में पार्षद सीमा पाहुजा, पार्षद कुलदीप बोहरा, पार्षद दिलीप सहानी, अंकित अलग, सनी सिंह दौलताबाद, हारून राशिद, नवीन गोयल, राजकुमार राजू, श्रीपाल राणा, पीआरओ सतबीर रोहिल्ला और अन्य गणमान्य लोगो ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत ग्रो डांस एकेडमी के बच्चों द्वारा गणेश वंदना से की गई फिर राजीव रंजन, किरण कश्यप, रामकेश जीवनपुर वाला व सुंदर वैदिक ने देशभक्ति गीतों गीत गाकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

गुरुग्राम में बलिदान दिवस पर आयोजित देशभक्ति कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों पर झूमते लोग।

## डेरा प्रेमी जयनारायण की मृत देह मेडिकल रिसर्च के लिए दान दी

**गुरुग्राम।** गुर्दे भी दान यहां मुर्दे भी दान करने के लिए दुनियाभर में नाम कमा रहे डेरा सच्चा सौदा के सेवादार समाज की हर तरह से सेवा में लगे रहते हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिले के गांव नानू कलां निवासी जयनारायण इंसा (92) का निधन होने पर परिवार ने उनकी मृत देह को मेडिकल रिसर्च के लिए रामा मेडिकल कालेज एंड रिसर्च सेंटर हापुड़ (यूपी) में दान कर दिया। डेरा प्रेमी जयनारायण इंसा वर्षों से डेरा सच्चा सौदा से जुड़े रहे। जयनारायण डेरा सच्चा सौदा में सत ब्रह्मचारी भी रहे। पिछले काफी समय से अपने पैतृक गांव नानू कलां स्थित अपने परिवार के साथ घर में रह रहे थे। पूरी तरह से स्वस्थ थे। शुक्रवार की सुबह 8 बजे उन्होंने परिवार के बीच अंतिम सांस ली। गुरूजी संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा की प्रेरणा से डेरा प्रेमी जयनारायण ने पहले ही बॉडी डोनेट के लिए डेरा सच्चा सौदा में फार्म भरा हुआ था। डेरा प्रबंधन की ओर से हापुड़ के रामा मेडिकल में जयनारायण की बॉडी डोनेट करने के लिए निर्देशित किया। संत ब्रह्मचारी जयनारायण के निधन की सूचना मिलते ही काफी संख्या में डेरा प्रेमी उनके निवास पर पहुंचे। परिवार को सांत्वना देने के साथ मृत देह को डोनेट कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। मृत देह वाली गाड़ी को शाह सतनामजी ग्रीन एस. वेलफेयर फोर्स विंग के सेवादारों ने सम्मान में हाथ जोड़कर धन-धन सतगुरू तेरा ही आसरा के नारे लगाए। परिवार में उनकी तीन संतान एक बेटा रामपाल व दो बेटी राजबाला व संतरा के अलावा तीन पौते भागीरथ, जयबीर, कमलदीप और एक पौती ऊषा, चार पड़पौते व दो पड़पौती हैं।

## बिजली उपभोक्ता अवकाश वाले दो दिन भी भर सकेंगे बिल

**सोहना।** बिजली निगम ने बकाया बिल और उस पर लगा ब्याज माफी योजना का उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अवकाश वाले दिन शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे। उपभोक्ता सुबह 9 बजे से एक बजे तक अपना बकाया बिल जमा कराने के साथ-साथ ब्याज माफी का लाभ उठा सकेंगे। बिजली निगम ने 15 मार्च से अपने बिजली बकायादार उपभोक्ताओं के लिए ब्याज माफी की योजना को एक बार फिर से लागू किया था। यह योजना 31 मार्च तक जारी रहेगी। बिजली निगम के स्थानीय एसडीओ लियाकत अली ने बताया कि उच्चाधिकारियों ने अब ब्याज माफी योजना का अपने बकायेदार उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के इरादे से शनिवार और रविवार को अवकाश वाले दिन भी कार्यालय खोलने के आदेश जारी कर दिए है।

# जेएमडी एम्पायर स्क्वायर: शहर के बीच में मॉडर्न लिविंग का नया लैंडमार्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

**जेएमडी** ग्रुप, भारत के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है, जो अपने प्रोजेक्ट जेएमडी एम्पायर स्क्वायर-शहर के मध्य में मुख्य एमजी रोड पर स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग को लॉन्च किया है। जेएमडी एम्पायर स्क्वायर को मॉडर्न बिज़नेस और इंटरप्रेन्योर की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक प्रमुख स्थान पर है और जो आसान कनेक्टिविटी के साथ साथ आधुनिक सुविधाएं भी प्रदान करता है। यह इमारत एक मॉडर्न आर्ट प्लेसिंग वर्क कल्चर के लिए सबसे अव्वल है।

यहां की बिल्डिंग में कई प्रकार की सुविधाएं जैसे रिटेल स्टोर, ऑफिस स्पेस और रेस्टोरेंट है जो इसे आपकी सभी व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। यहां की खास बात यह भी है की आप इनके दिए हुए स्पेस को अपनी जरूरतों के हिसाब से

कस्टमाइज भी करवा सकते हो। जेएमडी एम्पायर स्क्वायर अपने सभी रहने वालों की सुरक्षा और आराम को सुनिश्चित करने के लिए हाई-स्पीड लिफ्ट, 24/7 पावर बैकअप और चौबीस घंटे सुरक्षा जैसी सुविधाएं भी देता हैं। इसके अलावा, जेएमडी एम्पायर स्क्वायर मुख्य एमजी रोड पर स्थित है, जो शहर के सबसे व्यस्त वाणिज्यिक केंद्रों में से एक है। इन सभी तरह की सुविधाओं के हिसाब से यह एक परफेक्ट कमर्शियल बिल्डिंग में से एक है। यह आपके बिज़नेस के लिए एक प्राइम लोकेशन है जिससे आप अपने हर तरह के ग्राहक व क्लाइंट्स को आकर्षित कर सकते हैं और अपना बिजनेस बढ़ा सकते हैं।

# अमेजन फैशन के स्प्रिंग-समर 2023 कलेक्शन के साथ कीजिए सीजन के लेटेस्ट ट्रेंड्स की खरीदारी

## कुछ सबसे ट्रेंडिंग समर स्प्रिंग फैशन एवं ब्यूटी ब्रांडों पर पाएं न्यूनतम 50% की छूट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**अमेजन** फैशन ने सीजन के सबसे बेहतरीन फैशन एवं ब्यूटी ट्रेंड्स के साथ अपने स्प्रिंग-समर 2023 कलेक्शन को पेश कर दिया है। फ्लोई सिल्हूट्स और रिलैक्स्ड टी-शर्ट्स से लेकर फैशनेबल Y2K एक्सेसरीज और जेन जी के लिए एक नॉस्टैल्जिक कलेक्शन तक, यह स्प्रिंग समर कलेक्शन आपके आउटफिट को कंपलीट लुक प्रदान करेगा।

इसी के साथ ही अमेजन फैशन का यह कलेक्शन स्प्रिंग एवं समर सीजन के चटख धूप वाले दिनों में खूबसूरत रंगों, डिजाइनों, फैब्रिक और पैटर्न की एक विस्तृत श्रृंखला पेश कर रहा है। आप यहां पुरुषों, महिलाओं

और बच्चों के वेस्टर्न वियर, कैजुअल और एथनिक वियर, खास मौकों से लेकर वर्क वियर, स्पोर्ट्सवियर, फुटवियर, समर ज्वेल्स, ब्यूटी, समर ट्रैवल एसेंशियल, पर्सनल केयर जैसी कैटेगरी में 100 से अधिक ब्रांडों के 1 लाख से अधिक स्टाइल्स के ट्रेंडी और आरामदायक समर फैशन का आनंद ले सकते हैं। अमेजन फैशन इस साल स्प्रिंग-समर के दौरान चिक कट्स, बोल्ड फ्लोरल, फिट एंड फ्लेयर ड्रेसेस, मैक्सी स्कर्ट्स, समर ब्रालेट्स, डेनिम ड्रेसेस, इन-वोग एक्सेसरीज, चिक वॉचेज़, ट्रेंडी हैंडबैग्स, कलर-पॉप टी-शर्ट्स, कैजुअल शर्ट्स, फैशनेबल स्नीकर्स, ट्रैवल से जुड़े सामान, स्किन एवं हेयर केयर, कलरफुल आई पैलेट जैसे ढेरों प्रोडक्ट लेकर आया है।

यहां आप वैन ह्यूजन, वेरो मोडा, बीबा, जैक एंड जोन्स, लिवाइज, एडिडास, प्यूमा, जीवा, जवेरी पर्ल्स, क्रॉक्स, मोची, टॉमी हिलफिगर, फास्ट्रैक, टाइटन, यूएस पोलो एसोसिएशन, अमेरिकन टूरिस्टर, मायग्लैम, फॉरेस्ट एसेंशियल्स, चोपर्ड, एल्डो, डेविडऑफ, जिनी आदि जैसे टॉप फैशन एंड ब्यूटी ब्रांडों के सबसे आधुनिक संग्रह से खरीदारी कर सकते हैं। इस बार स्प्रिंग समर सीजन में आपके लुक को और खूबसूरत और स्टाइलिश बनाने के लिए यह संग्रह पेश किया गया है। इस सीज़न के लेटेस्ट ट्रेंड्स को प्रदर्शित करने के लिए खासतौर पर तैयार किए गए कलेक्शन के साथ 90 दिनों के समर सीजन की शुरुआत की जा रही है।

# तेजाब प्रकरण में दोषी ने 9 साल बाद नाबालिग घोषित करने की रखी मांग

**गुरुग्राम।** दिसम्बर-2014 में घरेलू काम करने वाली महिला पर तेजाब फेंकने के जिस मामलें में 20 जनवरी 2017 को दोषियों को स्थानीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय के द्वारा दोषी करार देकर उम्र कैद की सजा सुनाई गई।

कार्यवाही के दौरान एक दोषी सह-अभिभियुक्त राजा ने खुद को नाबालिग घोषित करने की मांग की थी। जांच के दौरान राजा के कागजात फर्जी पाए गए थे। न्यायालय ने उस फर्जीवाड़े पर एफआईआर दर्ज कराई थी। अब घटना के लगभग 9 साल बाद दूसरे दोषी ने खुद को नाबालिग क्लेम किया है। इसके लिए दोषी ने पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका भी दायर की थी, जिसके आधार पर गुरुग्राम न्यायालय में प्रतिदिन सुनवाई चल रही है। दोषी के भाई ने दोषी का स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट व जन्म प्रमाण पत्र पेश किया है।

# सोहना में टीबी वार्ड का कड़ा विरोध, स्वास्थ्य विभाग ने उद्घाटन पर लगाई रोक

## नागरिकों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर धरना देते हुए शहर को जाने वाली ही सड़क घेरी

## स्वास्थ्य विभाग को विश्व टीबी दिवस पर करनी थी अस्पताल टीबी वार्ड की शुरूआत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

**नागरिक** अस्पताल में टीबी वार्ड के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने धरना देते हुए कभी भी न खुलने देने की चेतावनी दी। नागरिकों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर धरना देते हुए शहर को जाने वाली सड़क पर बैठ गए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व टीबी दिवस के अवसर पर स्थानीय नागरिक अस्पताल टीबी वार्ड की शुरुआत की जानी थी। जबकि क्षेत्रीय नागरिक इस टीबी वार्ड का खुलने से पहले ही विरोध शुरू कर दिया था। यही विरोध शुक्रवार को भी देखा गया।

शुक्रवार को सोहना में नागरिक अस्पताल के बाहर टीबी वार्ड का विरोध प्रदर्शन करते लोग।

आज के इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से सतबीर पहलवान, पार्षद हरिश नंदा, नीरज सिंगला, सुभाष बंसल, मनोज राघव, सुनील कुमार आदि ने हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन करने वाला का टीबी वार्ड के प्रति कितना गुस्सा था। इस बात से ही अंदाजा लगाया सकता है कि बारिश में भी धरना पर बैठे रहे। मुख्य द्वार पर कुर्सियां बिछाकर बैठे रहे। धरना सुबह 10 बजे से दोपहर बाद दो बजे तक जारी रहा।

**पुलिस रही सतर्क :** टीबी वार्ड का विरोध करने वाले पर पुलिस की पैनी नजर रही। पुलिस बल को शुरुआत से ही प्रशासनिक अधिकारी के

> “टीबी वार्ड का आज शुभारंभ क्यो नही हो सका। इसके विषय में उच्चाधिकारी ही बता सकते है। इस विषय में वह कुछ भी नहीं जानते है।
>
> **दशरथ राव, एसएमओ**

आदेश पर तैनात कर दिया था। पुलिस विरोध प्रदर्शन करने वालों के साथ-साथ रही।

**30 मिनट लगाया जाम :** विरोध प्रदर्शन करने वाले स्थानीय नागरिक शहर को जाने वाले अस्पताल मार्ग पर धरना देकर बैठ गए। जिससे शहर से बाहर और अंदर आने वाले वाहनों की धरना के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई। नागरिकों ने करीब आधा घंटा तक जाम लगाकर रखा।

# सुपरस्टार ऋतिक रोशन क्लियर प्रीमियम वाटर के ब्रांड एंबेसडर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**क्लियर,** एक गुणवत्ता और मूल्य उन्मुख प्रीमियम पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर कंपनी है और बॉलीवुड सुपरस्टार तथा यूथ आइकन ऋतिक रोशन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाकर एक नई यात्रा शुरू कर रही है। क्लियर, बोतलों की अपनी बेहतर और टिकाऊ रेंज के साथ अधिक लोगों तक पहुंचने और उन्हें क्लियर चॉइस देकर लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऋतिक रोशन को ब्रांड एंबेसडर बनाकर कंपनी का लक्ष्य सुपरस्टार की बहुमुखी प्रतिभा और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को अपने उत्पादों के साथ जोड़ना है। ऋतिक रोशन न केवल भारतीय फिल्म उद्योग के सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, बल्कि उनका व्यक्तित्व बहुत ही व्यापक है। साथ ही वे भारत और विश्व स्तर पर लाखों प्रशंसकों के लिए एक रोल मॉडल है। कंपनी के साथ उनका जुड़ाव हमारी कंपनी को क्लियर #DeshKiClearChoice

बनाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए यह उत्साहजनक कदम है। क्लियर प्रीमियम वाटर के संस्थापक और सीईओ नयन शाह ने बताया कि, क्लियर पहले से ही एक स्थापित राष्ट्रीय ब्रांड है, लेकिन मुझे विश्वास है कि ऋतिक रोशन के साथ हमारा जुड़ाव एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में उभरने की हमारी महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देगा।

CLEAR का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुपरस्टार ने कहा कि लोगों को सुरक्षित और खनिज युक्त पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करने की कंपनी की यात्रा में देश के सबसे लोकप्रिय और प्रीमियम वाटर ब्रांडों में से एक CLEAR से जुड़कर मैं उत्साहित हूं। हम साथ मिलकर CLEAR के प्रीमियम उत्पादों के जरिए स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देंगे। हम एक साथ काम करते हुए स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण जैसी चीजों पर अधिक ध्यान देंगे। ऋतिक रोशन के प्रशंसकों का बड़ा वर्ग है और प्रशंसकों पर उनका गहरा प्रभाव है। उनके साथ क्लियर भी बाजार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने के लिए तैयार है। क्योंकि यह खुद को एक ब्रांड के रूप में विकसित करते हुए इंडस्ट्री में आगे बढ़ रही है।

क्लियर अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके निर्मित स्वस्थ और संतोषजनक उत्पादों की एक समृद्ध श्रृंखला के साथ अपने ग्राहकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी का मध्य गुजरात में सबसे बड़ा बॉटलिंग प्लांट है और पूरे भारत में इसकी उपस्थिति है। कंपनी के पास राष्ट्रीय एयरलाइंस, अग्रणी होटल, प्रोडक्शन हाउस और ऑटोमोबाइल सहित उद्योगों में ग्राहकों की सेवा करने का एक दशक से अधिक का अनुभव है। क्लियर की बोतलें 200 एमएल, 500 एमएल, 1 लीटर, 2 लीटर और 5 लीटर सहित विभिन्न पैक में उपलब्ध हैं।

# छात्राओं की प्रेरणा को लगे सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा : नवीन गोयल

गुरुग्राम के सेक्टर-14 गर्ल्स कालेज में सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा लगाने के लिए मांग पत्र सौंपते नवीन गोयल व सैनी समाज के सदस्य।

**गुरुग्राम।** पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने सेक्टर-14 गर्ल्स कालेज में देश की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा लगाने की मांग को लेकर शुक्रवार को ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज की महिला प्रदेश अध्यक्ष नीलम सैनी समेत कई पदाधिकारियों के साथ यहां कालेज प्राचार्य डा. रमेश गर्ग के नाम वाइस प्रिंसिपल प्रो. अनुपमा को मांग पत्र सौंपा।

इस अवसर पर उनके साथ ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज संस्था के प्रदेश अध्यक्ष हंसराज सैनी, महिला इकाई से प्रदेश अध्यक्ष नीलम सैनी के अलावा संगठन की महामंत्री रेखा सैनी, प्रदेश सचिव योगिता सैनी, जिला अध्यक्ष कमलेश सैनी और संस्था के पुरुष इकाई के जिला अध्यक्ष पीसी सैनी भी मौजूद रहे। नवीन गोयल ने कहा कि महान हस्तियों की प्रेरणा लेकर हम अपने जीवन का एक लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। खासकर शिक्षा के मंदिरों में तो उनकी प्रतिमाएं होनी चाहिए। समाजसेविका के रूप में सावित्रीबाई फुले के जीवन का उद्देश्य महिलाओं की मुक्ति एवं छुआछूत मिटाना, महिलाओं का सशक्तिकरण, विधवाओं का विवाह करवाना, महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाना, कमजोर वर्ग की महिलाओं को शिक्षित करना रहा। इतिहास में दर्ज जानकारियों को साझा करते हुए नवीन गोयल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले की जब शादी हुई थी, तब तक वे पूर्ण रुप से अशिक्षित थी।

# तहसील कल्याण अधिकारी को निलंबित कर विभागीय जांच भी कराई जाए : मंत्री

**कासिम खान।** मेवात

## ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने कहा विभाग के गड़बड़झाले की जांच भी होगी

## ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में 12 परिवादों में से 8 निस्तारित चार शिकायतें पैंडिंग में रखी

**ग्रीवेंस** कमेटी में जन शिकायतों की सुनवाई करते हुए पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने जिला बाल कल्याण विभाग में कार्यरत तहसील कल्याण अधिकारी सुखपाल को सस्पेंड करने के आदेश दिए। साथ ही कहा कि विभाग की जांच भी कराई जाए। जिसके लिए एक कमेटी का गठन किया जाए। इसके अलावा पंचायत विभाग से संबंधित शिकायतों पर अधिकारियों व कर्मचारियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई।

पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने शिकायतों को सुना और निर्देश दिए कि गुणवत्ता के साथ समय पर तरीके से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जो हमारी सरकार चल रही है। उसका मकसद लोगों को मूलभूत सुविधाएं देना है। पूरी ईमानदारी व ताकत के साथ सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति तक बैठे परिवार को मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना हमारा मकसद है। देवेंद्र सिंह बबली पंचायत मंत्री ने कहा कि पहले भी सरकार अपने तरीके से काम करती रही और आज हमारी सरकार पारदर्शिता के साथ काम को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोई भी अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई पहले भी होती रही है और अब भी होती रहेंगी। मंत्री ने कहा कि आम लोगों में जागरूकता आई है। अधिकारों को लेकर ग्राम पंचायतों में लोगों में जागरूकता आई है। सरकार का सहयोग करें। मूलभूत सुविधाएं सरकार गांव में पहुंचाना चाहती है। गांव का संपूर्ण विकास सरकार चाहती है। गलियां, नालियां, चौपाल तक विकास सीमित नहीं रहेगा। आदर्श सुविधाएं गांव को मिले इस पर फोकस किया जा रहा है। पंचायत में विकास मंत्री देवेंद्र सिंह ने कहा कि गांव के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आएगी। व्यायामशाला से लेकर ई लाइब्रेरी इत्यादि सुविधाएं गांव में दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तालाब के काम को भी गति दी जा रही है। 1650 गांव को टारगेट किया गया था। उनमें काफी विकास हुआ है। पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने चुने हुए पंचायत के प्रतिनिधियों खासकर जिला परिषद के प्रमुख का कार्यक्षेत्र बढ़ाया गया है। पहले नाली तक उनके काम से लेकिन उनको 8 नई जिम्मेदारियां विभाग की तरफ से दी गई हैं। बबली ने कहा कि मेरा अनुरोध है कि विकास हो और लोगों को राहत मिले यही प्रयास है। पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने बीपीएल कालोनियों को जाने वाले रास्तों की अगर दिक्कत है तो पूरे जिले का पंचायत विभाग एवम राजस्व विभाग के अधिकारी खाका तैयार करें और लोगों को रास्ता मिलना चाहिए।

शुक्रवार को जिला लघु सचिवालय स्थित मीटिंग हॉल में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के पंचायत एवं विकास मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में कुल 12 परिवाद रखे गए, जिनमें से 8 का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया और 4 शिकायतों को अगली बैठक के लिए पेंडिंग में रखा गया। पंचायत एवं विकास मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ग्रीवेंस कमेटी की बैठक के दौरान पूरे रंग में नजर आए।

उन्होंने कहा कि हम व्यवस्था परिवर्तन करना चाहते हैं। लिहाजा अधिकारी भी अपने आप में परिवर्तन करके पूरी तैयारी के साथ बैठकों में भाग लें और आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से पहुंचाने का काम करें। उन्होंने दो टूक कहा कि लापरवाही किसी सूरत में भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# ई-टेंडरिंग को लेकर बदल रहा सरपंचों का नजरिया : देवेंद्र बबली

**पायनियर समाचार सेवा।** मेवात

**प्रदेश** में ई टेंडटिग के भारी विरोध के बाद अब धीरे-धीरे सरपंचों का नजरिया प्रदेश सरकार की ईटेंडरिंग के बारे में बदलता दिख रहा है। शुक्रवार को पलवल तथा नूंह जिले के तकरीबन 40-50 सरपंचों ने पंचायत एवम विकास मंत्री देवेंद्र सिंह बबली से सर्किट हाउस नूंह में मुलाकात कर ईटेंडरिंग योजना का समर्थन करते हुए पंचायत मंत्री को भरोसा दिलाया कि सरकार उन्हें विकास के लिए राशि दे। साथ ही सरकार टेंडरिंग प्रक्रिया को आसान बनाए, सरपंच अपनी तरफ से गांव के विकास में कोई कोर कसर नहीं रखेंगे।

पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने दो जिलों के सरपंचों को भरोसा दिलाया कि सरकार की तरफ से गांव के विकास के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। साथ ही पंचायत विभाग की इंजीनियरिंग विंग में भी जल्दी ही बड़े बदलाव किए जाएंगे ताकि टेंडर प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके। पंचायत एवम विकास मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने पहले दिन सरपंचों से अनुरोध किया था। हमने नई व्यवस्था लागू करते ही सरपंचों का मान सम्मान बढ़ाने के लिए उनको जिम्मेदारी का एहसास दिलाने के लिए जिलावार कार्यक्रम आयोजित किए। सरपंचों के साथ बातचीत की गई। जलपान किया गया, उनसे सुझाव लिए गए। उनमें कुछ ऐसे थे उनके वेतन में बढ़ोतरी करनी थी। उनकी मांगों को सरकार ने माना और उसको आगे बढ़ाया गया। व्यवस्था परिवर्तन प्रणाली बदलने की कोशिश की गई। उसमें उनके वेतन बढ़ाने सहित कई मांगे थी, उनको सरकार ने माना उस काम को आगे बढ़ाया गया। 85 फीसदी पंचायतों ने कामकाज विकास के शुरू कर दिए हैं। कुछ लोग राजनीति का शिकार हैं। उनसे अनुरोध करूंगा कि गांव वाले लोगों को आपसे बहुत उम्मीदें हैं, आपके गांव की जवाबदेही आपकी जिम्मेदारी है।

# बढ़ती गर्मी के चलते वार्डों में शुरू हुई पानी की किल्लत

**फिरोजपुर झिरका।** अचानक गर्मी के मौसम के करवट बदलते ही शहर के कई वार्ड के मोहल्लों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। लगातार कई दिनों से पानी ना आने की वजह से वार्डवासी काफी परेशान नजर आ रहे हैं। जबकि इन दोनों नवरात्रि एवं रमजान के महीने शुरू हो गए हैं। जिसकी वजह से व्रत एवं रोजा रखने वाले लोगों को साफ-सुथरा पानी की काफी जरूरत पड़ती है। लगातार कई दिनों से वार्ड में पानी ना आने के चलते लोगों ने अपने घर के बाहर लगवा रखे समर्सिबल के खारे पानी को पीने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

पानी की आपूर्ति पूरा करने के लिए कुछ महिलाएं एकत्रित होकर समर्सिबल का पानी ले जाती नजर आई। वहीं वार्ड-12 की महिला रिंकी शर्मा, चंचल मल्होत्रा, अनीता सेन, सीमा गोयल, पूजा गोयल, पुष्पा सचदेवा, चंचल जैन, नेहा जैन, अर्चना जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि कई दिनों से वार्ड में पानी ना आने के चलते काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से घरों के बाहर लगे समर्सिबल के खारे पानी को पीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। वहीं वार्ड की महिलाओं का यह भी कहना है कि कई बार आठ सौ रुपए का टैंकर मंगाकर पानी की आपूर्ति की जाती है। उन्होंने हरियाणा जल बोर्ड विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार वार्ड में पानी तो आता है लेकिन वह भी गंदा आता है। जबकि वाटर सप्लाई का पानी विशेष तौर पर पीने एवं खाना बनाने के लिए इस्तेमाल में लिया जाता है।

ऐसा कहते हैं जन स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता समीउल्ला खां का कहना है कि वार्ड 12 के पानी की समस्या का मामला मेरे संज्ञान में है। फिरोजपुर झिरका शहर को रेनीवेल परियोजना का पानी दिया जा रहा है। लेकिन उसकी टेस्टिंग होनी बाकी थी। तीन-चार से पानी की टेस्टिंग चल रही थी। जल्द से जल्द शनिवार की सुबह तक लोगों को पानी की समस्या से निजात दिला दी जाएगी।

# लुटेरे सुरक्षित हैं, आवाज उठाने वाले राहुल गांधी को डराने की कोशिश : विधायक

**पायनियर समाचार सेवा।** मेवात

**कांग्रेस** पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द किए जाने पर हरियाणा कांग्रेस विधायक दल उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच गया है।

विधायक आफताब अहमद ने कहा है कि यह सीधे लोकतंत्र की हत्या है, देश को लूटने वाले सुरक्षित व संरक्षित हैं, जबकि उनके खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले राहुल गांधी को डराने की कोशिश केंद्र की मोदी सरकार कर रही है। सरकार को चाहिए था कि वो देश लुटने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करती लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि वो आवाज उठाने वाले लोगों के खिलाफ राजनैतिक द्वेष के साथ काम कर रही है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि ये दुखद है कि मोदी सरकार में संवैधानिक संस्थाएं बेहद कमजोर हो गई हैं और ऐसा साफ प्रतीत होता है कि सत्ता पक्ष उन पर अधिक हावी हो चुका है। ऐसा लगता है कि शायद देश अब तानाशाही के रास्ते पर चलने की कोशिश कर रहा है, लेकिन देश के लोगों को अब इस लड़ाई को निर्णायक दिशा देनी होगी ताकि लोकतंत्र सुरक्षित रह सके।

विधायक आफताब अहमद ने कहा कि ये देखकर बहुत पीड़ा होती है कि एक व्यक्ति, जिसने अपने प्रधानमंत्री पिता व दादी को देश के लिए शहीद होते देखा हो उन्हें सिर्फ इस बात के लिए जेल भेजा जा रहा कि उन्होंने देश लुटने वाले नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चौकसी, अडानी जैसे लोगों के खिलाफ जन हित में आवाज उठाई हो। अगर ये है तो फिर हर कांग्रेसी देश लुटने वालों के खिलाफ ऐसे ही आवाज उठाता रहेगा फिर उसे सत्ता पक्ष कितना भी परेशान कर ले। बता दें कि राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने "मोदी सरनेम" संबंधी टिप्पणी को लेकर दर्ज आपराधिक मानहानि के मामले में दो साल कारावास की सजा सुनाई है। इसके बाद राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी गई। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि भाजपा चाहे जो कर ले लेकिन राहुल गांधी सरकार से सवाल करते रहेंगे।

# सरकारी की नीतियों के खिलाफ जंतर-मंतर पर करेंगे आंदोलन : प्रदेशाध्यक्ष

**फिरोजपुर झिरका।** 29 सूत्रीय मांगों के लिए हरियाणा सरपंच एसोसिएशन दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करेगा। इसकी रणनीति बनाई जा रही है। अलग-अलग जिलों में बैठक की जा रही है ताकि मजबूती के साथ सरपंच पक्ष रख सकें। ये बातें हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणबीर गिल ने कही।

उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार सरपंचों का इम्तिहान ले रही है तभी तो सरपंचों पर लाठीचार्ज किया था। बेइज्जती का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। रणबीर ने कहा कि 3 अप्रैल को दिल्ली जंतर मंतर पर सरपंच एकजुट होकर लेंगे। उन्होंने सैकड़ों सरपंचों से आह्वान किया कि वह तन मन धन से इस संघर्ष में सहयोग करें। संविधान में सरपंचों को 29 शक्तियां कानून ने दी हुई है। उन सभी को लागू करना जरूरी है। जिला सरपंच एसोसिएशन के प्रधान रफीक हथौड़ी ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है। वहां सरपंचों की लिमिट 25 लाख रुपए तक है तो हरियाणा में खट्टर सरकार 5 लाख रुपये पर क्यों रुकना चाहती हैं। मौके पर खंड सरपंच एसोसिएशन प्रधान नसीम खान, उस्मान सरपंच खेड़ीखुर्द, भूटटू मांडीखेड़ा, अजीज सरपंच जलालपुर, मजीद पार्षद, परवेज आलम पति जिला पार्षद, मुबारिक अली उलेटा, उमर सरपंच नोटकी आदि पार्षद मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### रमजान में बिजली-पानी की सुविधा दे सरकार : हाजी सोहराब

**नूंह।** रमजान के पवित्र माह में लोगों को पर्याप्त बिजली और पानी की सुविधा मिले। इसको लेकर इनेलो पार्टी के वरिष्ठ नेता हाजी शोहराब खान खेड़ी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन विशेष तौर से बिजली उस समय देना सुनिश्चित करें जब रोजेदारों को ज्यादा जरूरत हो। इसमें कोताही न बरती जाए। इस रमजान माह में रोजेदारों को बिजली व पानी की समस्या न होने दे। उन्होंने कहा कि जुमेरात को चांद दिखाई देने पर 24 मार्च शुक्रवार को पहला रोजा रखा गया है। रमजान के पवित्र महीने में रोजेदार सुबह चार बजे से ही अपना रोजा शुरू कर देते हैं, जो शाम साढे सात बजे तक चलता है। रोजेदारों की सुविधा के लिए प्रदेश सरकार रमजान के महीने में बिजली पानी के समुचित प्रबंध पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि अक्सर रमजान माह में बिजली-पानी की समस्या देखने को मिलती है। इस ओर बिजली निगम और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जरूर ध्यान दें। किसी भी फॉल्ट का तुरंत ठीक कराया जाए। जिला प्रशासन विशेषकर संज्ञान ले।

### हर्षोल्लास के साथ निकाली जाएगी भगवान रामचंद्र की पालकी

**फिरोजपुर झिरका।** हर वर्ष की भांति गत वर्ष भी रामनवमी के उपलक्ष्य पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र भगवान की पालकी गढ़ अंदर सीताराम मंदिर से बैंड बाजे एवं ढोल नगाड़ों के साथ शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए सिविल लाइन रोड पर स्थित सीताराम बगीची तक जाएगी। यह सभी जानकारी सनातन धर्म सभा समिति के प्रधान डॉ वेद प्रकाश माहेश्वरी ने दी। उन्होंने बताया कि रामनवमी के शुभ अवसर पर पूरे बाजार को रंग बिरंगी झंडियों एवं तोरण द्वारों से सजाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र भगवान की इस पालकी में कई युवा लड़के अपने हाथों में भगवा रंग के झंडे लेकर चलते नजर आएंगे, फिर इसके उपरांत शाम 7.00 बजे सिविल लाइन रोड पर स्थित सीताराम बगीची से भगवान रामचंद्र की पालकी वापस शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए अपने गंतव्य स्थान गढ़ अंदर सीताराम मंदिर पहुंचेगी और भगवान रामचंद्र की आरती की जाएगी। आरती के उपरांत शोभायात्रा में उपस्थित समस्त धर्म प्रेमी महिलाओं एवं पुरुषों में प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में सभी धर्म प्रेमी भगवान रामचंद्र की इस पालकी में शामिल होकर और पुण्य लाभ कमाएं। इस मौके पर सचिव छगन शर्मा, अमित सिंगला, सुरेश गोयल, धर्मपाल गुप्ता, सुभाष सर्राफ, जगदीश गुप्ता, सतीश सिंगल सहित सनातन धर्म सभा समिति के लोग उपस्थित रहे।

### नगर में अवैध पार्किंग कर खड़े वाहनों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

**तावडू।** नगर के मुख्य मार्गों पर अवैध पार्किंग कर वाहनों को खड़ा करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को इसी कड़ी में शहर थाना पुलिस ने 10 वाहनों का चालन किया तो कई वाहनों की कागजात पूरे नहीं होने और यातायात नियमों का उल्लंघन मिलने पर जब्त कर लिया गया। शहर थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नगर की मुख्य सड़कों के किनारें वाहनों को अवैध रूप से पार्थ करने की शिकायतें मिल रही थी। जिससे अन्य वाहनों को आवाजाही में मुश्किल हो रही थी और कई बार नगर में कई घंटों तक लंबा जाम लग जाता था। नगर वासियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को इसी कड़ी में एक अभियान चलाया गया। इस दौरान 10 वाहनों के पांच-पांच सौ रुपए के चालान काटे गए हैं, तो वहां लो तो नियमों यातायात नियमों का उल्लंघन और कागजात नहीं मिलने पर वाहनों को जब्त भी किया गया।

### रमजान माह के पहले जुमे पर उमड़ी रोजेदारों की भीड़

**फिरोजपुर झिरका।** रमजान के पहले दिन और पहले ही जुमे के नमाज को लेकर क्षेत्र की मस्जिदों में रोजेदारों की काफी भीड़ देखी गई। शहरी तथा ग्रामीण इलाकों से आए हजारों लोगों ने दोपहर जोहर के वक्त अलग-अलग मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की। नमाज के पश्चात रोजेदार शहर के मुख्य बाजारों से खरीदारी कर अपने-अपने घरों को लौटे। वही कुदरत ने भी पूरा साथ दिया। सारे दिन धूप नहीं निकली। रोजेदारों की खरीदारी के लिए शहर के मुख्य बाजार सब्जी, फल व खजूर तथा तरबूज के दुकानदारों द्वारा विशेष रूप से ग्राहकों के लिए तैयारी की गई। रमजान माह के इस मुबारक महीने में लोग इबादत के लिए रोजा नमाज के पाबंद नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को पहले जुमा होने के कारण नमाजियों की भीड़ दिन के 11 बजे से ही शुरू हो गई। नमाज के निर्धारित समय से पहले लोग मस्जिदों की ओर जाते देखे गए। इलाके की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में मुफ्ती अहमद शाकिर ने जुमे की नमाज अदा करवाकर देश-प्रदेश में अमन शांति की दुआ मांगी। वहीं जामा मस्जिद के अलावा शहर के सिविल लाइन रोड, बस अड्डा व पुरानी सब्जी मंडी व लालकुआं चौक वाली मस्जिद में भी जुमे की नमाज अदा करवाई गई। मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़ को देखते हुए मस्जिदों में टेंट, दरी, तिरपाल सहित अन्य चीजों का विशेष इंतजाम किया गया।

# सोहना में टीबी वार्ड का कड़ा विरोध, स्वास्थ्य विभाग ने उद्घाटन पर लगाई रोक

## नागरिकों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर धरना देते हुए शहर को जाने वाली ही सड़क घेरी

## स्वास्थ्य विभाग को विश्व टीबी दिवस पर करनी थी अस्पताल टीबी वार्ड की शुरूआत

**पायनियर समाचार सेवा।** सोहना

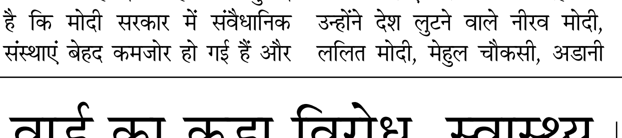

शुक्रवार को सोहना में नागरिक अस्पताल के बाहर टीबी वार्ड का विरोध प्रदर्शन करते लोग।

**नागरिक** अस्पताल में टीबी वार्ड के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने धरना देते हुए कभी भी न खुलने देने की चेतावनी दी। नागरिकों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर धरना देते हुए शहर को जाने वाली सड़क पर बैठ गए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व टीबी दिवस के अवसर पर स्थानीय नागरिक अस्पताल टीबी वार्ड की शुरुआत की जानी थी। जबकि क्षेत्रीय नागरिक इस टीबी वार्ड का खुलने से पहले ही विरोध शुरू कर दिया था। यही विरोध शुक्रवार को भी देखा गया।

आज के इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से सतबीर पहलवान, पार्षद हरिश नंदा, नीरज सिंगला, सुभाष बंसल, मनोज राघव, सुनील कुमार आदि ने हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन करने वाला का टीबी वार्ड के प्रति कितना गुस्सा था। इस बात से ही अंदाजा लगाया सकता है कि बारिश में भी धरना पर बैठे रहे। मुख्य द्वार पर कुर्सियां बिछाकर बैठे रहे। धरना सुबह 10 बजे से दोपहर बाद दो बजे तक जारी रहा।

**पुलिस रही सतर्क :** टीबी वार्ड का विरोध करने वाले पर पुलिस की पैनी नजर रही। पुलिस बल को शुरुआत से ही प्रशासनिक अधिकारी के आदेश पर तैनात कर दिया था। पुलिस विरोध प्रदर्शन करने वालों के साथ-साथ रही।

> “**टीबी** वार्ड का आज शुभारंभ क्यो नही हो सका। इसके विषय में उच्चाधिकारी ही बता सकते है। इस विषय में वह कुछ भी नहीं जानते है।
>
> **दशरथ राव, एसएमओ**

**30 मिनट लगाया जाम :** विरोध प्रदर्शन करने वाले स्थानीय नागरिक शहर को जाने वाले अस्पताल मार्ग पर धरना देकर बैठ गए। जिससे शहर से बाहर और अंदर आने वाले वाहनों की धरना के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई। नागरिकों ने करीब आधा घंटा तक जाम लगाकर रखा।

# अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग: पांच सदस्यों से मिलीं 10 गाड़ियां

**पायनियर समाचार सेवा।** मेवात

**हरियाणा,** उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान इत्यादि राज्यों में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय वाहन चोर सरगना सहित पांच बदमाशों को सीआईए तावडू पुलिस ने दबोचने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए आरोपियों से 10 लग्जरी गाड़ियां, 5 अवैध हथियार, तीन जिंदा व एक खाली रौंद बरामद किए हैं। पुलिस ने शुरुआती पूछताछ में गिरोह के सदस्यों से 20 लग्जरी गाड़ियों को देश के अलग-अलग राज्यों से चोरी करना कबूल किया है।

पुलिस ने सभी आरोपियों को अलग-अलग दिन कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर इनसे पूरा राज उगलवाने का काम किया है। सबसे खास बात यह है कि गिरोह गाड़ियों के इंजन व चेसिस नंबर बदल और फर्जी कागजात तैयार कर उन्हें बेचने का काम करता था। इस गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की भी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। यह जानकारी पुलिस कप्तान वरुण सिंगला नूंह ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी। पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने बताया कि गत 16 मार्च को फरीद पुत्र अख्तर निवासी सतपुतियाकी, शकील पुत्र रसीद निवासी सालाहेड़ी को सूचना के आधार पर पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उपरोक्त बदमाशों ने पुलिस पर सीधे फायर कर दिए। पुलिसकर्मियों ने भी अपनी जान बचाने के लिए हवाई फायर किए। सीआईए तावडू पुलिस के साथ हुई इस मुठभेड़ में पुलिस ने आईपीसी, आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया। एसपी नूंह ने बताया कि गत 17 मार्च को आरोपी फरीद को कोर्ट में पेश किया गया और 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पूछताछ के दौरान सरगना नसीम पुत्र अख्तर निवासी सतपुतियाकी को भी गिरफ्तार किया गया। गत 18 मार्च को नसीम को अदालत में पेश करके 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान 19 मार्च को दो देशी बंदूक, दो अवैध देसी कट्टे, एक खाली खोल, एक स्विफ्ट गाड़ी बरामद की गई। गत 19 मार्च को सलीम पुत्र अय्यूब निवासी घासेड़ा को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह 20 मार्च को सलीम को अदालत में पेश कर 4 दिन के रिमांड पर लिया गया। उससे काफी सामान बरामद हुआ। गत 21 मार्च को भी आरोपी से पूछताछ के दौरान बरामदगी की गई। गत 22 मार्च को शकील व नसीम को अदालत में पेश करके दोबारा से 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। इसी तरह गत 23 मार्च को अजीम पुत्र वहीद निवासी पल्ला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने बताया कि पकड़े गए उपरोक्त आरोपियों पर पहले भी वाहन लूट चोरी इत्यादि के तकरीबन 8 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस कप्तान नूंह ने कहा कि उपरोक्त गिरोह दूरदराज राज्यों से गाड़ी चोरी करके इंजन तथा चेचिस नंबर बदलकर फर्जी कागजात तैयार करता था और मार्केट वैल्यू के हिसाब से उसे बेच देता था।

### पुलिस ने ये वाहन और हथियार किए बरामद

**पुलिस** टीम ने पकड़े गए सभी आरोपियों से दो क्रेटा, दो होंडा सिविक, एक स्विफ्ट, एक मारुति ब्रेजा, एक इको, एक सेंट्रो कार, एक आई10, एक ईरटीगा, एक आई20, एक ट्रैक्टर आयशर ट्रॉली, 5 अवैध असलाह, 3 जिंदा रौंद बरामद किए।

### 464 पेटी अंग्रेजी की अवैध शराब ले जाती गाड़ी पकड़ी

**मेवात।** सीआईए नूंह पुलिस शराब की बड़ी खेप पकड़ने में कामयाब हुई है। सीआईए नूंह पुलिस ने हाल ही में 464 पेटी अर्थात कुल 5568 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब से लदी गाड़ी को पकड़ने में सफलता अर्जित की है। इससे पहले भी इसी नेटवर्क से जुड़े लोगों की एक शराब से भरी गाड़ी गत 14 फरवरी को सीआईए नूंह पुलिस द्वारा पकड़ी गई थी। जिसमें 720 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब भरी हुई थी। कुल मिलाकर अब तक 1234 पेटी अंग्रेजी अवैध शराब की पकड़ी जा चुकी हैं। पुलिस कप्तान ने बताया कि पुलिस को आयशर कैंटर बंद बॉडी में अवैध अंग्रेजी शराब व दो तस्कर पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। गत 23 मार्च को पुलिस गश्त कर रही थी। उसी दौरान सूचना मिली कि केएमपी रोड क्रॉसिंग पुल खेड़ी कंकर गांव के पास खड़ी हुई है। जिसके चालक व अन्य व्यक्ति मिस्त्री की तलाश में हैं। पुलिस ने छापा मारा तो वहां मांगीलाल पुत्र सहीराम निवासी बीकानेर तथा दिनेश कुमार श्योराण पुत्र राजकुमार निवासी भिवानी मिले। पुलिस ने दोनों से गाड़ी के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि कॉपर वायर से गाड़ी भरी हुई है। पुलिस ने गाड़ी का सामान चेक करना शुरू किया तो दोनों के होश उड़ गए। ईटीओ जावेद इकबाल आबकारी विभाग को मौके पर बुलाया और गाड़ी को चेक किया तो उसमें अंग्रेजी शराब की पेटी भरी हुई थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : विजय प्रकाश सिंह, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

## भाजपा का महत्व
### अमेरिकी स्वीकृति

**अमेरिका** के एक प्रमुख कंजरवेटिव विद्वान ने कहा है कि भाजपा दुनिया की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विदेशी पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विरले ही पश्चिमी विमर्श में स्थान पाते हैं और जब उनको स्थान मिलता है तो भी यह आमतौर पर आलोचना के लिए होता है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पद पर रहने के नौ साल बाद और उनके द्वारा लगातार प्रमुख हिंदू मूल्यों पर जोर देने से अब यह स्थिति संभवतः बदली है। वहां स्पष्ट रूप से सरकार चलाने व निर्णय लेने तथा जनता की राय बनाने में महत्वपूर्ण लोग अपने पूर्वाग्रह छोड़ कर गहराई से संघ परिवार पर गौर कर रहे हैं। कहने की आवश्यकता नहीं कि ये पूर्वाग्रह अक्सर वाम-उदारवादी अवस्थापना द्वारा संचालित अकादमिया व मुख्यधारा मीडिया, आदि संस्थानों में तैयार किए जाते हैं। लेकिन लगता है कि अब पश्चिम के महत्वपूर्ण लोग भगवा परिवार व खासकर भाजपा के बारे में अपने दृष्टिकोण में आमूल परिवर्तन कर रहे हैं। यही कारण है कि एक प्रमुख कंजरवेटिव विद्वान ने प्रख्यात कंजरवेटिव समाचारपत्र 'वाल स्ट्रीट जर्नल'-डब्लूएसजे में प्रकाशित अपने लेख में भाजपा के बारे में महत्वपूर्ण बात कही है। उनके अनुसार, 'अमेरिकन राष्ट्रीय हितों के दृष्टिकोण से भाजपा दुनिया की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विदेशी पार्टी है। लेकिन यह बात बहुत कम समझी गई है।' लेखक वाल्टर रसेल मीड को 'विश्वास है कि अमेरिकनों तथा पश्चिमी दुनिया के लोगों को आमतौर से जटिल एवं शक्तिशाली हिंदुत्व आंदोलन से ज्यादा गहराई से संपर्क करना चाहिए।' यह भी उल्लेखनीय है कि मीड चीन के सुपरिचित कटु आलोचक रहे हैं। तीन साल पहले उन्होंने डब्लूएसजे में एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक ही था 'चाइना इज़ द रियल सिक मैन आफ एशिया', यानी चीन एशिया की 'दुष्ट शक्ति' है। आश्चर्य नहीं कि इस पर चीन सरकार आगबबूला हो गई थी और उसने डब्लूएसजे के तीन पत्रकारों को देश से निकाल दिया था। न्यूयार्क के बार्ड कालेज में शिक्षक मीड न केवल भारत, बल्कि भाजपा के प्रति बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा '2024 में पुनः विजयी होने जा रही है।' उन्होंने लिखा, एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा भारत जापान के साथ हिंद-प्रशांत में अमेरिकी रणनीति के केन्द्र में है। इसलिए निकट भविष्य में भाजपा का देश में महत्वपूर्ण स्थान बना रहेगा और बिना उसकी सहायता के उभरती चीनी शक्ति से मुकाबले के अमेरिकी प्रयास कमजोर पड़ सकते हैं। वास्तव में मीड भाजपा के प्रशंसक नहीं हैं। उन्होंने सरकार-विरोधी पत्रकारों की बात की है जो 'उत्पीड़न व इससे बुरी' स्थितियों का सामना कर सकते हैं। उन्होंने 'धर्मांतरण-विरोधी कानूनों तथा कभी-कभी भीड़ की हिंसा' की बात भी की है। उनके अनुसार भाजपा ऐसी पार्टी है जो पश्चिमी उदारवाद की प्राथमिकताओं तथा अनेक विचारों को खारिज कर सकती है, लेकिन 'उसने आधुनिकता के प्रमुख तत्व अंगीकार किए हैं।' उन्होंने ऐसी पार्टी के रूप में भाजपा की प्रशंसा की है जो 'मूलतः बाजार-समर्थक आर्थिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उसे लोकरंजक व परंपरागत मूल्यों से जोड़ती है।' अमेरिकन कंजरवेटिव मुख्य रूप से इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। डब्लूएसजे के लेख को केवल एक विद्वान का अति-उत्साह नहीं समझना चाहिए। मोदी के नेतृत्व वाले भारत के साथ पश्चिम के गहरे संबंध एयर इंडिया द्वारा 470 विमान खरीदने के 70 बिलियन डालर के समझौते से भी प्रकट होते हैं। यह समझौता वैश्विक फाइनेंस तथा राजनीति के बड़े नामों के साथ सहमति के बिना नहीं हो सकता था। पश्चिमी देशों से भारत के संबंध निरंतर प्रगाढ़ होते जा रहे हैं।

# लोकतंत्र में नैतिकता महत्वपूर्ण

निर्वाचित प्रतिनिधियों को संसद व विधानसभाओं में समुचित व सूचना-आधारित बहसों तथा चर्चाओं को सुनिश्चित करना चाहिए। लोकतंत्र में नैतिकता महत्वपूर्ण है।

**जे.एस. राजपूत**
(लेखक, शिक्षा व सामाजिक समरसता क्षेत्र में कार्यरत हैं)

मार्च 2023 में बजट सत्र के दूसरे अर्धांश में भारतीय संसद की कार्यवाही ने उन लोगों में भारी चिन्ता पैदा की है जो इसे एक 'पवित्र' संस्थान समझते हैं। यह हर भारतीय का जीवन बदल सकती है तथा उन लोगों का जीवन बेहतर बना सकती है जिनको समर्थन और सहायता की आवश्यकता है। देश के अनेक लोग ऐतिहासिक, सामाजिक व सांस्कृतिक सीमाओं के कारण पीढ़ियों से पृथक्करण व पीड़ा का शिकार हैं। कया जिम्मेदार लोगों की संस्था अपना कई सप्ताह का समय बरबाद कर सकती है? वे सभी आधिकारिक रूप से सम्मानित व्यक्ति, संविधान के संरक्षक, नीति निर्माता देश के विधि-निर्माता हैं। दुनिया भर में भारत की छवि तेजी से बदल रही है और उसे बहुत ध्यान से देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उससे बहुत उम्मीदें हैं।

पिछले दशक ने विश्व शक्तियों को विश्वास दिला दिया है कि भारत एक आत्म-स्वाभिमानी देश के रूप में उभर रहा है। अब उसे दुश्मन पड़ोसी दबा नहीं सकते हैं। भारत अब 'हजारों घाव' या आतंकी हमले सहने को तैयार नहीं है। राष्ट्रीय गौरव की नई उभरती भावना व्यावहारिक रूप से हर घर में दिख रही है। यह भारत के खेतों, मैदानों तथा उच्च श्रेणी की शोध प्रयोगशालाओं में स्पष्ट है जहां कृत्रिम बुद्धि से लेकर अंतरिक्ष शोध तक अनेक क्षेत्रों में खोजें हो रही हैं। भारत ने पूरे विश्वास व आत्मविश्वास से परिवर्तनों की गति तेज की है। लेकिन उसे अपना रास्ता भी ठीक करना है। उसे महात्मा गांधी को याद करना चाहिए। मनु बहन द्वारा गांधीजी की नोआखाली यात्रा पर संग्रहीत रचना 'द लोनली पिल्ग्रिम' में बताया गया है कि गांधीजी ने राष्ट्रीय सेवा की भावना कैसे खोजी थी। आज बहुत से लोग उसकी नकल की कोशिश कर रहे हैं और अखबारों में छपे फोटो से तथा जेल जाने के पुरस्कार स्वरूप मंत्री पद पाने का प्रयास कर रहे हैं।

आज हर व्यक्ति मंत्री पद पाने के लिए शक्ति प्राप्त करना चाहता है। लेकिन अच्छे मंत्री भी बिना जनता के समर्थन के उल्लेखनीय काम कैसे कर सकते हैं? गांधीजी ने कहा था, देश को मंत्रियों की जरूरत है, पर योग्य होने पर ही मंत्री अपने पद के उपयुक्त होता है। इसी संदर्भ में उन्होंने 'स्वार्थी तत्वों' की बात करते हुए जोर दिया था कि 'हमें स्वयं को प्रशिक्षित करना होगा कि राष्ट्रीय हित को हमेशा हम सबसे ऊपर रखा जाए।' उन्होंने मंत्रियों का संदर्भ पहले भी दिया था। 18 सितंबर, 1938 को जब प्रांतीय सरकारें 'सत्ता' में केवल दस महीने से थीं, चीजें बहुत अलग नहीं थीं। महात्मा गांधी को एक नागरिक का पत्र मिला जिसमें संकेत था कि 'कांग्रेस मंत्रिमंडल सार्वजनिक रूप से आपकी मूर्ति पूजा करते हैं, पर गोपनीय रूप से उसे तोड़ते हैं। वे गोपनीय रूप से साम्राज्यवाद के प्रतीकों की पूजा करते हैं और सार्वजनिक रूप से उसे खारिज करते हैं। सच्चे और वैध तरीकों से विरोधियों पर विजय न पाने के कारण वे दुष्टतापूर्ण षडयंत्र करते हैं।' गांधीजी ने 'सबसे कड़वे हिस्सों को हल्का करने' के बाद इसे समेकित किया। पत्र लेखक ने एक ऐसे वाक्य से उसे समाप्त किया था जो आज 85 साल बीतने के बाद भी भविष्यवाणी जैसा लगता है, 'जनता की सरकार ऐसे समान तर्क से नहीं चलाई जा सकती है जिसमें खैरातों का वादा किया गया हो और उम्मीद कर रहे निर्वाचकों को भ्रष्ट बनाया गया हो।' इससे स्पष्ट सबक मिलता है कि केवल सत्ता की खुशबू ही मंत्रियों को अच्छी सरकार के नैतिक आधारों को चोट पहुंचाने के लिए प्रेरित करती है। पत्र लेखक ने आश्चर्य प्रकट किया था कि आखिरकार गांधीजी की 'आत्मा ऐसे मंत्रिमंडलों के खिलाफ विद्रोह क्यों नहीं करती है जिनके बनाने की पूरी नैतिक जिम्मेदारी आप की है।'

स्वतंत्रता के सात दशक बाद आज भारत में सेवारत मंत्रियों की तुलना में भूतपूर्व-मंत्रियों की संख्या अधिक है। सत्ता का लाभ उठाने का नशा बहुत गहरा होता है। हमारे यहां महत्मा गांधी के नाम पर शपथ लेने वाले ऐसे 'लोक सेवकों' की बड़ी संख्या है जिन्होंने इतनी अधिक संपदा एकत्र की है जिसके बारे में सबसे अच्छे अर्थशास्त्री भी नहीं सोच सकते हैं। निर्वाचित प्रतिनिधि, मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के बाद जनता ने अनेक राजनेताओं की समृद्धि व उसका प्रदर्शन देखा है। वास्तव में ग्राम पंचायतों के अधिकांश पंचों व सरपंचों ने भी राजनेताओं से ऐसे सबक सीखे हैं। इसलिए देश के समक्ष सवाल है कि निर्वाचित प्रतिनिधि उन लोगों की नजर में अपनी विश्वसनीयता क्यों खो देते हैं जो उनको सत्ता तक पहुंचाते हैं?

लोकतंत्र के काम करने का तरीका हाल में दिल्ली में मेयर के चुनाव में दिखाई दिया। इसने भारतीय लोकतंत्र पर गर्व करने वाले हर व्यक्ति को झकझोर दिया है। पूरे देश और दुनिया ने इस शर्मनाक कृत्य को देखा। दुःख की बात है कि आज हमारे सामने ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो प्रतिनिधियों तथा उनको निर्वाचित करने वाले लोगों के बीच असंतोष प्रदर्शित करते हैं। 12 मार्च, 1920 को गांधीजी ने कहा था, 'यदि मैं आज राजनीति में भाग लेता दिखता हूं तो इसका कारण केवल यह है कि आज राजनीति ने हमें चारों ओर से सांप की कुंडली की तरह लपेट लिया है। हम चाहे जितनी मेहनत करें, इससे मुक्ति नहीं पा सकते हैं। मैं इस सांप से लड़ना चाहता हूं।' उन्होंने ऐसा किया थी और एक ऐसा माडल तैयार किया जिसमें लोगों को स्वर तथा अहिंसक दृष्टिकोण मिला। इससे न केवल भारत, बल्कि अनेक अन्य देशों को साम्राज्यवाद, जाति व्यवस्था व नस्लवाद के शिकंजे से मुक्ति का अवसर मिला। एक शब्द में कहें तो उन्होंने लोगों को नैतिक शक्ति में विश्वास करना सिखाया। 7 नवंबर, 1920 को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे बहुत अच्छी तरह स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था, 'हमें वह सारी नैतिक शक्ति चाहिए जिसका प्रतिनिधित्व महात्मा गांधी करते हैं और केवल वे ही दुनिया में इसका प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।' उम्मीद थी कि हर भारतीय इसी नैतिक शक्ति को समझेगा, उसे अंतर्निहित करेगा तथा उसका व्यवहार करेगा।

स्पष्ट रूप से जनता के प्रतिनिधियों से उम्मीद थी और है कि वे हर चरण पर गांधीजी की विरासत के ध्वजावाहक बनेंगे। उनमें से प्रत्येक को आत्मावलोकन की जरूरत है। उनको इस बात का विश्लेषण करना चाहिए कि वे राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त करने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा 'कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति' की परेशानियां दूर करने के लिए किस सीमा तक काम कर सकते हैं। 75 वर्ष से अधिक आयु वाले भारतीयों की पीढ़ी ने राजनीतिक क्षेत्र में नैतिक और मानवीय मूल्यों का पतन देखा है जिसके परिणामस्वरूप हमारे नेताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों तथा पदों पर बैठे लोगों की विश्वसनीयता में लगातार गिरावट आई है। इसका विपरीत प्रभाव लोकतंत्र के महत्वपूर्ण अंगों, उसके संस्थानों तथा सबसे ज्यादा लोगों और उनके सरोकारों पर पड़ा है। अनेक मंत्रियों को आज जेलों के सीखचों के पीछे जाना पड़ता है, पर उनको अपने पद का सम्मान, वेतन व भत्ते तथा विशेषाधिकार मिलते रहते हैं। इस स्थिति की लोकतंत्र में कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

आखिरकार भारत नैतिक आधार पर टी.टी. कृष्णामाचारी, केशव देव मालवीय व लाल बहादुर शास्त्री जैसे लोगों के इस्तीफों व उनकी विश्वसनीयता को अनदेखा कैसे कर सकता है? वृद्ध लोगों की यह पीढ़ी अक्सर गांधीजी और उनके द्वारा अभिव्यक्त 'स्वतंत्र व्यक्ति व स्वतंत्र राष्ट्र' की गहरी अवधारणा को याद करती है। गांधीजी ने स्वीकार किया था कि ब्रिटिश संसद के सतही अध्ययन से वे सोचते थे कि जनता को सारी शक्ति उनकी संसदों से मिलती है।

लेकिन यह सही नहीं है। उन्होंने स्वयं अनुभव किया, 'सत्य यह है कि शक्ति जनता के पास होती है और उसे वह थोड़े समय के लिए अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को दे सकती है। जनता से अलग स्वतंत्र रूप से संसदों की न कोई शक्ति होती है और न कोई अस्तित्व।' उम्मीद की जानी चाहिए कि हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि समझेंगे कि उनकी शक्ति का स्रोत जनता है और वे संसद तथा विधानसभाओं में सूचनाओं पर आधारित बहसों व चर्चाओं को सुनिश्चित करेंगे। इस नैतिक दिशा से उनकी भूमिका मजबूत होगी तथा जरूरतमंद लोगों की सेवा कर उनमें संतोष की भावना भी पैदा होगी।

# विद्यालयी शिक्षा और कम उम्र में विवाह

"दंडात्मक कार्रवाइयों के बजाय स्कूलों में लड़कियों के नामांकन में सुधार के लिए एक सक्षम ढांचा तैयार करने के और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए।"

**अर्चना दत्ता**
(लेखिका दूरदर्शन की पूर्व महानिदेशक हैं)

असम यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम और बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए) के तहत दंडात्मक कार्रवाइयों के माध्यम से एक जोरदार अभियान पर है। 4,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 3,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें कई पिता, भाई और मुस्लिम और हिंदू पुजारियों को सुविधाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। असम के मुख्यमंत्री ने 2026 तक राज्य में बाल विवाह के खतरे को खत्म करने की कसम खाई।

बड़े पैमाने पर सार्वजनिक आक्रोश के बीच, गौहाटी उच्च न्यायालय ने गैर-जमानती आरोपों के साथ इस तरह के बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों की आलोचना की और समाज संचालित परिवर्तन पर जोर दिया। विपक्ष ने दावा किया कि यह राजनीतिक लाभ के लिए है।

कई कानूनी विशेषज्ञ नए मानदंडों और प्रथाओं को स्थापित करने के साधन के रूप में कानून की पुष्टि करते हैं। भारत में बाल विवाह निरोधक अधिनियम, 1929 था, जिसे बाद में मौजूदा पीसीएमए, 2006 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया, जिससे महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष कर दी गई।

अब, इसे 21 साल की उम्र में लैंगिक-तटस्थ बनाने के लिए एक कदम उठाया जा रहा है। संशोधन विधेयक के समर्थकों द्वारा यह दावा किया गया था कि इस कदम से लड़कियों की एजेंसी, उनकी प्रजनन स्वायत्तता बढ़ेगी और लैंगिक असमानता कम होगी। हालांकि, विरोधियों ने तर्क दिया कि लोगों की मानसिकता में बदलाव लाने के लिए यह पर्याप्त स्थिति नहीं है, क्योंकि यह उन अंतर्निहित सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों को संबोधित करने में विफल है जो कई संसाधन-गरीब परिवारों को धक्का देते हैं, जो सबसे ज्यादा शिकार भी हैं। आपात स्थिति, जैसे कि आंतरिक संघर्ष, प्राकृतिक आपदा या महामारी, कम उम्र में लड़कियों की शादी, या तो उच्च दहेज से बचने के लिए या लड़कियों की रक्षा करने के तरीके के रूप में।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के किशोरों के एक राष्ट्रीय नेटवर्क ने इस उद्देश्य के लिए गठित टास्क फोर्स को सुझाव दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, गतिशीलता और स्वतंत्रता के लिए पर्याप्त संसाधन के माध्यम से वंचित ग्रामीण संदर्भों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। चुनें कि कब, और किससे शादी करनी है, क्योंकि बाल विवाह शिक्षा और गरीबी के निम्न स्तर से निकटता से जुड़ा हुआ है।

जबकि, एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, पीसीएमए के तहत दर्ज किए गए मामलों की संख्या बहुत कम है, 2020 में केवल 785, और पार्टनर्स फॉर लॉ इन डेवलपमेंट द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि उनमें से 65 प्रतिशत भागी हुई बेटियों के खिलाफ माता-पिता को अस्वीकार करके दायर किए गए हैं, और उनकी पसंद के पुरुष भागीदारों को अपराधियों के रूप में दंडित किया गया है। बाल अधिकार कार्यकर्ताओं को डर है कि प्रस्तावित कानून कानून के दुरूपयोग को और बढ़ा देगा, सभी किशोर कामुकता को अपराधी बना देगा।

हालांकि, आज के समाज में, मौजूदा पीसीएमए ने निस्संदेह कुछ जागरूकता पैदा की है, जिससे कई लड़कियों को अपने विवाह को रोकने या देरी करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। क्रमिक एनएफएचएस डेटा ने एनएफएचएस-3 (2005-06) में 47 प्रतिशत से 18 वर्ष से कम आयु में शादी करने वाली लड़कियों के अनुपात में गिरावट की प्रवृत्ति को एनएफएचएस-4 (2015-16) में 27 प्रतिशत दर्ज किया, और अब, एनएफएचएस-5 (2020-21) में 23 प्रतिशत। अध्ययन इस बात से भी इनकार करते हैं कि कम उम्र में शादी उच्च प्रजनन क्षमता से जुड़ी होती है। बाल विवाह की अपेक्षाकृत उच्च दर वाले राज्यों सहित अधिकांश राज्यों में प्रजनन दर गिर रही है।

एनएफएचएस-5 डेटा ने पुष्टि की कि एमएमआर जैसे मातृ और शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में 80 प्रतिशत की कमी आई है (1990 में 556 से 2016-18 में 113 प्रति लाख जीवित जन्म), और, ढ्रुस्क्र में 69 प्रतिशत (35 प्रति 1,000 जन्म) 2019-21 में, 1990 में 114 से)। 2021 में एक संसदीय प्रश्न ने पुष्टि की कि यह सुझाव देने के लिए कोई विश्वसनीय डेटा नहीं है कि बाल विवाह पोक्सो और पीसीएमए को प्रभावित करने का प्रमुख कारण है। इसके बजाय, स्वास्थ्य, पोषण और चिकित्सा सुविधाओं की कमी जैसे कारक उन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

इसके अलावा, सीआरवाई द्वारा 19 राज्यों के 109 जिलों में सहसंबंध अध्ययन, एनएफएचएस-5डेटा और शिक्षा मंत्रालय के प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स स्कोर ऑफ डिस्ट्रिक्ट्स (2019-20) का विश्लेषण प्रभावी कक्षा लेनदेन, बुनियादी ढांचे और छात्रों के प्रदर्शन जैसे संकेतकों पर किया गया है। अधिकार, स्कूल सुरक्षा, आदि ने पाया कि बाल विवाह को रोकने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली उपकरण है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में 10 या उससे अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा वाली महिलाओं का प्रतिशत तुलनात्मक रूप से अधिक है, जैसे लखनऊ (51.9 प्रतिशत), गौतम बुद्ध नगर (51.9 प्रतिशत), वाराणसी (55 प्रतिशत), और इलाहाबाद (47.6 प्रतिशत)। प्रतिशत) में बाल विवाह के मामलों का प्रतिशत काफी कम था- क्रमशः 9.9 प्रतिशत, 13.5 प्रतिशत, 10.4 प्रतिशत और 13.8 प्रतिशत। जबकि बदायूं (21.6 प्रतिशत), लखीमपुर-खीरी (28.7 प्रतिशत), और कौशाम्बी (31.9 प्रतिशत) जैसे जिलों में 10 या अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा वाली महिलाओं का प्रतिशत कम है, बाल विवाह का प्रतिशत 22.9 प्रतिशत अधिक है। क्रमशः 19.7 प्रतिशत और 17.6 प्रतिशत। यूनिसेफ की पिछले साल की रिपोर्ट के अनुसार, महामारी के परिणामस्वरूप 10 मिलियन से अधिक लड़कियों की शादी हो चुकी है। एक मारक के रूप में, इसने देशों से लड़कियों की शिक्षा, विशेष रूप से माध्यमिक शिक्षा में अधिक निवेश करने का आग्रह किया। इसके अलावा, यह पाया गया कि बेहतर शिक्षित महिलाएं औपचारिक श्रम बाजार में अधिक भाग लेती हैं, उच्च आय अर्जित करती हैं, और इस प्रकार, उन्हें ऊपर उठाती हैं।

## आप की बात

### वायरस का खतरा

**एच3एन2** वायरस देश भर के लगभग सभी सभी क्षेत्रों में फैल चुका है और अस्पतालों में इसके मरीजों की संख्या बढ़ रही है। यह कोरोना जितना घातक नहीं है मगर जनता द्वारा किसी प्रकार की सतर्कता नहीं बरते जाने और प्रशासन की सक्रियता कोरोनावायरस वैश्विक महामारी जैसी नहीं दिख रही है। मास्क किसी के मुंह पर नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसी हालत में यह संक्रमण बड़े पैमाने पर फैल सकता है। पूर्व में जिन्हे कोरोना संक्रमण हो चुका उनके लिए यह घातक भी सिद्ध हो सकता है। एच3एन2 वायरस के लिए किसी प्रकार का टीका भी नहीं बना है। अतः सरकार के आयुष विभाग को इसके लिए दवा कंपनियों के सहयोग से तत्काल टीका बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देना चाहिए। लोगों को खुद ही ही आत्मानुशासन का परिचय देते हुए मास्क व अन्य सभी प्रकार की सावधानियां बरतनी चाहिए। हालांकि, प्रधानमंत्री ने जीनोम टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं तथा केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को भी इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं, पर प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता अभी नजर नहीं आ रही है। ऐसा लगता है कि अब जनता को वायरस संक्रमणों के साथ रहने व मास्क लगाने, सेनिटाइजर प्रयोग आदि आदतें डालनी पड़ेंगी।

**विभूति बुपक्या,** खाचरोद

### फांसी का तरीका

**अभी** तक भारत में फांसी पर लटका कर मृत्यु दंड दिए जाने का प्रावधान रहा है । मगर हाल ही में फांसी पर कुछ देर तक लटके रहने के बावजूद मृत्यु नहीं होने पर जो त्रासदी अपराधी ने पाई उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में विमर्श जारी है। जब अपराधी संगीन अपराध करता है तब वह भी जिसके साथ अपराध करता है उसे क्रूरता पूर्वक व्यवहार करता है। ऐसे में कुछ लोगों का मानना है कि यदि उसे मृत्युदंड देने में कष्ट भुगतना पड़े तो इससे उसे बचाने की क्या जरूरत है। अतीत में मृत्युदंड चौराहे पर जनता के सामने दिया जाता था जिसमें उसे लोगों द्वारा पत्थर मार-मार कर या अन्य प्रकार से सार्वजनिक रूप से मार दिया जाता था। लेकिन लोकतंत्र के वर्चस्व वाले वर्तमान युग में फांसी की सजा को कम कष्टदायक बनाने के प्रयास हो रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्था तो मृत्यु दंड समाप्त करने की पैरवी भी कर रही है। दुनिया के अनेक देशों ने मृत्यु दंड समाप्त किया है और इस बात के खास प्रमाण नहीं हैं कि वहां जघन्य अपराधों में वृद्धि हुई है। अपराध रोकने के लिए बेहतर कानून-व्यवस्था तथा आरोपी को शीघ्रातिशीघ्र दंड भी प्रभावी सिद्ध हुए हैं।

**सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

### बढ़ता आतंकवाद

**ब्रिटेन** में जब प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बागडोर संभाली थी तब हमारे देश में भी उत्साह था। उम्मीद थी कि एक भारतवंशी के प्रधानमंत्री बनते ही भारतीय हितों की पूरी सुरक्षा होगी लेकिन बीते महीनों में घटित घटनाएं इसके उलट जा रही है। पंजाब में खालिस्तान आंदोलन की वर्तमान जड़ ब्रिटेन व कनाडा जैसे देशों में ही है और वहीं से इसे ताजी हवा भी मिल रही है। इसके अलावा अलगाववादी झंडे लहराते हुए प्रदर्शनकारी लंदन स्थित भारतीय हाई कमीशन में तोड़फोड़ कर एक नई चुनौती दे रहे हैं। इससे ब्रिटेन में भारतीय नागरिकों, राजनयिकों व भारतीय मूल के लोगों पर खतरा बढ़ गया है। इस तरह की घटनाएं चिंता पैदा करती है। अगर इन्हें नहीं रोका गया तो इसके दुष्परिणाम ब्रिटेन को भी भुगतने पड़ेंगे। ब्रिटेन को यह भी समझ लेना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार तथा देश की सभी राज्य सरकारें किसी कीमत पर खालिस्तान या अन्य आतंकवादी या अलगाववादी आंदोलन को सहन करने को तैयार नहीं हैं और उसे पूरी कठोरता से कुचलने के प्रयास कर रही हैं।

**अमृतलाल मारू,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से **pioneerhry@gmail.com** पर भी भेज सकते है।

## फरमाया

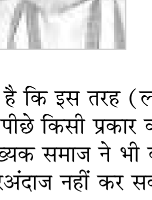

"बनारस के जाम से डरने वालों के लिए रोप-वे अच्छी चीज है। रोप-वे बनने के बाद बनारस कैंट रेलवे स्टेशन और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बीच की दूरी बस कुछ मिनट की रह जाएगी।

**-नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

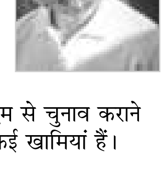

ऐसा लगता है कि इस तरह (लव जिहाद) की घटनाओं के पीछे किसी प्रकार की साजिश है। इसे लेकर बहुसंख्यक समाज ने भी कई रैलियां की हैं। हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।

**- राहुल गांधी**
महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री

देश के सभी विपक्षी दल ईवीएम से चुनाव कराने के खिलाफ हैं। इस मशीन में कई खामियां हैं। चुनाव आयोग पहले कहता था

**-दिग्विजय सिंह**
कांग्रेस नेता"

# विदेश भेजने के नाम पर ठगी के शिकार परिवार को सीएम विंडो से मिला न्याय

### सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन की कार्यशैली की भी सराहना कर रहे

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

सीएम विंडो पर आई शिकायतों का निपटारा करते सीएम एमिनेंट पर्सन प्रदीप झांब।

**विंडो** आमजन के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। खासकर उन लोगों के लिए जो अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कई जगह चक्कर काट काट कर थक चुके हैं। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में सीएम विंडो के माध्यम से सप्ताह में दो बार आयोजित होने वाली बैठकों में अनेक शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया जा रहा है जिसके चलते शिकायत लेकर पहुंचे लोग ना केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की और सरकार की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं बल्कि सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन की कार्यशैली की भी सराहना कर रहे हैं।

बीते दिन हुई सीएम विंडो की बैठक में भी विदेश भेजने के नाम पर ठगी का शिकार हुए एक शिकायतकर्ता को सीएम विंडो के माध्यम से पैसों का भुगतान कराया गया। शिकायतकर्ता राजेंद्र कुमार निवासी कुबेर कॉलोनी थानेसर ने सीएम विंडो पर दी अपनी शिकायत में बताया था कि उसके बेटे को विदेश भेजने के नाम पर कुछ लोगों द्वारा पैसे लिए गए थे परंतु उसके बेटे को कहीं और भेज दिया गया और काफी परेशानियों का सामना उसके बेटे और परिवार को करना पड़ा। जब सीएम विंडो के माध्यम से इस मामले में कार्यवाही करने और शिकायतकर्ता की राशि वापस दिलवाने की मांग की गई तो सीएम एमिनेंट पर्सन प्रदीप झांब ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए न केवल शिकायतकर्ता की रुकी हुई राशि का भुगतान करवाया बल्कि दोनों पक्षों में हुए विवाद को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। सीएम एमिनेंट पर्सन प्रदीप झांब ने बताया कि सीएम विंडो कुरुक्षेत्र का हमेशा यह प्रयास रहता है कि जितनी भी शिकायतें सीएम विंडो कुरुक्षेत्र पर पहुंच रही हैं, उनका जल्दी से जल्दी निपटारा किया जाए। इसी कड़ी में सप्ताह में दो बार कुरुक्षेत्र के सर्किट हाउस में बैठक आयोजित की जाती है और जो जो शिकायतें सीएम विंडो पर आती हैं, उन शिकायतों से संबंधित शिकायतकर्ता और दूसरे पक्ष से जुड़े संबंधित अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया जाता है और दोनों पक्षों की बातचीत को सुनने के बाद निष्पक्ष ढंग से समस्या का समाधान कराया जाता है। सीएम विंडो का यह पूरा प्रयास रहता है कि दोनों पक्ष की संतुष्टि करवाकर ही फैसला किया जाए।

विधायक सुभाष सुधा को स्मृति चिह्न देते आयुष विवि के कुलसचिव डॉ. नरेश भार्गव।

## युवाओं को शहीदों से प्रेरणा लेने की जरूरत : सुभाष सुधा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

**श्रीकृष्णा** आयुष विश्वविद्यालय और स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयुष विवि के सभागार कक्ष में शहीदी दिवस पर संकल्प दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यातिथि विधायक सुभाष सुधा, विशिष्ट अतिथि हरियाणा साल्वेट एसोसिएशन के प्रधान सीए अश्वनी जैन द्वारा शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्ति कर किया गया। मंच का संचालन मनदीप सिंह ने किया। मुख्य अतिथि थानेसर विधायक सुभाष सुधा ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश के युवाओं को शहीदों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। भगत सिंह ने मात्र तेईस वर्ष की आयु में देश के खातिर अपने जीवन का बलिदान दिया। उसके पश्चात ही सौलह साल बाद देश आजाद हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुष विवि के कुलसचिव डॉ. नरेश भार्गव ने की। इस अवसर पर केडीबी सदस्य सौरव भारद्वाज, स्वदेशी जागरण मंच से प्रो. राजेश दीक्षित, प्रो. मंधुदीप, स्वावलंबी भारत अभियान से अर्चना शर्मा, प्रो. पीसी मंगल, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रवि राज, डॉ. सतबीर चावला, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. अजर झागड़ा, डॉ. बिजेंद्र सिंह तोमर आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### राष्ट्रपति व चीफ जस्टिस के नाम सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपते भाजपा नेता पवन आश्री व अन्य।

**कुरुक्षेत्र।** भाजपा युवा मोर्चा हरियाणा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, संघ के स्वयंसेवक एवं भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक पवन आश्री ने 23 मार्च को सूरत की अदालत द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को सजा सुनाए जाने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा न्यायालय के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणी को न्यायालय की अवमानना करार दिया है। इस संदर्भ में पवन आश्री के नेतृत्व में बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ द्वारा देश की चीफ जस्टिस भारत सरकार, एडीजीपी हरियाणा पुलिस व कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भेजे गए है। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता प्रदीप कल्तगडिया, अशोक शर्मा, प्रवीण गौतम आदि मौजूद रहे। ज्ञापन के माध्यम से पवन आश्री ने बताया कि इस संदर्भ में बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ द्वारा कुरुक्षेत्र के उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया व चीफ जस्टिस भारत सरकार को ज्ञापन भेज कर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ तुरंत पुलिस मामला दर्ज करने की मांग की गई है।

### सीनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस में नैन्सी मलिक ने जीता सिल्वर

सिल्वर मेडल विजेता नैंसी मलिक।

**सोनीपत।** भुवनेश्वर में आयोजित सीनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए नैंसी मलिक ने युगल मुकाबले के फाइनल मैच में हरियाणा की निकिता के साथ खेलते हुए मध्यप्रदेश की टीम से 1-3 के स्कोर के साथ सिल्वर पदक जीता। प्रतियोगिता में खुशी, निशा, मुस्कान ने भी सैमीफाईनल तक अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। देश भर से लगभग 20 राज्य की टीम इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी रही। इस सीनियर नेशनल में क्वाटर फाइनल तक खेलने वाली सभी टीम अगले वर्ष होने वाले नेशनल गेम में हिस्सा लेंगे। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी डॉ. विशाल गर्ग व विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने नैंसी मलिक को बधाई दी और उसको भविष्य में भी बेहतर खेल प्रर्दशन के लिए प्रेरित किया।

### 51 कन्याओं को भेंट किया सामान

कन्याओं को सामान भेंट करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

**कुरुक्षेत्र।** सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) द्वारा तीसरे दिन भी राजकीय प्राथमिक पाठशाला धूलगढ गुलडेहरा में नवरात्रों के उपलक्ष्य में कन्या पूजन समारोह का आयोजन कर 51 कन्याओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश ने की। उन्होंने इस नेक कार्य के लिए सेवा ट्रस्ट टीम की खूब तारीफ की। सेवा ट्रस्ट यूके भारत के जिला कोआर्डिनेटर पवन मित्तल ने बताया कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए नवरात्रों में नई पहल शुरू की गई। ट्रस्ट ने अपनी को-स्पोंसर डाबर इंडिया लिमिटेड की तरफ से सभी कन्याओं को डाबर रियल जूस, शैम्पू, टूथपेस्ट, टूथब्रश, हेयर आयल, शहद आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुनीष शर्मा, नीरज वर्मा, अनिल कुमार, अशोक कुमार, रणधीर सिंह, पूनम देवी, राज रानी,मीतो देवी, गीता रानी, शीतल व ग्रामीण मौजूद रहे।

### गांधी परिवार देश के लिए जेल जाने से नहीं डरता : बवेजा

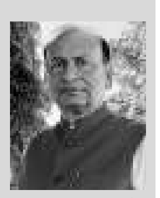

**कुरुक्षेत्र।** किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एडवोकेट मधुसूदन बवेजा ने कहा कि राहुल गांधी की लोक सभा की सदस्यता को समाप्त कर कार्यरतापूर्ण काम किया गया है। लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई गई है, इससे साफ जाहिर होता है कि मोदी सरकार संविधान की अनुपालना नहीं कर रही है। जबकि फैसले की अपील उच्च अदालत में दायर करने के 30 दिन होते है तब तक निम्न अदालत ने बेल दी हुई है। कांग्रेस या गांधी परिवार जेल से नहीं डरता। बवेजा ने कहा कि भाजपा जो भी हथकंडे अपना ले लेकिन कांग्रेस कभी झुकने वाली नही है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ खड़ा है। आमजन भाजपा की नीतियों को देख रहा है। मतदाता अब जागरुक हो गए है। बवेजा ने कहा कि भाजपा तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर कांग्रेस को कमजोर करने का प्रयास कर रही है लेकिन बावजूद इसके कांग्रेस दिन-प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है। कांग्रेस को आमजन का पूरा समर्थन मिल रहा है।

## रानियां में आयोजित होगा व्यापारी सम्मेलन 26 को : उमेश गर्ग

**कुरुक्षेत्र/शाहाबाद।** हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल युवा इकाई के प्रधान उमेश गर्ग ने बताया कि हरियाणा प्रदेश व्यापार मण्डल का व्यापारी सम्मेलन 26 मार्च को रानियां स्थित एक निजी पैलेस मे होगा। जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन कान्फेड हरियाणा बजरंग गर्ग होंगे अध्यक्षता हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल जिला सिरसा अध्यक्ष हीरालाल शर्मा करेंगे।

उमेश गर्ग ने बताया इस सम्मेलन में व्यापारियों को आ रही समस्याओं पर विचार विमर्श किया जाएग। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा प्रदेश व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन कान्फेड हरियाणा बजरंग गर्ग ने हमेशा व्यापारियों की हक की लड़ाई लडी व हर सरकार में व्यापारियों की आवाज बुलंद की है। आज पूरे प्रदेश का व्यापारी बजरंग गर्ग के नेतृत्व मे एकजुट है।

## आम आदमी पार्टी को लगा करारा झटका

### एससी प्रकोष्ठ उत्तर हरियाणा के निवर्तमान संयोजक मैं छोरी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

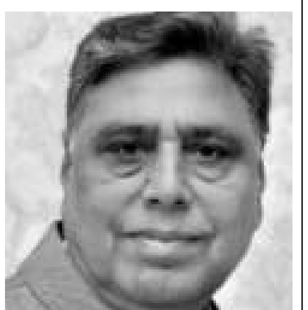
आम आदमी पार्टी एससी प्रकोष्ठ उत्तर हरियाणा के पूर्व संयोजक डा. कपूर सिंह।

**आम** आदमी पार्टी को आज उस समय गहरा झटका लगा, जब पार्टी एससी प्रकोष्ठ उत्तर हरियाणा के निवर्तमान संयोजक एवं वरिष्ठ नेता डा. कपूर सिंह ने पार्टी को छोड़ने का ऐलान कर दिया है। पार्टी के हरियाणा प्रभारी एवं दिल्ली से सांसद डॉक्टर सुशील कुमार गुप्ता को भेजे अपने त्यागपत्र में उन्होंने आप को छोड़ने के कारणों के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।

डा. कपूर पिछले लंबे समय से आप से जुड़े रहे और हरियाणा में विशेष रुतबा रखते हैं। अब वे कौन सी राजनीतिक पार्टी ज्वाईन करेंगे, फिलहाल उन्होंने इस बारे में भी कोई खुलासा नहीं किया है। मगर यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में वे सोच समझ कर ही फैसला लेंगे। उनकी अपने साथी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत चल रही है और विचार विमर्श के बाद ही आगामी निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि डा. कपूर सिंह आप से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे।

## सोनीपत रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प भारत निर्माण योजना में शामिल

### रेल राज्यमंत्री राव साहेब पाटिल दानवे ट्रेन से सोनीपत पहुंचे

### 2024 में एक बार फिर से मोदी सरकार बनने का किया दावा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

रेलवे स्टेशन का दौरा करते केंद्रीय राज्य रेलमंत्री राव साहेब पाटिल दानवे।

**केंद्रीय** राज्य रेल मंत्री राव साहेब पाटिल दानवे सोनीपत रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सांसद रमेश चंद्र कौशिक भी मौजूद थे। उन्होंने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल राज्य मंत्री ने कहा कि भारत निर्माण के दौरान जो नए रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार के लिए जा रहे हैं।

रेल राज्य मंत्री दानवे दिल्ली से सांसद रमेश कौशिक के साथ ट्रेन में सवार होकर सोनीपत पहुंचे थे। रेल राज्य मंत्री दानवे ने कहा कि बजट में रेलवे के लिए बेहतरीन सोच के साथ अच्छा खासा बजट रखा गया है। इससे रेलवे स्टेशनों व ट्रेनों में लोगों के लिए बेहतरीन सुविधाएं मुहैया करवाने में मदद मिलेगी। राहुल गांधी को सजा के मामले में उन्होंने कहा कि यह अदालत का मामला है। इस पर वे टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने 2024 के आम चुनावों को लेकर भाजपा सही दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। एक बार फिर से देश में मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी, यह तय है।

## अखिल भारतीय साहित्य परिषद सोनीपत इकाई ने कराई आयोजित काव्य संध्या

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

काव्य संध्या के दौरान मौजूद इकाई पदाधिकारी।

**अखिल** भारतीय साहित्य परिषद सोनीपत इकाई ने नवसंवत व शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में इकाई संरक्षक प्रो. जगदीश बत्रा के आवास पर काव्य संध्या का आयोजन किया। दीपप्रजलन व सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभ आरंभ हुआ। जिसमें इकाई सदस्यों ने नवसंवत व शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में नवसंवत और शहीदों के नाम अपनी-अपनी रचनाएं पढ़कर सुनाईं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय मार्गदर्शक डॉ. पूर्णमल गौड़ ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि डॉ. शैलेंद्र गोयल रहे। इकाई अध्यक्षा गीतांजलि ग्रोवर व नरेश आकाश महासचिव ने सभी से नए सदस्यों का परिचय करवाया। सर्वप्रथम प्रांतीय मार्गदर्शक डॉ. शिव कुमार खंडेलवाल के ज्येष्ठ पुत्र अनिल खंडेलवाल के आकस्मिक देहांत पर 2 मिनट का मौन धारण किया और उनकी आत्मिक शांति के लिए प्रार्थना की।

इस प्रार्थना सभा में डॉ. शिव कुमार खंडेलवाल वीडियो कॉलिंग के माध्यम से शामिल हुए। उसके उपरांत प्रांतीय उपाध्यक्ष रामधन शर्मा ने अपनी दो कविताएं इन अवसरों पर प्रस्तुत की। दीपक जाटी कलां, सत्यनारायण शर्मा, राजेंद्र कौर, अरुण गुप्ता, सुखदा नागपाल, प्राचार्य संतोष राठी, प्रोफेसर नवीन वशिष्ठ, सुषमा वशिष्ठ, नीरज शर्मा व सुभाष सिसोदिया ने भी इस अवसर पर अपनी-अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। डॉक्टर शैलेंद्र गोयल ने भी बहुत मार्मिक रचनाएं पेश की। डॉ. पूर्णमल गौड़ ने नवसंवत व शहीदी दिवस की महता पर प्रेरक विचार रखे।अंत में डॉक्टर जगदीश बत्रा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

## श्री राम मंदिर सेक्टर आठ में श्रीराम कथा का किया आयोजन

**करनाल।** श्रीराम नवमी के अवसर पर श्रीराम मंदिर सेक्टर आठ में श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथावाचक श्रीमारुति नंदन शास्त्रीजी ने कथा का महत्व बताते हुए कहा कि श्रीराम कथा के श्रवण से व्यक्ति में उत्तम चरित्र का निर्माण होता है। प्रभु श्रीराम की पावन कथा व्यक्ति का जीवन भवसागर से पार लगाती है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से श्रीराम ने अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने विवेक का परिचय देते हुए बुराई का अंत किया उसी प्रकार से हमें भी अपने भीतर के अहम का अंत कर प्रभु की भक्ति में लीन रहना चाहिए। इस मौके पर प्रधान अशोक मदान ने बताया कि ब्रह्मलीन स्वामी श्री हेमंत दास महाराज जी व गद्दी नशीं महाराज श्री खुशहाल दास महाराज जी के आशर्वाद से यह भव्य आयोजन 29 मार्च तक होगा। 30 मार्च की सुबह भंडारा लगाया जाएगा। कथा व्यास मारूतिनंदन शास्त्री भगवान राम के जीवन आदर्शों बारे में ज्ञान दिया।

## नाबालिग से छेड़छाड़ करने के आरोपी को सुनाई तीन साल कारावास की सजा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

**कुरुक्षेत्र** की फास्ट ट्रैक कोर्ट अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायाधीश की अदालत ने नाबालिग से छेड़छाड़ करने के दोषी अंकुश कुमार पुत्र जसमेर सिंह वासी जिला कुरुक्षेत्र को 3 साल कारावास व 22 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

जिला उप न्यायवादी भुपेन्द्र कुमार ने बताया कि थाना सदर थानेसर की रहने वाली एक महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी नाबालिग पोती पड़ौस के गांव में 12वीं कक्षा में पढ़ती है। जब उसकी पोती स्कूल में जाती है तो अंकुश पुत्र जसमेर सिंह नाम का लड़का आते-जाते उसका पीछा करता है। आरोपी उसकी पोती को शादी करने के लिये मजबूर करता है तथा ऐसा ना करने पर उसके भाई को जान से मारने की धमकी देता है। जिसकी शिकायत पर थाना सदर थानेसर में मामला दर्ज करके जांच महिला उप निरीक्षक पवनदीप कौर को सौंपी गई। पीडिता के बयान 164 सीआरपीसी अंकित करवाए गये व काऊसंलिग करवाई गई। मामले की नियमित सुनवाई फास्ट ट्रैक स्पैशल कोर्ट अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायाधीश कुरुक्षेत्र की अदालत ने गवाहों व सबूतों के आधार पर आरोपी अंकुश कुमार पुत्र जसमेर सिंह वासी जिला कुरुक्षेत्र को दोषी करार देते हुए धारा 354ए आईपीसी के तहत 3 साल की कैद व 8 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई, जुर्माना ना भरने की सूरत में 11 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी, धारा 354डी आईपीसी के तहत 3 साल की कैद व 8 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई, जुर्माना ना भरने की सूरत में 11 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी, धारा 506 आईपीसी के तहत 1 साल की कैद व 1 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई, जुर्माना ना भरने की सूरत में 1 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी, पोक्सो एक्ट की धारा 12 के तहत 3 साल की कैद व 5 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

## ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी: सेव अर्थ एक्टिविस्ट संदीप चौधरी

### जलवायु परिवर्तन सम्पूर्ण मानव जाति के लिये खतराः संदीप चौधरी, सेव अर्थ एक्टिविस्ट

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

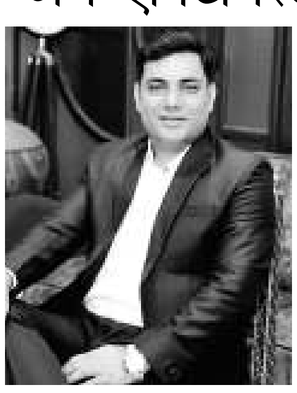

**कोई** भी प्रयास और अभियान तब तक सफल नहीं होता जब तक उसमें प्रत्येक की हिस्सेदारी शामिल नहीं होती है। यह बात जाने-माने सेव अर्थ एक्टिविस्ट संदीप चौधरी ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े एक कार्यक्रम में कही। हाल ही में संदीप चौधरी के नेतृत्व में यस वर्ल्ड एवं सेव अर्थ मिशन की टीम द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य धरती पर हो रहे ग्लोबल वॉर्मिंग के दुष्प्रभावों को लेकर समाज का ध्यान आकर्षित करना रहा।

इस अवसर पर बात करते हुए सेव अर्थ एक्टिविस्ट संदीप चौधरी ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन एक ऐसी समस्या है, जो सम्पूर्ण मानव जाति के लिये बड़ा खतरा बन चुकी है। वास्तव में हम सबका भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा कि भले ही इस संबंध में सरकार की बैठकें होती रहती है, जिनमें कई वादे किये जाते हैं, मगर इन सबका अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है, जो चिंता का विषय है। इसलिये उन्होंने कहा कि इस धरती पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह खासकर कार्बन का प्रयोग कम करके ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

दरअसल, एक साधारण किसान परिवार में पैदा हुए संदीप चौधरी का धरती एवं पर्यावरण के प्रति शुरू से ही गहरा लगाव रहा है। यही वजह रही कि उन्होंने पर्यावरण बचाने के बड़े अभियान के साथ अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इसके लिये उन्होंने यस वर्ल्ड नामक एक संस्था शुरू की जो धरती एवं पर्यावरण के संबंध में जागरूकता फैलाने का काम करती है। इस संस्था के माध्यम से संदीप चौधरी लोगों को जागरूक करते हुए बताते हैं, कि किस तरह हम अपनी धरती को अधिक हरित एवं कार्बन रहित बना सकते हैं।

## एसीएम ने ईवी थीम में निवेश के लिए ऐस -इलेक्ट्रिक आईबास्केट लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**असित** सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स लिमिटेड, असितसी मेहता फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की सहायक कंपनी, जो भारतीय इक्विटी बाजारों में अग्रणी फिनटेक समूहों में से एक है, ने ईवी थीम में निवेश के लिए ऐस-इलेक्ट्रिक आईबास्केट लॉन्च किया भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के ट्रांजीशन और विकास से अत्यधिक व्यवस्थित और पेशेवर दृष्टिकोण के साथ लाभ की उम्मीद करने वाली कंपनियों में निवेश करने के लिए ऐस-इलेक्ट्रिक आईबास्केट लॉन्च किया है।

असिल सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स के निदेशक आनंद वरदराजन ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए भारतीय बाजार में इस दशक में 49 प्रतिशत की अनुमानित चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ जबरदस्त वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत सरकार ने 2030 तक ईवी वाहनों की बाजार हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका मतलब है कि भारत में 2030 तक लगभग 5 करोड़ से 8 करोड़ ईवी होंगे। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगभग 14 लाख करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। ऐस-इलेक्ट्रिक आईबास्केट में 24 कंपनियां शामिल हैं जो ईवी इकोसिस्टम में ईवी थीम के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभार्थी हैं, जिनमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स, मशीनरी, उपकरण और घटक, बैटरी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रिकल यूटिलिटीज, बैंकिंग सेवाएं, तेल और गैस शामिल हैं।

## बालक के सर्वांगीण विकास में शिक्षक व अभिभावक के बीच संवाद आवश्यक : सुमित कुमार

पायनियर समाचा सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। शिक्षकों से संवाद करते अभिभावक।

**गीता** निकेतन विद्या मंदिर में सत्र 2022- 23 की कक्षाओं के प्रश्न पत्र से संबंधित आचार्य-अभिभावक बैठक रही। इसमें लगभग सभी कक्षाओं से अभिभावक विद्यालय में उपस्थित रहे व कक्षा अध्यापकों और विषय अध्यापकों से मिल कर अपने बच्चों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। और छात्रों के बौद्धिक व शारीरिक विकास के विषय में विचार विमर्श करके आगामी सत्र के लिए अच्छे सुझाव दिए।

आचार्यों ने अभिभावकों को छात्रों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराया। अभिभावकों द्वारा बच्चों की प्रगति एवं अध्यापकों के प्रयास की सराहना की गई। इसके अतिरिक्त आज विद्यालय में नवीन सत्र के लिए छात्रों की प्रवेश परीक्षा भी रही शिशु वाटिका विभाग प्रमुख निर्मला मलिक ने सभी अभिभावकों को विद्या भारती की लक्ष्य व विभिन्न शैक्षणिक आयामों के बारे में बताया। प्रधानाचार्य सुमित कुमार ने अभिभावकों को विद्यालय की प्रगति से अवगत कराया नवीन भवन निर्माण की जानकारी दी। और बताया कि बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक व अभिभावक के बीच संवाद बहुत आवश्यक है। अभिभावकों ने इस प्रयास की सराहना की। प्रधानाचार्य ने अभिभावकों का विद्यालय में उपस्थित होकर बालकों के विकास में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया।

अमृतपाल सिंह का मामला

# बलजीत कौर को भेजा तीन दिन के पुलिस रिमांड पर

## हरजिन्द्र सिंह की नहीं मिली कोई संलिप्तता

### नहीं थी पुलिस को कोई जानकारी हम खुद गए डीसी के समक्ष : हरजिंदर सिंह

**पायनियर समाचार सेवा।** कुरुक्षेत्र/शाहाबाद

शाहाबाद के शहीद उधम सिंह मेमोरियल में मामले की जानकारी देते हरजिन्द्र सिंह व गांववासी।

**‘वारिस** पंजाब दे’ संगठन के मुखिया अमृतपाल सिंह को पनाह देने के आरोप में सिद्धार्थ कॉलोनी शाहाबाद निवासी बलजीत कौर को एसटीएफ पंजाब ने शुक्रवार को नकोदर कोर्ट में पेश करने के बाद तीन दिन के रिमांड पर ले लिया है। दूसरी और वीरवार को पुलिस की गिरफ्त से बाहर आने के बाद बलजीत कौर के भाई हरजिंदर सिंह ने मीडिया के समक्ष कई अहम बातों का खुलासा किया है। हरजिंदर सिंह ने बताया कि जब उसे पता चला कि उनके घर में रुकने वाला शख्स अमृतपाल सिंह है, तो वे खालिस्तानी संगठनों से डर गए और चुप्पी साध ली।

बुधवार को उसने यह सारा घटनाक्रम लाड़वा के एसडीएम के साथ सांझा किया, तो उन्होंने संबंधित मामला उपायुक्त कुरुक्षेत्र के समक्ष रखने का सुझाव दिया। हरजिंदर सिंह ने बताया कि उनके घर अमृतपाल सिंह के पनाह लेने का सुराग हरियाणा या पंजाब पुलिस को नहीं लगा था, बल्कि वह दोनों भाई-बहन हरजिन्द्र सिंह और बलजीत कौर ने स्वयं एसडीएम लाडवा के माध्यम से उपायुक्त कुरुक्षेत्र व एसपी के समक्ष पेश होकर इस मामले की जानकारी दी थी। मगर मामले की जानकारी देने के बाद कुरुक्षेत्र पुलिस ने बुधवार रात को बलजीत कौर को गिरफ्तार करके पंजाब पुलिस को सौप दिया और मुझे भी पुन: जानकारी लेने के लिए बुलाया गया। इसके बाद वीरवार सुबह पंजाब एसटीएफ ने हरजिन्द्र सिंह व बलजीत कौर से पूछताछ जारी कर दी। गुरुवार देर सायं पंजाब एसटीएफ ने पूछताछ के बाद हरजिन्द्र सिंह को घर भेज दिया है, जबकि बलजीत कौर को पूछताछ के लिए पंजाब एसटीएफ जालंधर ले गई। हरजिन्द्र सिंह और परिवार ने कहा कि उन्हें इस बात का मलाल है कि जब उसने व उसकी बहन ने स्वयं अमृतपाल सिंह के अपने घर पर ठहरने की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी है, तो उसके बावजूद उसकी बहन को इस तरीके से क्यों गिरफ्तार किया गया। वीरवार को अपने पुश्तैनी घर गांव मामूमाजरा में पहुंचने के बाद शुक्रवार को हरजिन्द्र सिंह ने पिता गुरनाम सिंह, भारतीय किसान यूनियन के नेता जसबीर सिंह मामूमाजरा, गांव के पंचायती सदस्यों और कुछ गांववासियों के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और अपनी बहन को रिहा करने एवं अपने घर पर सुरक्षा का प्रबंध करने की मांग की। हरजिंदर सिंह और परिवार को डर है कि उन्होंने अमृतपाल सिंह से संबंधित जानकारी एसटीएफ और पुलिस से सांझी की है।

## कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिया जिला सचिवालय के सामने धरना

**पायनियर समाचार सेवा।** करनाल

**कांग्रेस** के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला प्रभारी लहरी सिंह की अध्यक्षता में जिला सचिवालय के सामने धरना दिया। कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में कहा कि हम सब राहुल गांधी के साथ हैं। पूरा देश, नौजवान, मजदूर, किसान, अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक महिला सब आपके साथ हैं। आप संघर्ष करो पूरा देश आपके साथ है। कांग्रेस न कभी डरी है न ही कभी डरेगी।

इस मौके पर पूर्व विधायक एवं करनाल प्रभारी लहरी सिंह ने कहा कि सत्तारूढ़ दल विपक्षी नेताओं को डराना चाहता है। कानून को आधार बनाकर आक्रमण करने से भी राहुल गांधी को कोई नुकसान नहीं होगा, उल्टा उन्हें ही नुकसान होगा जो हमला कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा से भारतीय जनता पार्टी बौखला गई है। राहुल गांधी के प्रभाव को कम करना चाहती है, लेकिन देश की जनता अब भाजपा के बहकावे में नहीं आने वाली है। देश का प्रत्येक व्यक्ति राहुल गांधी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने राहुल गांधी के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्रवाई जारी रखा तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री भीम मेहता, पूर्व विधायक सुमिता सिंह, पूर्व विधायक राकेश कांबोज, कांग्रेस नेता रघबीर संधु, एआईसीसी सदस्य कमल मान, पीसीसी सदस्य राजेश वैध, पूर्व जिला प्रधान अशोक खुराना, पप्पू लाठर, कृष्ण बसताड़ा, सतीश कैरवाली, रमेश सैनी, जोगिंद्र वाल्मीकि, निप्पी मान, सुरजीत सैनी, अनिल राणा, गगन मेहता, सुरेंद्र कालेखां, जिला परिषद सदस्य रामफल कलामपुर, एडवोकेट चांद राम, जोगा अघी, एमएस महेंद्रू, कृष्ण गहलोत, अमरजीत सिंह भोला व सुरेंद्र गौड़ आदि मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### भक्तों ने माँ चंद्रघंटा का धरा ध्यान

भद्रकाली मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु।

**कुरुक्षेत्र।** नवरात्रों के तीसरे दिन माँ भद्रकाली शक्तिपीठ कुरुक्षेत्र में नवरात्र दिवस देवी के रूप में माँ चंद्रघंटा जी का आह्वान किया गया। सर्वप्रथम मंदिर में महाआरती मुख्य पुजारिन शिमला देवी ने माँ भद्रकाली जी को पंचामृत, दूध दही ,शहद, गंगाजल, केसर, गुलाब जल से स्नान करवाया और माँ के स्वरूप का श्रृंगार किया। मंगला आरती के मुख्य अतिथि राजेश पायलट रहे। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता चंद्रघंटा को राक्षसों की वध करने वाला कहा जाता है। माता चंद्रघंटा के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र बना हुआ है, जिस वजह से भक्त माँ को चंद्रघंटा कहते हैं। माँ भद्रकाली जी को माँ चंद्रघंटा रूप मानकर सफेद फूलों की माला अर्पित की गई, भोग के रूप में मखाने की खीर का भोग लगाया गया। पीठाध्यक्ष ने बताया कि सभी भक्त नवरात्रि में कन्या पूजन जरूर करें और पहले नवरात्रि पर एक कन्या, दूसरे पर दो कन्याओं, इसी प्रकार नवमी पर 9 कन्याओं का पूजन जरूर करें और उन सभी की शिक्षा का खर्च उठाने का संकल्प लें। मंदिर में सेवा काउंटर पर भी माँ की सेवा के लिए अपना नाम दर्ज करवाने आए भक्तों की भीड़ दिखाई दी। भक्त भंडारा सेवा, सफाई सेवा, व्यवस्था सेवा, जूता सेवा, पार्किंग सेवा, हर एक प्रकार की सेवा के लिए अपना नाम लिखवाते दिखाई दिए। इस मौके पर अध्यक्ष नरेंद वालिया, शिमला देवी, हेमराज शर्मा, मीना जोशी, धर्मपाल गोयल, शकुंतला देवी, निकुंज शर्मा, देवेंद्र गर्ग, राम पाल लाठर,आशीष इत्यादि सेवक उपस्थित रहे।

### गुरु रविदास जी महाराज ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के लिए बसें रवाना

यात्रा को झंडी देकर रवाना करते हुए प्रिंसिपल रामकरण व एडवोकेट अमित भौरिया।

**कुरुक्षेत्र।** श्रीगुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला से गुरु रविदास धर्म स्थलों के लिए पहली बस यात्रा रवाना हुई और 26 मार्च को यात्रा की वापसी होगी। यात्रा शुरू करने से पहले बाबा प्रीत रविदासिया ने सरबंत के भले के लिए अरदास की। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रिंसिपल रामकरण, एडवोकेट अमित भौरिया ने शिरकत कर झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। आयोजन की मुख्य भूमिका बी.टी.एफ. टीम की रही। बीटीएफ के सचिव सुनील मिजार्पुर ने यात्रा की अगुवाई की। प्रधान अशोक सुनहेड़ी ने संगत के लिए लंगर की व्यवस्था की। धर्म सिंह क्रांति मौके पर मौजूद रहे। सचिव सुनील मिजार्पुर ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से गुरु रविदास महाराज जी के ऐतिहासिक गुरु घरों के दर्शन करवाकर गुरु रविदास जी के विचारो से सभी संगत को अवगत कराना, उनको जोड़ना व समाज को एकजुट करना है। बेगमपुरा टाइगर फोर्स के प्रधान सुनील ने बताया कि गुरु रविदास जी ने जिस बेगमपुरा शहर की कल्पना की थी और बेगमपुरा टाइगर फोर्स उस कल्पना को जीवित करने के लिए अग्रसर है। उपप्रधान अशोक सुनहेड़ी ने बताया कि ट्रस्ट संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ कटिबद्ध है। यह यात्रा 26 मार्च तक रहेगी। यह यात्रा संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर कुरुक्षेत्र से शुरू होकर साहिब सचखंड पंडवा फगवाड़ा, स्वर्ण मंदिर अमृतसर, सचखंड बल्लां जी व बूटा मंडी जालंधर, गुरु रविदास दरबार चरण छू गंगा, ऐतिहासिक धर्म स्थान खुरलगढ़ साहिब होशियारपुर से आनंदपुर

## नवसम्वत पर अपनी परंपराओं और संस्कृति को संजोकर रखने का संकल्प लें

**पायनियर समाचार सेवा।** करनाल

**आर्ट** ऑफ लिविंग की करनाल इकाई द्वारा श्रीकृष्ण मंदिर सेक्टर 14 में नवरात्र के पावन अवसर पर दुर्गा पूजा की गई। सभी साधकों ने मां दुर्गा का आह्वान किया और मनोकामनाएं मांगीं। आर्ट ऑफ लिविंग के बैंगलोर आश्रम से आए स्वामी सत्यानंद जी ने मां दुर्गा की महिमा पर प्रकाश डाला। नव सम्वत 2080 की सबको शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

भजन गाकर व मंत्रोच्चारण के साथ मां दुर्गा का आह्वान किया गया। अपने संदेश में स्वामी सत्यानंद जी ने कहा कि नवसम्वत पर अपनी परंपराओं और संस्कृति को संजोए रखने का संकल्प लें। श्री श्री रविशंकर जी द्वारा दिखाए मार्ग पर चलें। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था देश के साथ-साथ पूरी दुनिया में कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य दुनियाभर के लोगों को जीने के तरीकों से अवगत करवाना है। इस अवसर पर हवन यज्ञ कर आहूतियां डाली गई। मीडिया कोर्डिनेटर संजय सलूजा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सबका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्टेट कोर्डिनेटर शुचिका अरोड़ा, जिला विकास कमेटी से विनय भार्गव, मुकेश बत्तरा, नीलम अरोड़ा, तान्या, सीमा दुआ, मुकेश ढींगड़ा, सुनीता कुकरेजा, व राकेश हंस आदि मौजूद रहे।

## परिचालक को दूसरे डिपो में रिलिव करने पर जताया रोष

### मामले का निपटारा कर वापस अपने मूल डिपो पर बुलाने की उठाई मांग

**पायनियर समाचार सेवा।** कुरुक्षेत्र

बैठक में मौजूद ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

**ऑल** हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजिस्टर नंबर 1947 पिहोवा एवं कुरुक्षेत्र डिपो के पदाधिकारियों की बैठक यूनियन कार्यालय में हुई, जिसमें राज्य वरिष्ठ उपप्रधान मायाराम उनियाल व प्रदेश प्रवक्ता बलदेव सिंह मामू माजरा, राज्य महासचिव ज्ञान सिंह राठी विशेष तौर पर आमंत्रित रहे।

बैठक में विशेष तौर में शेर सिंह परिचालक पेहवा उपकेंद्र के साथ हुई नाजायज उत्पीड़न पर गहरा दुख जताया गया जिसमें कर्मचारी को दूरभाष पर ही दूसरे डिपो के लिए रिलीव कर दिया गया जो न्यायचित नहीं है जबकि कर्मचारी शेर सिंह ने पहले ही महा प्रबंधक को मेडिकल अवकाश की सूचना दे दी थी, लेकिन फिर भी कार्य निरीक्षक ने 21 फरवरी 2023 को दूरभाष द्वारा चरखी दादरी के लिए रिलीव कर दिया, जबकि कर्मचारी मेडिकल फिटनेस के साथ 28 फरवरी 2023 को कार्य निरीक्षक पेहवा के कार्यालय पहुंचा। मगर कार्य निरीक्षक पेहवा ने फिटनेस व मेडिकल लेने से मना कर दिया। उसके बाद शेर सिंह जो कि एसडीएम के समक्ष पेश हुआ, फिर महाप्रबंधक ने सुनवाई की, लेकिन कर्मचारी के मास्टररोल में भी मेडिकल अवकाश अंकित नहीं है, इसलिए यूनियन महाप्रबंधक से एक बार पुन अपील करती है कि समय रहते कर्मचारी शेर सिंह का वेतन पूरा बनवाया जाए और उसके केस का निपटारा करके वापस अपने मूल सब डिपो पेहवा में बुलाया जाए। इस मौके पर नरेंद्र पांचाल प्रधान कुरुक्षेत्र डिपो, विनोद शर्मा कार्यवाहक प्रधान पेहवा सब डिपो, रणजीत करोड़ा सचिव, भोपाल सिंह सह सचिव, सोहनलाल उपप्रधान पेहवा सब डिपो, हरिओम कार्यालय सचिव, हरविंदर सिंह प्रचार सचिव, अश्विनी कुमार चेयरमैन, गुलजार सिंह मेगा माजरा, अरविंद सिंह, निर्मल सिंह, निम्मी कार्यालय सचिव आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

## जेल से भागने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

### एक आरोपी को पहले ही किया जा चुका है गिरफ्तार

**पायनियर समाचार सेवा।** कुरुक्षेत्र

जानकारी देते पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया व पकड़े गए आरोपित।

**जिला** पुलिस कुरुक्षेत्र ने जेल से भागने वाले दोनो आरोपियों रजत वासी माजरी मौहल्ला शाहबाद व साबर अली वासी रवि कॉलोनी शाहाबाद को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने बताया कि थाना शहर थानेसर में दी अपनी शिकायत में डीएसपी जेल कुरुक्षेत्र शिवेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि जिला जेल कुरुक्षेत्र के ब्लाक नम्बर 3 में गिनती के दौरान चोरी के आरोप में जिला जेल में बंद तीन आरोपी जिनमें रोहित वासी माजरी मोहल्ला शाहबाद, रजत वासी माजरी मौहल्ला शाहबाद और साबर अली वासी रवि कॉलोनी शाहाबाद हाजिर नही मिलें। शिकायत पर थाना शहर थानेसर में मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र ने मामले की जांच अपराध अन्वेषण शाखा-2 को सौंपकर पांच टीमों का गठन किया था। टीम ने मामले मे तत्परता से कारवाई करते हुए 20 घंटे के अन्दर जेल से भागने वाले आरोपी रोहित पाल को गिरफ्तार कर लिया था। टीम ने जेल से भागने वाले दोनों आरोपी रजत व साबर अली को शाहबाद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से आगामी पूछताछ के लिए 25 मार्च को माननीय अदालत में पेश किया जाएगा।

## थाने में लगाया जनता दरबार, पुलिस ने कई शिकायतों का किया निपटारा

**पायनियर समाचार सेवा।** कुरुक्षेत्र

**पुलिस** अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया ने थाना सदर थानेसर में जनता दरबार लगाकर सुनी आमजन की शिकायतें। पुलिस अधीक्षक ने शिकायत कर्ताओ को उनकी शिकायत का जल्द निवारण करने का आश्वासन दिया तो कुछ शिकायतकर्ताओं का निवारण मौके पर किया गया। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक को एक घंटा जनता दरबार लगाने के आदेश दिए थे। वैसे तो पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र द्वारा हर रोज अपने कार्यालय मे आमजन की शिकायतें सुनी जाती हैं लेकिन शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया ने थाना सदर थानेसर का औपचारिक निरीक्षण कर जनता दरबार लगाया।

फरियादियों की शिकायतों को सुनते एसपी सुरेंद्र भौरिया।

जनता दरबार में पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र ने आमजन की शिकायतें सुनी तथा शिकायतों पर तुरंत कारवाई करने के निर्देश दिए। उनके साथ डीएसपी कुरुक्षेत्र राम दत्त नैन भी थाना में मौजूद रहे।

## पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने किया अदालत का निरीक्षण

**पायनियर समाचार सेवा।** करनाल

**पंजाब** एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनुपिंद्र सिंह ग्रेवाल शुक्रवार को करनाल अदालत में इंस्पेक्शन के लिए पहुंचे। यहां बार एसोसिएशन की ओर से न्यायाधीश अनुपिंद्र सिंह ग्रेवाल का स्वागत किया गया। अदालत परिसर में भ्रमण के बाद जस्टिस अनुपिंद्र सिंह ने बार रूम में वकीलों से बातचीत की। एसोसिएशन के प्रधान संदीप चौधरी एसोसिएशन करनाल कोर्ट की कार्यप्रणाली जस्टिस के सामने रखी। साथ ही वकीलों के लिए नए चैंबर्स बनवाने में जो रुकावट आ रही है उसे जल्द से जल्द दूर करवाने का आग्रह किया। इस पर हाईकोर्ट के जस्टिस ने आश्वासन दिया कि शीघ्र समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

इस मौके पर जस्टिस अनुपिंद्र सिंह ग्रेवाल ने सभी वकीलों से व्यक्तिगत मुलाकात की।

अपने संबोधन में जस्टिस अनुपिंद्र सिंह ग्रेवाल ने कहा कि हम सबको मिलकर यह प्रयास करने चाहिएं कि न्यायपालिका में जनता का विश्वास कम न हो। अधिवक्ता कोई भी केस न्यायाधीश के समक्ष लेकर जाएं तो जरूरी डाक्यूमेंटस साथ जरूर संलगन हो। इससे समय की बचत होती है और प्रार्थी को न्याय मिलने की प्रक्रिया में रूकावट नहीं आती। सदा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ही वकालत करें। इस अवसर पर जस्टिस वीके बाली के निधन दो मिनट का मौन रख शोक व्यक्त किया गया।

## सिम्बायोसिस इंटरनेशनल ने यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंतिम दिन घोषित किया

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**सिम्बायोसिस** इंटरनेशनल डीम्ड यूनिवर्सिटी ने छह और 14 मई, 2023 को होने वाली सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। एक से अधिक प्रयासों की सुविधा की वजह से इच्छुक उम्मीदवार प्रबंधन, कानून, इंजीनियरिंग, जनसंचार, अर्थशास्त्र, उदार कला, आईटी और कंप्यूटर अनुप्रयोग, अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और डेटा विज्ञान में स्नातक कार्यक्रमों की पेशकश करने वाले स्ढ्ढ के तहत 16 संस्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। डॉ. रजनी गुप्ते, कुलपति - सिम्बायोसिस इंटरनेशनल डीम्ड यूनिवर्सिटी ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 हमारे देश के शैक्षिक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक है।

यह एक दूरदर्शी नीति है जो हमें विकास, लचीलेपन और नए युग की शिक्षा में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में, हम पहले से ही एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के साथ विभिन्न पहलों को लागू कर रहे हैं। हमारे विभिन्न कार्यक्रमों को हमारे छात्रों को एक समग्र और बहु-विषयक शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे कौशल और ज्ञान से सुसज्जित हैं जो तेजी से विकसित हो रहे जॉब मार्केट में सफल होने के लिए आवश्यक है।

छह मई को आयोजित होने वाली टेस्ट के लिए एडमिट कार्ड 22 अप्रैल 2023 को जारी किए जाएंगे और 14 मई 2023 को आयोजित होने वाली के लिए एडमिट कार्ड 28 अप्रैल 2023 को जारी किए जाएंगे।

उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट (set-test.org) से अपना लॉगिन विवरण दर्ज करके अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा पूरे भारत के 76 शहरों में सीबीटी मोड में एक साथ आयोजित की जाएगी।

## मॉकड्रिल के जरिए भूकंप आने बचावों को अधिकारियों ने परखा

### उपायुक्त और अतिरिक्त उपायुक्त के नेतृत्व में सफलतापूर्वक हुई भूकंप की मॉकड्रिल

**पायनियर समाचार सेवा।** सोनीपत

**सुबह** 09 03 बजे तीव्र भूकंप आने पर लघु सचिवालय का सायरन बजते ही जिला प्रशासन ने तुरंत अलर्ट होते हुए बचाव कार्यों को अंजाम दिया। उपायुक्त ललित सिवाच के मार्गदर्शन में अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने फौरन कमान संभालते हुए पूरी स्थिति का जायजा लेकर प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों को अलग-अलग घटनास्थलों पर भेजकर

राहत कार्य करने के निर्देश दिए। नतीजतन अत्यधिक बड़ी घटना के बावजूद जिला प्रशासन की मुस्तैदी व हिम्मत ने बड़े स्तर पर जान-माल का संरक्षण किया, जिसमें एनडीआरएफ व एसडीआरएफ का

तीव्र भूकंप मॉकड्रिल के दौरान घायल व्यक्ति को उपचार के लिए ले जाती टीम। भूकंप के दौरान घायल महिला को प्राथमिक उपचार देती टीम। मौके पर मौजूद अधिकारी।

विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला सोनीपत जिला प्राकृतिक आपदा भूकंप के मामले में संवेदनशील श्रेणी में आता है। ऐसे में राष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा प्राधिकरण ने एनसीआर क्षेत्र में दिल्ली व उत्तर प्रदेश सहित हरियाणा के चार जिलों में एक ही दिन एक ही समय पर भूकंप की मॉकड्रिल का आयोजन किया। भूकंप की तीव्रता 7.7 मापी गई, जो कि बहुत अधिक होती है, जिसमें बड़े स्तर पर नुकसान होता है। इस स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, जो सोनीपत में पूर्ण रूप से सफल रही।

उन्होंने नगर में विभिन्न स्थानों पर हुए नुकसान की जानकारी ली, जिसमें पता चला कि पांच स्थानों पर विशेष रूप से नुकसान की संभावना है। स्थिति की जानकारी मिलते ही उन्होंने अलग-अलग स्थानों के लिए इंसीडेंट कमांडर नियुक्त करते हुए मौके पर भेजा, जिन्होंने फौरन घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति की रिपोर्ट प्रेषित करते हुए आवश्यक संसाधनों की मांग भी की।

# एनपीएस में सुधार के लिए वित्त सचिव की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी

## ओपीएस में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को हर माह मिलता है आखिरी वेतन का 50 प्रतिशत तक

एजेंसी। नई दिल्ली

**सरकार** ने शुक्रवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में सुधार के लिए वित्त सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी। जो राजकोषीय बुद्धिमत्ता बनाए रखते हुए कर्मचारियों के हितों का ख्याल रखेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त विधेयक 2023 को विचारार्थ और पारित करने के लिए प्रस्तुत करते हुए कहा कि एनपीएस को लेकर नई पद्धति बनाई जाएगी जिसे केंद्र और राज्य सरकारें, दोनों अपना सकें। उन्होंने

### वित्तमंत्री ने कहा नागरिकों के संरक्षण के लिए कर्मचारियों की जरूरत पर देंगे ध्यान

कहा, मैं प्रस्ताव करती हूं कि पेंशन के मुद्दे पर विचार के लिए वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए और एक ऐसी तरीका निकाला जाए। जिससे आम नागरिकों के संरक्षण के लिए राजकोषीय बुद्धिमत्ता बनाए रखते हुए कर्मचारियों की जरूरत पर ध्यान दिया जाए। सीतारमण ने कहा, इस पद्धति को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों, दोनों के

अपनाने के लिए तैयार किया जाएगा।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अनेक गैर-भाजपा शासित राज्य सरकारों ने महंगाई भत्ते से जुड़ी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बदलने का फैसला किया है और कुछ अन्य राज्यों में कर्मचारी संगठन इसकी मांग कर रहे हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़,

### राज्य सरकारों ने केंद्र को पुरानी पेंशन योजना बदलने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया है

झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारों ने केंद्र को पुरानी पेंशन योजना बदलने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया है और एनपीएस के तहत जमा निधि में से धन लौटाने का अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने कुछ दिन पहले संसद को सूचित किया था कि वह एक जनवरी, 2004 के बाद भर्ती केंद्र सरकार के कर्मचारियों के संदर्भ में ओपीएस बहाल करने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही। ओपीएस के तहत सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को उनके आखिरी मिले वेतन का 50 प्रतिशत मासिक पेंशन के रूप में मिलता है। महंगाई भत्ते की दर बढ़ने के साथ यह राशि बढ़ती रहती है।

ओपीएस को राजकोषीय रूप से टिकाऊ नहीं माना जाता क्योंकि इससे राजकोष पर भार बढ़ता रहता है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना के प्रबंधन के तहत 4 मार्च, 2023 तक कुल परिसंपत्तियां 8.81 लाख करोड़ रुपये की थीं।

# पेंशन विवाद: पेरिस में प्रदर्शन जारी

एजेंसी। पेरिस

**फ्रांस** के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के पेंशन सुधारों को लेकर शुक्रवार को भी देश में अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन जारी रहा, जिसके कारण ट्रेन यातायात मंद पड़ गया और मार्सिले के वाणिज्यिक बंदरगाह तक ट्रकों की कतारें लग गईं।

वहीं, बृहस्पतिवार को देश में हुए व्यापक प्रदर्शन के कारण मची तबाही सड़कों पर आज भी नजर आई। पेरिस में और आसपास से बृहस्पतिवार को 450 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया।

फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने शुक्रवार को बताया कि कुछ मार्च के दौरान हिंसा होने से करीब 441 पुलिस कर्मी व अन्य

अधिकारी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले हुए प्रदर्शन में फ्रांस की राजधानी में 1,000 कूड़ेदान में आग लगा दी गई थी। एक सप्ताह से जारी कूड़ा उठाने वालों की हड़ताल के बीच कूड़ादान विरोध का प्रतीक बन गए हैं।

# राहुल को लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना चाहिए था : सुशील मोदी

### कहा, सूरत की अदालत के दोषी ठहराए जाते ही वह बतौर सांसद हो गए थे अयोग्य

### लोकसभा में वायनाड से सांसद राहुल ने कुछ समय के लिए था सदन कार्यवाही में हिस्सा

एजेंसी। नई दिल्ली

**राहुल** गांधी के खिलाफ एक मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि कांग्रेस नेता को शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना चाहिए था, क्योंकि सूरत की अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाते ही वह बतौर सांसद अयोग्य हो गए थे।

गांधी को मोदी उपनाम को लेकर आपराधिक मानहानि के एक

मामले में बृहस्पतिवार को दोषी ठहराया गया था और दो वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने हालांकि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को तत्काल जमानत दे दी थी और उनकी सजा के अमल पर 30 दिनों तक रोक लगा दी थी, ताकि वह इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकें।

लोकसभा में वायनाड संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गांधी ने शुक्रवार को कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया था। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जोरदार हंगामे के कारण एक घंटे के लिए कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी। संसद भवन परिसर में संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मोदी ने कहा, मेरा व्यक्तिगत मानना है कि उन्हें (गांधी को) संसद की कार्यवाही में आज हिस्सा नहीं लेना चाहिए था, क्योंकि वह अयोग्य हो चुके हैं।

मोदी ने कहा कि वह इस मामले में कानूनी विशेषज्ञों की राय के साथ हैं। उन्होंने आगे कहा कि गांधी की अयोग्यता केवल तभी रोकी जा सकती है, यदि उच्चतर न्यायपालिका उनकी दोषसिद्धि को निलंबित करती है। उन्होंने कहा कि दोषसिद्धि का निलंबन केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामले में ही होता है। भाजपा नेता ने भी पटना में इसी मामले में गांधी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर कर रखी है।

### क्या राहुल गांधी और कांग्रेस कानून से ऊपर हैं : भूपेंद्र यादव

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुजरात की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने पर सवाल उठाने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और पूछा कि क्या वे खुद को देश के कानून से ऊपर समझते हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख नेता यादव ने कहा कि अदालत ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए गांधी को दोषी ठहराया लेकिन कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी अपने अहंकार के कारण फैसले को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

# अमेरिका: बाल यौन उत्पीड़न सामग्री वितरण के जुर्म में भारतीय को कैद

**वाशिंगटन।** अमेरिका के न्याय विभाग ने बताया कि क्रूज पोत पर

काम करने वाले भारतीय मूल के 34 वर्षीय एक व्यक्ति को बाल यौन उत्पीड़न की सामग्री वितरित करने के जुर्म में संघीय जिला अदालत ने 15 साल जेल की सजा सुनाई है।

विभाग ने बृहस्पतिवार को बताया कि गोवा के रहने वाले एंजेलो विक्टर फर्नांडीस ने 2022 में संदेश भेजने वाले एक ऐप से डेनियल स्कॉट क्रो को बच्चों से जुड़े 13 अश्लील वीडियो भेजे थे। फर्नांडीस ने बच्चों का यौन उत्पीड़न करने को लेकर क्रो से बातचीत भी की थी। संघीय अभियोजक ने आरोप लगाया कि इसके अलावा एक अज्ञात शख्स से बात करते हुए फर्नांडिस ने बच्चों के उत्पीड़न का जिक्र किया था। क्रो ने एक नाबालिग को फुसलाने और बाल अश्लील फिल्म बनाने का गुनाह स्वीकार किया था। मीडिया रिलीज में कहा गया है कि उसे 12 दिसंबर 2022 को 30 साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

# अडाणी मामले में जेपीसी की मांग करते हुए विपक्षी दलों ने निकाला मार्च

### नेता प्रतिपक्ष ने कहा मोदीजी जनता से छिपाना चाहते हैं कुछ

### संजय सिंह बोले मोदीजी का नारा है विपक्ष को खत्म करो अपने भाइयों को बचाओ

### सत्तापक्ष ऐसे ही चला तो देश में आ जाएगी तानाशाही

**खड़गे** ने कहा, राहुल गांधी ने आज लोकसभा में बोलने की कोशिश की। उन्होंने पहले भी बोलने की अनुमति मांगी थी, लेकिन उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि अगर ये लोग (सत्तापक्ष) इसी चाल से चले तो देश में तानाशाही आ जाएगी।

एजेंसी। नई दिल्ली

**कांग्रेस** समेत कई विपक्षी दलों के नेताओं ने अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग और विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर शुक्रवार को संसद भवन से विजय चौक तक मार्च निकाला।

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार देश में लोकतंत्र और विपक्ष को खत्म करना चाहती है। विपक्ष के इस मार्च की अगुवाई कर रहे कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संवाददाताओं से कहा, सभी दलों के सांसद और सदन के नेता जेपीसी की मांग को लेकर यहां प्रदर्शन कर रहे हैं। एक बात स्पष्ट है कि मोदीजी जनता से कुछ छिपाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चोकसी जैसे लोग हजारों करोड़ रुपये लेकर भाग गए... हम अडाणी की बात कर रहे थे तो भाजपा के लोग ओबीसी की बात ला रहे हैं। जो लोग पैसे लेकर भागे हैं, उनसे ओबीसी का क्या मतलब है।

खड़गे ने दावा किया, सरकार सुनना नहीं चाहती है। वह डर गई है क्योंकि दाल में कुछ काला है। उन्होंने राहुल गांधी को मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने तथा दो साल की सजा सुनाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने संसद में सच बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ये लोग ईडी और सीबीआई की धमकी दे रहे हैं। लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। हम देश और संविधान को बचाने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने आरोप लगाया, मोदीजी का नारा है, विपक्ष को खत्म करो, अपने भाइयों को बचाओ। विपक्ष के नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है।

### राघव चड्ढा के सोशल मीडिया में छाए रहने की बात का असर राज्यसभा में दिखा

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के युवा सदस्य राघव चड्ढा के सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोरने का प्रभाव शुक्रवार राज्यसभा में दिखा और सभापति जगदीप धनखड़ ने उनके नाम का उल्लेख मुस्कुराते हुए किया और कहा कि सोशल मीडिया में आज उनकी काफी चर्चा है। उच्च सदन में सभापति की ओर से यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब वह नियम 267 के तहत नोटिस देने वाले सदस्यों के नाम और उनके नोटिस के विषय की जानकारी सदन को दे रहे थे। इसी क्रम में जब चड्ढा का नाम आया तो धनखड़ के मुंह पर बरसस ही मुस्कान आ गई। चड्ढा ने भगोड़े मुहुल चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस वापस लेने के संबंध में इंटरपोल के समक्ष मजबूती से पक्ष रखने में सरकार की विफलता पर चर्चा कराने का नोटिस दिया था। सभापति जब चड्ढा के नोटिस का विषय पढ़ चुके तो आप सदस्य ने कुछ कहना चाहा। किंतु धनखड़ ने उन्हें मीठी झिड़की देते हुए कहा, आपने सोशल मीडिया में पहले से ही काफी स्पेस ले रखी है। आज आपको चुप रहना चाहिए। मालूम हो कि राघव चड्ढा और फिल्म अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को पिछले कुछ घंटों में दो बार एक साथ देखा गया और इससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर खूब साझा किए जा रहे हैं।

# राहुल के पोस्टर को चप्पल मारने वाले विधायकों के निलंबन की मांग पर महाराष्ट्र विधानसभा में हंगामा

एजेंसी। मुंबई

**महाराष्ट्र** विधानसभा में शुक्रवार को कांग्रेस सदस्यों ने राहुल गांधी के पोस्टर को कथित तौर पर चप्पल मारने वाले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-शिवसेना के विधायकों को निलंबित किए जाने की मांग करते हुए हंगामा किया।

सत्तारूढ़ दलों के विधायकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर को लेकर की गई कथित टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में उनके पोस्टर पर कथित तौर पर चप्पलें मारी थीं। इस मुद्दे को लेकर सदन की कार्यवाही को तीन बार स्थगित किया गया क्योंकि कांग्रेस और सत्ता पक्ष के सदस्यों ने नारेबाजी की।

बाद में, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि वह प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय नेताओं के संदर्भ में सदस्यों की खातिर मानक संचालन प्रक्रिया

(एसओपी) और आचार संहिता जारी करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सावरकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधा। सुबह, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नाना पटोले (कांग्रेस) ने मांग की कि राहुल गांधी के पोस्टर को चप्पल मारने वाले सदस्यों को सदन से निलंबित किया जाए। उनकी इस मांग पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि उन्होंने विधानमंडल परिसर में हुए घटनाक्रम की रिपोर्ट मांगी है और वह वीडियो फुटेज भी प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे वीडियो फुटेज की जांच करने दीजिए और उसके बाद मैं अपना फैसला सुनाऊंगा। मैं नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करूंगा। नाराज विपक्षी सदस्य आसन के समीप आ गए और राहुल गांधी के समर्थन में नारेबाजी की।

संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने आसन के समीप आ कर हंगामा कर रहे सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में की कुछ टिप्पणी पर आपत्ति जताई। नार्वेकर ने कहा कि उन्होंने जो कहा है, वह सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं होगा। सत्ताधारी दलों के सदस्यों ने कहा कि वे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कोई टिप्पणी स्वीकार नहीं करेंगे।

### एसओपी और आचार संहिता जारी करेंगे

**महाराष्ट्र** विधान सभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने यह भी कहा कि वह अगले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय नेताओं के संदर्भ में विधायकों के लिए एसओपी और आचार संहिता जारी करेंगे।

# अधिकतर नशीली दवाएं पाकिस्तान भेजी जाती हैं : अमित शाह

एजेंसी। बेंगलुरु

**केंद्रीय** गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि महासागर में सुरक्षा को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकतर नशीले पदार्थ पाकिस्तान भेजे जाते हैं और उन्हें ईरान के जरिए श्रीलंका और अफ्रीका ले जाया जाता है। शाह ने कहा कि नशीले पदार्थों की समस्या से निपटना केवल केंद्र ही नहीं, बल्कि राज्यों, समाज और आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है।

उन्होंने नशीले पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर आयोजित दक्षिणी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के क्षेत्रीय सम्मेलन में कहा, नशीले पदार्थों की कम से कम 60-70 प्रतिशत तस्करी समुद्री मार्ग से ही होती है।

मंत्री ने कहा, हमें ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक नजर रखने की जरूरत है ताकि नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाए। उन्होंने कहा, जब हम किसी बड़ी मछली को पकड़ते

### गृहमंत्री ने ने नशीले पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में कहा

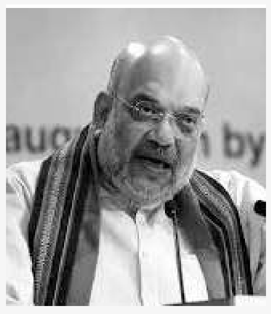

हैं, तो हमें नीचे तक नेटवर्क की पूरी श्रृंखला की जांच करने की आवश्यकता होती है।

जब हम नशे के आदी किसी एक व्यक्ति को पकड़ते हैं, तो हमें उन लोगों की जांच करने की भी आवश्यकता होती है, जिन्होंने उसे इसकी आपूर्ति की है।

# चीन ने अमेरिकी युद्धपोत के कदमों को लेकर गंभीर परिणाम की धमकी दी

एजेंसी। बैंकॉक

**अमेरिकी** नौसेना द्वारा लगातार दूसरे दिन दक्षिण चीन सागर में विवादित पारासेल द्वीप समूह के पास एक विध्वंसक पोत भेजे जाने के बाद चीन ने इसके गंभीर परिणाम होने की शुक्रवार को धमकी दी और इस कदम को अपनी सुरक्षा एवं संप्रभुता का उल्लंघन बताया।

चीन और अमेरिका के बीच क्षेत्र में पहले से ही तनाव बढ़ा हुआ है। चीन दक्षिण चीन सागर के लगभग पूरे हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि अमेरिका इसका विरोध करता है। अमेरिका ने पारासेल द्वीप के पास निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस मिलियस भेजा था। इसके बाद चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी नौसेना और वायु सेना ने अमेरिकी पोत को पीछे धकेल दिया। अमेरिका सेना ने चीन के इस दावे का विरोध किया। इसके बाद अमेरिका ने शुक्रवार को फिर से इस द्वीप के पास एक पोत भेजा। इस द्वीप पर चीन का

कब्जा है, लेकिन ताइवान और वियतनाम भी इस पर अपना-अपना दावा करते हैं। अमेरिका की सेवंथ फ्लीट के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जेजी (जूनियर ग्रेड) लुका बेकिस ने ईमेल के जरिए एक बयान में कहा कि दक्षिण चीन सागर में अवैध और व्यापक दावे समुद्र में नौवहन, उसके ऊपर उड़ान भरने, मुक्त व्यापार, निर्बाध वाणिज्य और आर्थिक अवसर की स्वतंत्रता को गंभीर खतरा पैदा करते हैं। बाकिक ने कहा, दावा करने वाला कोई भी हो, अमेरिका दुनिया में हर जगह अत्यधिक समुद्री दावों को चुनौती देता है। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने इसका जवाब देते हुए अमेरिका पर दक्षिण चीन सागर की शांति और स्थिरता को कमजोर करने का आरोप लगाया।

# बलात्कार पीड़िता पहचान उजागर मामले में अदालत ने एनसीपीसीआर से मांगा जवाब

## याचिका में दलित बच्ची की कथित रूप से पहचान उजागर करने पर प्राथमिकी की उठाई है मांग

एजेंसी। नई दिल्ली

**दिल्ली** उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीआर) से शुक्रवार को उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एक दलित बच्ची की कथित रूप से पहचान उजागर करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है।

दलित बच्ची की 2021 में कथित तौर पर बलात्कार कर हत्या कर दी गई थी। राहुल ने सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर लड़की के माता-पिता के साथ एक तस्वीर साझा की थी। मुख्य न्यायाधीश सतीशचंद्र

### राहुल ने सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर लड़की के माता-पिता के साथ एक तस्वीर की थी साझा

शर्मा और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीआर) को नोटिस जारी किया और याचिका पर जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। इसके बाद अदालत ने मामले को 27 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

इससे पहले, एनसीपीसीआर के वकील ने कहा कि उन्हें एक

औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया गया है और अदालत से याचिका पर बाल अधिकार निकाय को नोटिस जारी करने का आग्रह किया ताकि वह हलफनामा दायर कर सके। एनसीपीसीआर ने अदालत से कहा कि गांधी के कथित ट्वीट को हटाने के ट्विटर के दावे के बावजूद बलात्कार के मामले में किसी पीड़िता की पहचान उजागर करने के अपराध का मामला बनता है।

सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश म्हाडलेकर ने 2021 में उच्च न्यायालय का रुख कर दावा किया था कि पीड़िता के माता-पिता के साथ तस्वीर साझा कर गांधी ने किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख व संरक्षण) अधिनियम 2015 और यौन अपराध से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 का उल्लंघन किया है। अधिनियम के तहत यौन अपराध की नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करना वर्जित है।

ट्विटर ने इसके जवाब में कहा था याचिका का अब कोई औचित्य नहीं बनता क्योंकि ट्वीट को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है और अब यह भारत में कहीं उपलब्ध नहीं है। ट्विटर के वकील ने बताया कि शुरू में गांधी के खाते को सोशल मीडिया मंच द्वारा निलंबित कर दिया गया था, लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया।

गौरतलब है कि नौ वर्षीय दलित बच्ची की एक अगस्त 2021 को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बच्ची के माता-पिता का आरोप है कि उसका बलात्कार कर हत्या कर दी और दक्षिण पश्चिम दिल्ली के ओल्ड नंगल गांव के श्मशान घाट में कर्मकांड कराने वाले व्यक्ति ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

# यूक्रेन के पुराने हेलीकॉप्टर रूसी ठिकानों को बना रहे निशाना

एजेंसी। दोनेत्स्क (यूक्रेन)

**रूसी** सैनिकों के खिलाफ यूक्रेन अपने अभियान में सोवियत काल के तीन हमलावर हेलीकॉप्टर का भी इस्तेमाल कर रहा है। हेलीकॉप्टर के कमांडर ने कहा कि हर दिन, वे तीन या चार उड़ानें भर सकते हैं। चालक दल के दो सदस्ईय दल वाले एमआई-24 हेलीकॉप्टर लगभग 40 साल पहले बनाए गए थे।

पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर कमांडर ने कहा, हम दुश्मनों के वाहनों, दुश्मनों को बर्बाद करने के लिए हमलावर अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। हम कुछ दूरी बनाकर हमले करते हैं जिससे हम उनकी वायु रक्षा प्रणाली की पकड़ में नहीं आ पाते। यूक्रेन में लड़ाई में मुख्य रूप से मिसाइल, तोपों का इस्तेमाल हो रहा है।

यूक्रेन की 12वीं आर्मी एविएशन ब्रिग्रेड के कमांडर ने कहा, हेलीकॉप्टर की बहुत अहमियत है।

हाल में सामने आए एक लड़ाकू मिशन के दौरान हेलीकॉप्टर से जुड़े एक कैमरे के फुटेज से पता चलता है कि यह तोपखाने की बमबारी से बने गड्ढों वाले क्षेत्रों से उड़ान भरता है, और रूसी ठिकानों पर मिसाइल दागता है। कमांडर ने कहा, हम दूरी बनाकर सटीकता से लक्ष्य पर निशाना साधते हैं।

# गौतम बुद्ध नगर के वर्ल्ड स्टार्टअप मेगा कन्वेंशन में हंगामा

## केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आने के लगे थे पोस्टर, कोई नहीं पहुंचा, 5000 रुपये में बेचे गए थे पास

- खुद को ठगा महसूस कर रहे युवाओं ने लगाये पैसा वापस दो के नारे मौके पहुंची पुलिस समझाकर वापस भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हंगामा करते लोग।

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित एक्सपो मार्ट में 3 दिन तक चलने वाला वर्ल्ड स्टार्टअप मेगा कन्वेंशन शुरू होते ही विवादों में घिर गया है। प्रोग्राम के पहले दिन ही ऑर्गेनाइजर और स्टार्टअप्स के बीच झड़प हो गई। यहां अपने स्टार्टअप के लिए फंड जुटाने पहुंचे लोगों का कहना था कि ऑर्गेनाइजर ने बताया था कि स्टार्टअप फंडिंग फेस्टिवल में फंडिंग करने वाले निवेशक आएंगे। यहां तक कि सम्मेलन में नितिन गडकरी समेत कई विशिष्ट लोग भाग लेंगे लेकिन यहां कोई नहीं आया है। पोस्टर और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से प्रचार कर लोगों को ठगा गया है। हंगामे की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन करीब 1500 लोगों की भीड़ को रोक पाने में पुलिस के भी पसीने छूट गए। फिलहाल मौके पर भीड़ लगी है। खुद को ठगा महसूस कर रहे युवा पैसा वापस दो के नारे लगा रहे हैं।

दरअसल, एक्सपो मार्ट हो रहे इस वर्ल्ड स्टार्टअप कन्वेंशन की बाकायदा डिजिटल मार्केटिंग की गई थी। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख एल मांडविया व उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत में देश के अग्रणी उद्यमियों, इनेबलर्स, फाउंडर्स, क्रिएटर्स, वीसी, एजेंसियों, मार्केटर्स, रिटेलर्स, इन्फ्लुएंसर्स, डिजाइनर्स, इनवेस्टर्स, स्टूडेंट्स, एक्सप्लोरर्स, फ्रें चाइजी, मेंटर्स, इनक्यूबेटर, एक्सेलेरेटर्स, सर्विस प्रोवाइडर्स के आने की बात कही गई थी। यही नहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को चीफगेस्ट बताया गया था। बकायदा इन नेताओं की फ ोटो लगाकर पोस्टर पूरे ग्रेटर नोएडा में लगाए गए थे। अपने स्टार्टअप मेटाफिक्स एप के लिये फंड जुटाने हैदराबाद से आए प्रतिपाल ने बताया, हमें यह बोला गया था 1500 निवेशक आएंगे, 9000 इंडियन इंवेस्टर्स आएंगे।

इसीलिए हमने 3 पास 15000 में खरीदे थे। लेकिन अभी तक यहां कोई नहीं पहुंचा। यहां कोई इंवेस्टर नहीं आया है। यहां पर करीब 5000 लोग आए हैं, आयोजकों की वेबसाइट भी बंद है।

कोई जवाब देने वाला नहीं है। लोगों को लग रहा है कि उनके साथ फ्राड हुआ है। एक दूसरे स्टार्टअप चलाने वाले युवक ने बताया कि यहां आए एक-एक शख्स ने 30000 से 70000 रुपये खर्च किये हैं। पास से लेकर होटल की बुकिंग और खाने पीने में बहुत खर्च हुआ है। लेकिन यहां पर कोई कुछ बताने वाला ही नहीं है। डिजिटल मार्केटिंग पर इस कंवेशन के विज्ञापन देखकर लोग पूरे देश से यहां आए हैं। यहां न तो कोई ऑर्गेनाइजर मिल रहा है न कोई जिम्मेदार अफसर।

हंगामे को देखते हुए नॉलेज थाना पार्क पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझाने में जुटी है। वर्ल्ड स्टार्टअप कन्वेंशन 24 मार्च से 26 मार्च 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया गया है। स्टार्टअप ने आयोजक से पैसे वापस करने के लिए मांग की और कहा कि जितना भी उनका खर्चा हुआ है वह आयोजक के द्वारा रिफंड किया जाना चाहिए क्योंकि जो चीजें इनकी वेबसाइट पर दिखाई गई थीं।

वे कुछ भी यहां पर नहीं दिखाई दे रही हैं। कई घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जैसे-तैसे मामले को शांत कराया।

फिलहाल पुलिस अफसर इस मामले को लेकर कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं।

## विपक्षियों को निशाने पर ले रहा केंद्र : अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव शुक्रवार को एक निजी कार्यक्रम में ग्रेटर नोएडा पहुंचे। जहां पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि सरकार गलत तरीके से जान बूझकर विपक्ष के सदस्यों की सदस्यता छीन रही है। अखिलेश यादव ग्रेटर नोएडा में एक कार्यकर्ता के यहां पर निजी कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी के साथ वही हो रहा है जो समाजवादी पार्टी के साथ पहले हो चुका है। सपा के कई सदस्यों की सदस्यता जा चुकी है। वहीं अब भाजपा की सरकार कांग्रेस के बड़े नेता के साथ कर रही है।

उन्होंने कहा कि महंगाई बेरोजगारी और अन्य कई मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का कार्य भाजपा सरकार के द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह से देखेंगे तो भाजपा के कई सदस्यों की सदस्यता भी खत्म हो जाएगी।

केवल विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है। शहर में साथ ही लगातार उत्तर प्रदेश में 10 एनकाउंटर की खबरें सामने आई हैं। अगर इनकी जांच की गई तो कई बड़े अधिकारी जेल जाएंगे।

## चार मूर्ति अंडरपास की प्रारंभिक डिजाइन तैयार

- सीईओ ने समीक्षा बैठक में जल्द काम शुरू करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक को ट्रैफिक जाम से मुक्त करने के लिए प्राधिकरण तेजी से प्रयास कर रहा है। सीईओ ऋतु माहेश्वरी इस चौराहे पर अंडरपास बनाने के लिए नियमित रूप से समीक्षा कर रही हैं।

कंसल्टेंट एजेंसी ने सीईओ के समक्ष प्रारंभिक डिजाइन पर प्रस्तुतिकरण दिया। सीईओ ने एजेंसी को फाइनल डिजाइन शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सीईओ ने ग्रेटर नोएडा की अन्य परियोजनाओं की भी समीक्षा की। सभी परियोजनाओं का कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आबादी तेजी से बढ़ रही है। चार मूर्ति चौक यहां का सबसे व्यस्त चौराहा है। चौराहे पर ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए अस्थायी विकल्प के तौर पर दो तरफ यूटर्न बने हुए हैं। गौड़ सिटी की तरफ से सूरजपुर या नोएडा को जाने वाले वाहन 130 मीटर रोड पर बने यूटर्न से होकर गुजरते हैं।

इसी तरह 130 मीटर रोड या सूरजपुर की तरफ से गौड़ सिटी व प्रताप विहार को जाने वाले वाहन नोएडा की तरफ बने यूटर्न से होकर जाते हैं। इसके स्थायी समाधान के तौर पर यहां अंडरपास प्रस्तावित किया गया है। यह अंडरपास चार मूर्ति चौराहे पर 130 मीटर रोड को क्रॉस करते हुए 60 मीटर रोड के पैरलल बनेगा। यानी प्रताप विहार से सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा के बीच वाहन इस अंडरपास से होकर गुजरेंगे। यूटर्न तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इससे वाहन चालकों के समय और ईंधन दोनों की ही बचत होगी। सरकारी सलाहकार एजेंसी राइट्स से इस चौराहे की डिजाइन तैयार कर रही है। बीते दिनों ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने मौके पर विजिट भी किया है। सीईओ ने कंसलटेंट एजेंसी से इसकी डिजाइन शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

## इन्फ्लुएंजा की जांच के लिए निजी लैब व अस्पताल पेश कर रहे पैकेज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19, इन्फ्लुएंजा और अन्य श्वसन संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच निजी अस्पताल और प्रयोगशालाएं एक व्यापक पैकेज की पेशकश कर रहे हैं जिससे बार-बार संक्रमण की जांच करवाने की जरूरत नहीं होगी। विभिन्न प्रकार के वायरस के संक्रमण के कारण लोगों में आमतौर पर खांसी, सर्दी और बुखार जैसे लक्षण पाए जाते हैं और कई बार एक ही परीक्षण से इसका निदान नहीं होता है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा कि इन्फ्लुएंजा के मामलों में वृद्धि इन्फ्लुएंजा के उप प्रकार एच3एन2 वायरस के कारण है। पिछले कुछ महीनों में देश भर के अस्पतालों में बड़ी संख्या में इन्फ्लुएंजा के मामले सामने आ रहे हैं। आईसीएमआर के मुताबिक, भारत में आम तौर पर मौसमी इन्फ्लुएंजा दो चरण में देखे जाते हैं। पहले चरण की शुरुआत जनवरी से मार्च महीने के बीच होती है और दूसरा चरण मानसून के बाद आता है। डॉ डैंग्स लैब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सहयोगी अर्जुन डांग ने बताया, शहर में वायरल संक्रमण में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने एक मल्टीप्लेक्स पीसीआर-आधारित व्यापक फ्लू पैनल शुरू किया है जिसमें 17 रोगाणुओं को शामिल किया गया है। इनमें सामान्य वायरस जैसे कोविड-19, इन्फ्लुएंजा वायरस, पैराइन्फ्लुएंजा वायरस शामिल हैं। इनकी जांच की जाएगी।

प्रयोगशाला एक व्यापक श्वसन पैनल भी प्रदान करता है जो 22 रोगाणुओं के लिए परीक्षण करता है, जिसमें सामान्य बैक्टीरिया और वायरस के सभी सामान्य परिसंचारी उपभेद शामिल हैं। इसका फायदा यह है कि ए कुछ ही घंटों में परिणाम देते हैं और अत्यधिक संवेदनशील होते हैं।

## कीचड़ में लेटकर महिलाओं ने खुद को बचाया

- कबाड़ गोदाम में भीषण आग, आठ झुलसे, चार अस्पताल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में गुरुवार रात कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई। हादसे में 8 लोग झुलस गए। इसमें दो महिला और दो बच्चों की हालत नाजुक है। आग से बचने के लिए सभी कीचड़ में लेट गए। अपने पूरे शरीर पर कीचड़ लपेटकर इन्होंने जान बचाई और फिर बाहर की तरफ भागे। घटना नंदग्राम थाना क्षेत्र के विकासनगर की है। आलोक दुबे ने बताया गुरुवार रात कबाड़ गोदाम में लगी आग पर करीब 2 घंटे बाद फायर ब्रिगेड ने काबू पाया। अग्निकांड में 8 लोग झुलसे हैं। इन्हें एंबुलेंस से संयुक्त जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। महिला ज्योति, राजेश्वरी, रामू 14 और ऋषभ 16 भर्ती हैं। ये चारों ज्यादा झुलस गए हैं। जबकि मंजेश, अवधेश व अन्य दो लोग इमरजेंसी में भर्ती हैं। गुरुवार रात प्लाट में पड़े कबाड़ में लगी आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया। ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। लोगों के झुलसने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। लोगों ने निजी वाहनों से उन्हें अस्पताल पहुंचाया। मौके पर लोग राहत कार्य में जुटे और दमकल कर्मियों की मदद की। जिस प्लाट में कबाड़ का गोदाम चल रहा था, वह रिहायशी इलाका है। आसपास घनी आबादी है। आग लगते ही आसपास के घरों में हड़कंप मच गया।

## लेन-देन के विवाद में युवक को मारी गोली

गाजियाबाद। कोतवाली क्षेत्र के बुदाना गांव में पैसों के लेन-देन के विवाद में बीच-बचाव करने आए एक युवक को गोली लग गई। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है।

बुदाना गांव निवासी अनंतपाल और कुलदीप गुरुवार रात घर के पास बैठे बातचीत कर रहे थे। पैसों के लेन-देन को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हो गई।

गांववासी अमित व कुछ अन्य लोग मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। इसी बीच एक पक्ष द्वारा चलाई गई गोली अमित को लग गई।

## 'समय से अस्पताल पहुंचे डॉक्टर, मरीजों को मिले दवा'

- राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अस्पताल में मरीजों को मिल रही सुविधाओं और विकास कार्यों की प्रगति का आज जनपद के प्रभारी एवं लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने निरीक्षण किया।

इस दौरान वे निठारी स्थित आईटीआई भी गए। अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत वे उद्यमीय से मिलेंगे। वहां उनकी समस्या सुनेंगे और निपटारा करेंगे। उन्होंने सीएमओ और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेहत से जुड़ी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक 100 प्रतिशत मिले।

डॉक्टर समय से अस्पताल में उपस्थित रहे। अस्पताल में साफ सफाई एवं दवाई की उपलब्धता पर्याप्त रहे। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत की। मरीजों ने संतोषजनक जवाब ही दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों को बाहर की दवा न तो लिखी जाए और न ही उन्हें बाहर से दवाई खरीदने की जरूरत पड़े। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर की साफ.सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर किया जाए। इस अवसर पर बृजेश सिंह ने अस्पताल में महिलाओं को पोषण किट का वितरण भी किया। इसके बाद वे निठारी स्थित आईटीआई पहुंचे। यहां नव निर्मित भवन, फिटर कार्यशाला, नव निर्मित स्किल लैब, स्मार्ट क्लास रूम व इलेक्ट्रॉनिक लैब में छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रोजेक्ट को देखा। वहीं, संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने प्रशिक्षण व सीएसआर द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। इस मौके पर प्रधानाचार्य राधा कृष्ण को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य को गुणवत्ता परक रूप से निर्धारित समय अवधि के अंदर पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी तेज प्रताप मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा, राजकीय आईटीआई नोएडा के प्रधानाचार्य राधा कृष्ण, स्वास्थ्य विभाग व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

## ताहिर हुसैन पर कोर्ट के निर्णय का भाजपा ने किया स्वागत

पायनियर समाचारसेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को आईबी कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आरोप घोषित किए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि न्यायालय के इस निर्णय से शहीद के परिजनों के लिए एक मानसिक संतावना है। अध्यक्ष ने कहा है कि यह खेद का विषय है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आज तक ताहिर हुसैन को आप से निष्कासित नहीं किया है, बल्कि वह तो विगत निगम चुनाव में ताहिर हुसैन के परिजनों को टिकट देना चाहते थे लेकिन जन दवाब में पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा है कि भाजपा मांग करती है कि मुख्यमंत्री ताहिर हुसैन एवं आम आदमी पार्टी के रिश्ते पर सार्वजनिक बयान दें।

## गाजीपुर में स्कूल छात्रा से गैंगरेप में भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। गाजीपुर में स्कूली छात्रा से हुए गैंगरेप के मामले में भाजपा ने दिल्ली नगर निगम, दिल्ली महिला आयोग एवं आप तीनों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष निगम पार्षद योगिता सिंह, प्रदेश मंत्री निगम पार्षद नीमा भगत और निगम पार्षद रेखा गुप्ता, कमलजीत सहरावत एवं शशि चांदना ने एक संयुक्त बयान में गाजीपुर नगर निगम स्कूल के कर्मचारी द्वारा अपने मित्रों के साथ एक स्कूली छात्रा से गैंगरेप की घटना को एक वीभत्स घटना बताया है और कहा है

## सभी यूजीआर पर फ्लोमीटर लगाकर सहेजेगा बूंद-बूंद

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी भूमिगत जलाशयों पर फ्लो मीटर लगाने का निर्णय लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल शोधन संयंत्र से निकलने वाले पानी की एक भी बूंद की बर्बादी नहीं होनी चाहिए।

इसके लिए प्राइमरी और सेकेंडरी यूजीआर तक फ्लो मीटर लगाया जाए। दिल्ली में जहां भी भू-जल स्तर बेहतर है, वहां इंडस्ट्रियल आरओ सिस्टम लगाकर लोगों के घरों तक साफ और स्वच्छ पानी पहुंचाने का प्रबंध किया जाए। केजरीवाल ने जल बोर्ड को एक महीने के अंदर इंडस्ट्रियल आरओ प्लांट के लिए टेंडर करने के निर्देश दिया है। साथ ही, नलकूपों को स्थापित करने में आ रही जमीन संबंधित समस्या के के लिए 31 मार्च को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। जल बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि जल शोधन संयंत्र से प्राइमरी यूजीआर में पानी जाता है और प्राइमरी यूजीआर से सेकेंडरी यूजीआर में पानी जाता है। इसके बाद लोगों के घरों में पानी की आपूर्ति की जाती है। कई जगह जल संयंत्र से पानी को प्राइमरी यूजीआर से आगे जाने वाली पाइप में टेपिंग देकर सीधे इलाकों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। कई जगहों पर प्राइमरी यूजीआर और सेकेंडरी यूजीआर के बीच पाइप में टेपिंग दी गई है, उससे इलाकों के अंदर पानी दिया गया है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि इंडस्ट्रियल आरओ के लिए टेंडर दिए गए थे, उसमें बिड आई हैं। रिजर्व प्राइस से दोगुनी वाली बिड अधिक आई हैं। इस कारण दोबारा टेंडर करने की आवश्यकता है। सीएम ने अधिकारियों को नलकूपों लगाने में आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों से बात करके इसका जल्द निराकरण करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने बताया कि काफी नलकूप डीडीए के अधिकार क्षेत्र वाली भूमि पर लगने हैं। डीडीए से बातचीत चल रही है और जल्द इसका समाधान होने की उम्मीद है। जल बोर्ड ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में नलकूप लगाने के लिए जमीन प्राप्त कर ली है और जैसे ही से काम शुरू कर दिया है।

## नोएडा-गाजियाबद में मॉकड्रिल कर परखीं भूकंप की तैयारी

### एनडीआरएफ, सीआईएसएफ, स्वास्थ्य, फायर विभाग समेत स्कूली बच्चों ने लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/गाजियाबाद

नोएडा गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद भूकंप को लेकर अति संवेदनशील सिस्मिक जोन चार शामिल हैं। तैयारियों का जायजा लेने के लिए दोनों शहरों के कई स्थानों में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

इस मॉक ड्रिल में पुलिस जिला प्रशासन की टीम के साथ एनडीआरएफ सीआईएसएफ, बीएसएफ, स्वास्थ्य विभाग और फायर डिपार्टमेंट की टीमों ने हिस्सा लिया। इस मॉकड्रिल एक्सरसाइज में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। सुबह 9 बजे के समय ग्रेटर नोएडा के एलजी कम्पनी में भूकंप आने की सूचना पर बजने वाले सायरन की गूंज होने लगी। इससे भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में पुलिस बल, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और रेडक्रास सोसायटी के सदस्य भी पहुंच गए। नजारा ऐसा था जैसे भूकंप आया हो और कई लोग घायल हुए हों, लेकिन सच में ऐसा नहीं हुआ था ये तो बस एक कवायद थी कि भूकंप आपदा को लेकर प्रशासन द्वारा तैयारियों को परखने की।

भूकंप से बचने के अभ्यास के साथ ही मॉकड्रिल कराई जा रही है और ये भी पता लगाने की कि सरकारी तंत्र की प्रशिक्षण में कहां.कहां कमियां हैं।

नोडल ऑफिसर आपदा प्रबंधन ने बताया कि आपदा प्रबंधन की तरफ से बड़े स्तर की भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिये तीन जगहों जिम्स, एलजी कंपनी और एडब्ल्यूएचओ टाउनशिप में मॉकड्रिल किया गया। उन्होंने बताया कि कोई आपदा आ जाए तो उसे किस तरह से निपटा जाए इसकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाना है। इस दौरान एसडीआरएफ टीम द्वारा सभी लोगों को सुरक्षा प्रबंधन का लाइव डेमो भी करके दिखा गया। डीसीपी साद मिया खान, एडीसीपी अशोक कुमार, एसडीआरएफ टीम, फायर सर्विस, प्रशासनिक अधिकारीगण, स्काउट, पुलिस अधिकारीगण, पीएसी बल के अधिकारीगण और सोसायटी के लोग उपस्थित रहे।

### डॉग स्क्वॉड की टीम और तलाशी वाले यंत्र का प्रयोग

इंग्राहम इंटर कॉलेज को कंट्रोल रूम बनाया गया था, जहां से रेस्क्यू टीमों को रवाना किया जा रहा था। सबसे पहले मौके पर एसडीएम सदर विनय कुमार सिंह और एसएचओ कविनगर ने पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उनकी सूचना पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग, सर्वोदय अस्पताल से डॉक्टर, पैरामेडिकल व एम्बुलेंस की टीमें रवाना हो गईं। मॉडल के तौर पर एक लकड़ी से बनी एक दीवार को काटकर लोगों को निकालने का अभ्यास किया गया, तो वहीं आग लगने पर होने वाली कार्रवाई का प्रदर्शन भी किया गया। लोगों को बचाने के लिए डॉग स्क्वायड की टीम और तलाशी वाले यंत्र का प्रयोग किया गया। इस दौरान एसीपी ट्रैफिक रवि कुमार सिंह, एसीपी क्राइम अजित रजक आदि अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

पकड़े गए नाइजीरियन तस्कर के बारे में बताते पुलिसकर्मी।

### गांजे के साथ नाइजीरियन तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 थाना पुलिस ने गांजे के साथ एक नाइजीरियन को गिरफ्तार किया है। यह विदेशी नागरिक दिल्ली से गांजे की तस्करी करने के लिए ग्रेटर नोएडा आया था, लेकिन पुलिस ने चेकिंग के दौरान उसको गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसके कब्जे से अवैध गांजा बरामद करके उसे जेल भेज दिया। बीटा 2 थाना पुलिस सिग्मा गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान पुलिस को एक नाइजीरियन मूल का विदेशी नागरिक आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 1.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस उसको पकड़ कर थाने ले गई और उससे पूछताछ की। उसने पूछताछ में बताया कि उसका नाम जीन है और वह मूल रूप से नाइजीरिया का रहने वाला है और वह पापा जी हाउस फेस नई दिल्ली में रह रहा है।

### सूदखोरी की वजह से हुई थी भूरा की हत्या

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने के एसएचओ उमेश चंद्र नैथानी की टीम ने दया फार्म पर हुई भूरा नामक युवक की हत्या का खुलासा करते हुए दो हत्याभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। दो और अभियुक्त मुकेश व प्रिंस नहीं पकड़ पाये हैं। इस संदर्भ में डीसीपी रूरल रवि कुमार ने बताया कि पुलिस ने जिन हत्याभियुक्तों को भूरा मर्डर केस में पकड़ा है उनके नाम मुकुल व पप्पन हैं। पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि भूरा मोटे ब्याज पर पैसे देता था और दस रुपए का ब्याज दबंगई के बल पर वसूलता था। ना देने पर बेगार व अपने यहां चाकरी करवाता और मारपीट भी करता था। पप्पन ने बताया कि उसने भी भूरा से दस रुपये सैंकड़ा पर दस हजार रुपए उधार ले रखे थे जिसके चलते उसे उसकी चाकरी करनी पड़ रही थी। भूरा की दबंगई और मोटा ब्याज वसूलने वाली आदत से त्रस्त होकर पप्पन, मुकेश, मुकुल व प्रिंस एकराय होकर उसकी हत्या की फिराक में लग गए थे।

### सीआईएसएफ जवान ने लगाई फांसी

गाजियाबाद। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 5वीं बटालियन गाजियाबाद में तैनात एक जवान ने गुरुवार को फांसी लगाकर जान दे दी। सरकारी क्वार्टर में उसका शव फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे ये पता चल सके कि सुसाइड करने की वजह क्या थी। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक जवान की पहचान 25 वर्षीय लोकनाथन के रूप में हुई। वो मूल रूप से तमिलनाडु का रहने वाला था और साल 2021 में सीआईएसएफ में भर्ती हुआ था। वर्तमान में उसकी पोस्टिंग गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित सीआईएसएफ की रिजर्व पांचवी बटालियन में थी। शिप्रा सन सिटी पुलिस चौकी को सीआईएसएफ कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि एक जवान ने खुदकुशी कर ली है।

### लापरवाही बरतने पर चार कंपनियों पर जुर्माना

नोएडा। पार्क, ग्रीन बेल्ट में साफ-सफाई नहीं मिलने पर नोएडा प्राधिकरण के हार्टिकल्चर विभाग ने चार ठेकेदारों पर कुल 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। निरीक्षण के दौरान ये कमियां पाई गई थीं। जिसके बाद ये एक्शन लिया गया। इन ठेकेदारों को चेतावनी दी गई है। इसके बाद भी काम में लापरवाही मिलती तो इनकी संविदा को समाप्त कर दिया जाएगा प्राधिकरण की ओएसडी वंदना त्रिपाठी ने बताया कि हाल ही में उन्होंने सेक्टर-11, 12 सेक्टर-57, एक्सप्रेसवे और सेक्टर-92 का निरीक्षण किया था। वहां पार्क और ग्रीन बेल्ट दोनों में ही पेड़ से टूटे हुए पत्ते और पार्क में रखरखाव ठीक ढंग से नहीं हो रहा था। इसके साथ एक्सप्रेस वे के किनारे लगे पौधे सूख चुके थे। जिनको समय से पानी नहीं दिया जा रहा था। ओएसडी ने बताया इन चारों को चेतावनी भी जारी की गई थी लेकिन लापरवाही जारी थी। ऐसे में सेक्टर-11, 12 में ग्रीनरी का काम कर रहे ठेकेदार प्रमोद एंड कंपनी पर 5 लाख, सेक्टर-57 के लिए ठेकेदार एमकेएस पर तीन लाख, एक्सप्रेस वे देख रहे सिद्ध ग्रीन पर 1 लाख और जोगेन्द्र पर तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

# मां कूष्मांडा की पूजा से होगी यश में वृद्धि

**शारदीय नवरात्र का चौथा दिन जगत जननी के चतुर्थ स्वरूप को समर्पित होता है। देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि इस दिन मां दुर्गा के कूष्मांडा रूप में करनी चाहिए। देवी कूष्मांडा आदिशक्ति का चौथा स्वरूप हैं। पुराण में बताया गया है कि प्रलय से लेकर सृष्टि के आरंभ तक चारों ओर अंधकार ही अंधकार था और सृष्टि एकदम शून्य थी। तब आदि शक्ति के कूष्मांडा रूप ने अंडाकार रूप में ब्रह्मांड की रचना की।**

### उपासना से कष्ट होते हैं दूर

इस बार नवरात्रि के तीसरे दिन नवदुर्गा के चौथे स्वरूप की उपासना की जा रही है। ज्योतिष के जानकारों की मानें तो देवी के इस स्वरूप की उपासना से इंसान जीवन के तमाम कष्टों से मुक्त हो सकता है। विशेषकर कुंडली के बुध से जुड़ी परेशानियां मां कुमांडा दूर करती हैं। आइए जानते हैं कि देवी के इस भव्य स्वरूप की महिमा क्या है...

### कूष्मांडा देवी

**ये नवदुर्गा का चौथा स्वरूप हैं। अपनी हल्की हंसी से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कूष्मांडा पड़ा। ये अनाहत चक्र को नियंत्रित करती हैं। मां की आठ भुजाएं हैं इसलिए इन्हें अष्टभुजा देवी भी कहते हैं। संस्कृत भाषा में कूष्माण्डा को कुम्हड़ कहते हैं और मां कूष्मांडा को कुम्हड़ा विशेष रूप से प्रिय है। ज्योतिष में मां कूष्मांडा का संबंध बुध ग्रह से है।**

### पूजा विधि ?

- हरे कपड़े पहनकर मां कूष्मांडा का पूजन करें।
- पूजन के दौरान मां को हरी इलाइची, सौंफ और कुम्हड़ा अर्पित करें।
- इसके बाद उनके मुख्य मंत्र कूष्मांडा देव्यै नमः का 108 बार जाप करें।
- चाहें तो सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ भी कर सकते हैं।

### मां कूष्मांडा का विशेष प्रसाद क्या है?

ज्योतिष के जानकारों की मानें तो मां को उनका उनका प्रिय भोग अर्पित करने से मां कूष्मांडा बहुत प्रसन्न होती हैं....

मां कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाएं।

इसके बाद प्रसाद को किसी ब्राह्मण को दान कर दें और खुद भी खाएं।

इससे बुद्धि का विकास होने के साथ-साथ निर्णय क्षमता भी अच्छी हो जाएगी।

# जंगल के घरों की दीवारों से निकल कर शहरी कद्रदानों की बैठकी तक पहुंच गई है भील चित्रकारी

**जंगल** और आदिवासी संस्कृति की प्रतिनिधि तस्वीर है मध्य प्रदेश का झाबुआ जिला। आदिवासी संस्कृति में अहम होती है वहां की चित्रकला। भील चित्रकारी आदिवासी कला-संस्कृति का वह अभिन्न हिस्सा है जो आज देश-दुनिया में जानी जाती है। आदिवासी समुदाय मिट्टी के घर की दीवारों को इससे सजाते हैं। इसलिए इस पेंटिंग के कथ्य में पूरी आदिवासी जीवनशैली ही उकेरी होती है। आदिवासी समुदाय के कुछ चित्रकार इस शैली को खत्म होने से बचाने के लिए पूरी दुनिया में इस कला को लोगों के बीच बांट रहे हैं। पहले प्राकृतिक रंगों का कैनवास मिट्टी की दीवारें होती थीं तो अब यह कागज और अन्य वस्तुओं पर उकेरा जा रहा है। शांता भूरिया कलाकार हैं जो भील पेंटिंग की परंपरा का आधुनिक उत्पादों के साथ कदमताल करा उसे बचाने को युद्धरत हैं। जंगल के घरों की दीवारों से निकल कर यह कला शहरी कद्रदानों की बैठकी तक पहुंच गई है। शांता भूरिया समझती हैं कि कोई कला तभी जीवित रह सकती है जब उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। आदिवासी खान-पान हो या चित्रकारी इनके कथ्य में पर्यावरण जागरुकता की कदमताल होती ही है। भील चित्रकारी के लिए समर्पित कलाकार शांता भूरिया से अनिल अश्विनी शर्मा की खास बातचीत

**आपकी भील पेंटिंग की यात्रा कब शुरू हुई?**

कहने के लिए तो मेरी यह कला यात्रा बचपन में शुरू हो गई थी। गांव के घरों की दीवारों पर मेरी मां इसे बनाती थी। उन्हें चित्र उकेरते देखना ही मेरे लिए इस कला का पहला स्कूल था। थोड़ी बड़ी होने पर इसकी बारीकियां सीखी।

**आपकी भील चित्रकला की क्या खासियत है?**

गौंड चित्रकला में रेखाओं का महत्व होता है, वहीं भील चित्रकारी में बिंदी का बहुत अधिक महत्व होता है। चित्रकारी का ज्यादातर हिस्सा बिंदी के माध्यम से ही उकेरा जाता है। कुल मिलाकर आप कह सकते हैं कि भील चित्रकारी बिंदुओं पर ही आधारित है।

**भील चित्रकारी की विरासत को बचाने के लिए आपके क्या प्रयास हैं?**

मैं चाहती हूं कि मेरे बाद भी आदिवासियों की यह भील चित्रकारी बची रहे। इसलिए मैंने पिछले 15 सालों में दर्जनों कार्यशाला कर युवाओं को इसे सीखने के लिए न केवल प्रेरित किया बल्कि उनको लगातार इस पेंटिंग की बारीकियां सिखाने की कोशिश में लगी रहती हूं।

हमारी कोशिश है कि हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को भील चित्रकारी सिखाएं क्योंकि कोई भी एक बार इसे सीख लेगा तो उसकी आजीविका का साधन अवश्य बन जाएगी। हमारी कार्यशाला में जो सीखने आते हैं, उनकी लगन देखकर हमेशा अच्छा लगता है। इन कार्यशालाओं में युवा बढ़-चढ़ कर भागीदारी करते हैं। कार्यशाला खत्म होने के बाद भी हमसे लगातार संपर्क बनाकर रखते हैं।

चित्रकारी करना तो उत्साहजनक है ही, इस कला को दूसरों को हस्तांतरित करने का भी अपना सुख है। मैं इस सुख को भरपूर जी रही हूं। कला के किसी भी रूप को संरक्षित करने के लिए ज्ञान का आदान-प्रदान अहम है। इसलिए मैं सेंधवा वन प्रभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में लोगों को लगातार कला सिखाने के लिए तैयार हो गई। यह युवाओं को इस कला की ओर आकर्षित करने का प्रयास था।

आज की पीढ़ी मोबाइल और इंटरनेट से चिपकी हुई है। ज्यातार युवाओं में कलात्मक स्थिरता व संवेदनशीलता की कमी होती है। लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि 15 से 40 वर्ष की आयु के प्रतिभागियों ने मुझसे भील पिथौरा कला सीखने में जो रुचि दिखाई, उससे मैं अभिभूत हूं। इस तरह के प्रयास ही कला को जीवित रखेंगे।

**भील चित्रकारी में आपका पसंदीदा कथ्य क्या रहता है?**

शुरू में तो मैंने पेंसिल से ड्राइंग करते हुए अपनी रचनात्मकता को पूरी तरह से मुक्त होने दिया। इसके बाद मैंने इस पेंटिंग की असली शैली को अपनाया यानी चित्रों में छोटे बिंदुओं का भरपूर प्रयोग करना। बिंदुओं का समुच्चय ही कथ्य तैयार करता है जो मेरी आस-पास से हासिल संवेदनाओं से जुड़ा होता है। मेरा मुख्य कथ्य तो प्रकृति ही है। मैं जब भी प्रकृति को कैनवास पर जीवंत करती हूं तो अपनी कृपना में आए मोर को अलग तरह से चित्रित करने का प्रयास रहता है। मोर तो सबने देखा होता है। मेरा मन-मयूर कृपनाशील होकर अलग ही मोर रचता है। हालांकि, मैंने अपनी मां से काफी कुछ सीखा है, फिर भी मेरे चित्रों पर मेरे देखे-सुने महसूसे का सबसे ज्यादा असर होता है।

**आपकी चित्रकारी के साथ पारिवारिक सहयोग कितना रहता है?**

चार बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी के साथ कलात्मक कृपना की उड़ान भरनी होती है। जब वे स्कूल जाते हैं तब मैं दोपहर में पेंटिंग करती हूं। लेकिन मेरा परिवार, खासकर मेरे पति, मेरे काम में सहयोग कर रहे हैं। मेरी पेंटिंग दिल्ली और बेंगलुरु सहित कई शहरों में प्रदर्शित की गई है। अभी बड़ी संख्या में लोग मेरी पेंटिंग खरीदना चाहते हैं। उन को कभी निराश नहीं करती हूं।

आपकी भील चित्रकारी में पर्यावरण जागरुकता को लेकर भी संदेश रहता है। क्या इसे लेकर खास सजगता है ? देखिए चमकीले रंग मेरे चित्रों को हमेशा से विशिष्ट बनाते हैं, विशेष रूप से पेड़ और जानवर। इसे आप गहराई से समझें तो यह पर्यावरण जागरुकता फैलाने का सबसे अच्छा तरीका भी है।

**आपकी भील चित्रकारी आदिवासी घरों से निकल कर हर जगह पहुंच चुकी है।**

अब पूरा देश इसे जानता है। आप इसे कैसे देखती हैं ? भील चित्रकारी तो झाबुआ संस्कृति की जीवनरेखा थी, जहां मैं पैदा हुई थी। मैंने यह कला अपनी मां भूरी बाई से सीखी। उन्हें इस कला की सेवा के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया। मेरी मां के समय में त्योहारों और शादियों के दौरान ग्रामीण घरों की मिट्टी की दीवारों पर चित्रकारी की जाती थी। चिकनाई के लिए पहले गाय का गोबर उपयोग में लाया जाता था। साथ में कुचले हुए पत्तों और हल्दी के पेस्ट का उपयोग करके हम अपना पेंट बनाया करते थे। प्राकृतिक रंग हमेशा से मिट्टी की दीवारों को एक अनूठा आकर्षण प्रदान करते हैं। अब ऐसी मिट्टी की दीवारें मिलनी मुश्किल है। स्वाभाविक रूप से इसके कारण पेंटिंग लगभग गायब होने लगी। लेकिन यह अच्छी बात है कि इस कला ने कैनवास और कागज पर अपनी कला को उकेरने का रास्ता खोज लिया, वरना अब तक यह गायब हो चुकी होती। वर्तमान में मुट्ठी भर चित्रकार ही इस अनूठी कला को जीवित रखे हुए हैं। आज मेरे हाथ ब्रश पकड़ते हैं, वे कभी शारीरिक श्रम करते थे।

# वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा में दर्ज की गई 295 गीगावाट की वृद्धि, भारत में 11 फीसदी की बढ़ोतरी

**2022** में वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा क्षमता में 9.6 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि इसके बावजूद यह बढ़ोतरी वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को सीमित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए अक्षय ऊर्जा में वर्तमान दर से तीन गुणा वृद्धि की जरूरत है। यह जानकारी इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी (आईआरईएनए) द्वारा जारी नई रिपोर्ट रिन्यूएबल कैपेसिटी स्टैटिस्टिक्स 2023 में सामने आई है।

रिपोर्ट में जारी आंकड़ों की मानें तो पिछले वर्ष 2022 के अंत में वैश्विक स्तर पर कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता रिकॉर्ड 295 गीगावाट की वृद्धि के साथ बढ़कर 3,372 गीगावाट पर पहुंच गई थी। वहीं यदि पिछले वर्ष नई बिजली क्षमता की बात करें तो उसमें करीब 83 फीसदी के हिस्सेदारी अक्षय ऊर्जा की थी। जो दर्शाता है कि वर्तमान में रिन्यूएबल एनर्जी पर कितना ध्यान दिया जा रहा है।रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद रिन्यूएबल एनर्जी में रिकॉर्ड स्तर पर विकास जारी है, जो जीवाश्म ईंधन से हो रहे बिजली उत्पादन में गिरावट की पुष्टि करता है। इस बारे में इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमरा का कहना है कि, निरंतर होती रिकॉर्ड वृद्धि ऊर्जा संकट के बीच अक्षय ऊर्जा के लचीलेपन को दर्शाती है।

उनके अनुसार नीतियों को बेहतर करने के साथ, अक्षय ऊर्जा ने साल-दर-साल वैश्विक ऊर्जा में अपनी हिस्सेदारी में हो रही वृद्धि की प्रवृत्ति को बरकरार रखा है। हालांकि साथ ही उन्होंने यह भी माना कि यदि वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखना है, तो इसके लिए 2030 तक अक्षय ऊर्जा में होती वृद्धि को वर्तमान स्तर से तीन गुणा ज्यादा करने की जरूरत है। रिपोर्ट की मानें तो 2022 में अक्षय क्षमता विस्तार में सौर और पवन ऊर्जा का दबदबा रहा। इस दौरान अक्षय ऊर्जा में हुई कुल वृद्धि में इनकी संयुक्त रूप से हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी रही। जलविद्युत क्षमता में दो फीसदी के साथ 21 गीगावाट की वृद्धि, जो हाल के वर्षों के अनुरूप ही है। इसी तरह पवन ऊर्जा में 9 फीसदी (75 गीगावाट) की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि यह वृद्धि पिछले दो वर्षों की तुलना में धीमी रही। इसी तरह सौर ऊर्जा में भी 191 गीगावाट की वृद्धि देखी गई। वहीं यदि बायोएनेर्जी की बात करें तो उसमें 7.6 गीगावाट की वृद्धि दर्ज की गई जो पिछले वर्ष (8.1 गीगावाट) की तुलना में थोड़ी कम है। इस दौरान भूतापीय ऊर्जा में बहुत मामूली 181 मेगावाट की वृद्धि हुई। भले ही दुनिया के कई देशों ने 2022 के दौरान अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि की थी। लेकिन यह वृद्धि मुख्य रूप से एशिया, अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों में केंद्रित थी। आंकड़े दर्शाते है कि नई क्षमता के विस्तार में करीब आधी हिस्सेदारी एशिया की थी। देखा जाए तो चीन की इसमें सबसे बड़ा योगदान था, जिसने अकेले ही एशिया में अक्षय ऊर्जा के विस्तार में 141 गीगावाट का योगदान दिया था। आंकड़ों के मुताबिक जहां यूरोप की अक्षय ऊर्जा क्षमता में 57.3 गीगावाट की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं उत्तरी अमेरिका में यह आंकड़ा 29.1 गीगावाट था। इसी तरह अफ्रीका में भी अक्षय ऊर्जा क्षमता में होता विस्तार जारी था। ओशिनिया ने 5.2 गीगावाट की वृद्धि और दक्षिण अमेरिका ने क्षमता में 18.2 गीगावाट के विस्तार के साथ अपनी दो अंकों की वृद्धि को जारी रखा था। वहीं मध्य-पूर्व ने 3.2 गीगावाट के साथ नवीकरणीय ऊर्जा में अपनी उच्चतम वृद्धि दर्ज की, जो 12.8 फीसदी रही। यदि भारत से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो 2022 में भारत की अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 10.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जब उत्पादन क्षमता 2021 में 147,122 मेगावाट से बढ़कर 2022 में 162,963 मेगावाट पर पहुंच गई थी। देखा जाए तो भारत में अक्षय ऊर्जा में हुई यह वृद्धि सौर और पवन ऊर्जा पर केंद्रित थी। जहां 2020 में सौर ऊर्जा में 27 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई, वहीं पवन ऊर्जा में भी 4.6 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि रिकॉर्ड की गई। गौरतलब है कि भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता जो 2021 में 49,684 मेगावाट थी वो 2022 में बढ़कर 63,146 मेगावाट पर पहुंच गई थी। इसी तरह पवन ऊर्जा क्षमता 40,067 मेगावाट से बढ़कर 2022 में 41,930 मेगावाट पर पहुंच गई थी।

# 2050 तक दिखेंगे महामारी के जख्म

**15 मार्च** 2020। यह कोविड-19 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा आधिकारिक रूप से महामारी घोषित करने का पांचवां दिन था। भारत के करीब 75 जिलों में कोविड के लगभग 300 मामले सक्रिय थे।

उस समय लोगों को अपने तात्कालिक भविष्य की चिंता थी। लोग आशंकित थे कि वायरस का व्यवहार कैसा होगा और हमें किस प्रकार मारेगा। हमें एहसास नहीं था कि यह जल्द ही यह धरती की सबसे बड़ी महामारी बन जाएगा और 15 मार्च 2023 तक 68 लाख से अधिक लोगों की मौत की वजह बनेगा।

महामारी के तीन साल बाद हमने मरने वालों और संक्रमितों को गिनना छोड़ दिया है। अब दुनिया महामारी के अगले चरण में पहुंच रही है, जहां इसके दुष्प्रभाव एक बड़ी आबादी को आने वाले कई वर्षों तक भोगने होंगे।

2020 में 260 करोड़ लोगों की उम्र 20 वर्ष से कम थी। इसे कार्यबल आबादी की नर्सरी माना जा सकता है। इस लिहाज से देखें तो दुनिया का हर तीसरा शख्स हाल ही में कार्यबल आबादी में शामिल हुआ है। यह आबादी अपने जीवन के ऐसे मोड़ पर है जो उसका भविष्य निर्धारित करता है। यानी इस मोड पर वह शिक्षा प्राप्त करता है, बीमारियों से बचने व स्वस्थ रहने के लिए टीके लगवाता है और अपने जीवनयापन के लिए आवश्यक कौशल हासिल करता है। इन सभी को संयुक्त रूप से मानव पूंजी माना गया है। जिस शख्स के पास यह पूंजी जितनी अधिक होगी, उसके बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने की संभावना उतनी ही प्रबल होगी। अधिक मानव पूंजी वाले ऐसे लोगों का समूह अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है। विश्व बैंक का कहना है कि आबादी का यह समूह 2050 तक 90 प्रतिशत प्राइम ऐज एडल्ट होगा।

विश्व बैंक ने अपने विश्लेषण में माना है कि इस मानव पूंजी पर महामारी ने शताब्दी का सबसे गहरा आघात किया है। इस कारण दुनिया में कम मानव पूंजी बची है अथवा वह निकट भविष्य में कुशल कार्यबल आबादी में शामिल होने के लिए ठीक से तैयार नहीं है। विश्व बैंक का कोलेप्स एंड रिकवरी : हाउ द कोविड-19 पेंडेमिक इरोडेड ह्यूमन कैपिटल एंड वाट टू डू अबाउट इट नामक विश्लेषण हाल ही में प्रकाशित हुआ है जो कहता है कि महामारी ने मानव पूंजी को स्पष्ट रूप से नष्ट किया है।

मानव पूंजी का निर्माण बच्चे के पहले पांच वर्षों से शुरू हो जाता है जिसमें स्वास्थ्य और शिक्षित भविष्य की नींव पड़ती है। इसके बाद शिक्षा इस आबादी को 20 वर्षों तक कुशलता के रास्ते पर आगे बढ़ाती है। 25 वर्ष होने पर यह कार्यबल अपनी इस कुशलता का इस्तेमाल जीवनयापन में करने लगता है जिससे उसके भविष्य के रोजगार और परिवार के लिए की गई तैयारी निर्धारित होती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था का भी यही ईकोसिस्टम है। विश्व बैंक ने पाया है कि महामारी ने इसकी बुनियाद बुरी तरह से हिलाकर रख दी है।

लाखों बच्चे नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और स्वास्थ्य केंद्रों व स्कूलों में मिलने वाले पोषणयुक्त भोजन से वंचित रह गए। ऐसे अधिकांश बच्चे विकासशील और गरीब देशों में हैं। विश्लेषण के अनुसार, 100 करोड़ बच्चे कम से कम एक साल तक स्कूल से दूर हुए हैं। भारत समेत 180 देशों के स्कूल मार्च 2020 के अंत में बंद हो गए। एक साल बाद तक ये स्कूल बंद रहे अथवा 94 देशों में आंशिक रूप से बंद रहे।

विश्लेषण के निष्कर्ष के अनुसार, जितने महीने स्कूल बंद रहे, उतने महीने की पढ़ाई का नुकसान हुआ। ये बच्चे उस कौशलता को भी हासिल करने से वंचित रहे गए जो भविष्य में कार्यबल में शामिल होने के लिए आवश्यक है। बहुत से युवा महामारी के कारण अपनी नौकरी से भी हाथ धो बैठे। नष्ट मानव पूंजी के आर्थिक विश्लेषण के अनुसार, आज हुए पढ़ाई में नुकसान की वजह से दुनियाभर में भविष्य की कमाई में 21 ट्रिलियन डॉलर की कमी आ सकती है।

महामारी के बाद वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था में कार्यबल पीढ़ी को अप्रत्यक्ष रूप से एक परेशानी का सामना और करना पड़ेगा। इसका नाम स्कारिंग यानी महामारी के घाव है। विश्व बैंक का कहना है कि श्रम बाजार में बेरोजगारी अथवा कम भुगतान वाली नौकरी की स्थिति में यह हालात पैदा होंगे। विश्व बैंक के मुताबिक, साक्ष्य बताते हैं कि स्कारिंग 10 वर्षों तक रह सकता है।हो सकता है कि हम सबको जल्द यह आधिकारिक घोषणा सुनने को मिले कि महामारी का अंत हो गया है। जो इससे बच गए, वो हर्षित होंगे लेकिन भविष्य में इसकी आंच से बचना मुश्किल है।

# सलीमा टेटे को वर्ष की उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार

## कोरिया के मुंगयोंग में एशियाई हॉकी महासंघ की वार्षिक बैठक के दौरान सौंपा गया पुरस्कार

एजेंसी। नई दिल्ली

**भारतीय** महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सलीमा टेटे को 2022 में शानदार प्रदर्शन के लिए एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) ने वर्ष की उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार से सम्मानित किया है। कोरिया के मुंगयोंग में एशियाई हॉकी महासंघ की वार्षिक आम बैठक में इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

सलीमा ने हॉकी इंडिया के बयान में कहा, मैं पिछले कई वर्षों की मेरी कड़ी मेहनत को पहचान देने के लिए एशियाई हॉकी महासंघ का आभार व्यक्त करती हूं। एशियाई हॉकी

### पिछले साल एशिया कप में टूर्नामेंट की उदीयमान खिलाड़ी चुना गया था

महासंघ ने इसके साथ ही हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह को उदीयमान खेल अधिकारी के पुरस्कार से सम्मानित किया। सलीमा पिछले दो वर्षों से भारतीय महिला टीम का अभिन्न अंग रही है। उन्हें पिछले साल मस्कट में महिला एशिया कप में टूर्नामेंट की उदीयमान खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के दौरान सीनियर टीम की तरफ से

पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने 2018 में अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में युवा ओलंपिक खेलों में भारतीय जूनियर टीम को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सलीमा तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा भी थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 2021 में खेले गए एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्वकप में भी हिस्सा लिया था जिसमें भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी। यह मिडफील्डर एफआईएच हॉकी प्रो लीग में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा भी थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस युवा मिडफील्डर को पुरस्कार जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं सलीमा टेटे को इस पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई देता हूं। यह देखकर मुझे बहुत खुशी होती है कि हमारे भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर वह पहचान मिल रही है जिसके वे हकदार हैं।

## हरमनप्रीत द हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स जबकि मंधाना सदर्न ब्रेव की तरफ से खेलेंगी

एजेंसी। लंदन

**भारतीय** महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर इस साल द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में ट्रेंट रॉकेट्स की तरफ से जबकि उप कप्तान स्मृति मंधाना सदर्न ब्रेव की तरफ से खेलेंगी।

द हंड्रेड का ड्रॉफ्ट गुरुवार को जारी किया गया जिसमें हरमनप्रीत को ट्रेंट रॉकेट्स ने अनुबंधित किया है जबकि सदर्न ब्रेव ने मंधाना को अपनी टीम में बनाए रखा है। द हंड्रेड में यह पहला अवसर था जबकि महिलाओं खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन किया गया। पुरुष और महिला वर्ग में कुल 64 खिलाड़ियों का चयन किया गया। पुरुष वर्ग में पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रउफ़ को वेल्श फायर ने चुना। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को किसी टीम ने नहीं चुना।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरॉन पोलार्ड और न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को भी कोई खरीदार नहीं मिला। द हंड्रेड क्रिकेट प्रतियोगिता इस साल एक अगस्त से आयोजित की जाएगी।

# रुद्रांक्ष पाटिल ने भारत को दिलाया ब्रॉन्ज, मेडल की संख्या हुई पांच

## आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के तीसरे दिन लहराया परचम

एजेंसी। भोपाल

**इंटरनेशनल** शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत के रुद्रांक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दूसरी ओर 10 मीटर एयर राइफल कांप्टीशन फाइनल में भारत की और टॉप आठ में हृदह हजारिका और रुद्रांक्ष पाटिल शामिल हुए थे। इस दौरान रुद्रांक्ष के फाइनल पाइंट्स 262.2 रहे। इसके अलावा चीन के शेंग लिहाओ ने गोल्ड और डू लिंशु सिल्वर मेडल हासिल किया।

रुद्रांक्ष पाटिल ने मैच के बाद बताया कि यह एक ऐसा फाइनल था जब मेरे हाथ कांप रहे थे और मेरी हार्ट बीट भी बहुत बढ़ गई थी, अगर इसको मापने वाला कोई यंत्र होता तो शायद मेरी हार्ट बीट 200 हो चुकी होती। इस बीच मैंने अपने आप को बहुत स्थिर रखने की कोशिश की और खेल पर फोकस किया। वर्ल्ड कप में भारत के मेडल की संख्या पांच हो गई है, जिसमें एक गोल्ड, एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। 10 मीटर एयर राइफल वुमन के

क्वालिफाइंग राउंड और 25 मीटर पिस्टल वुमन इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड भी आयोजित किए जाएंगे। इन राउंड्स में कुल 52 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें से 10 भारतीय खिलाड़ी भी शामिल होंगे। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स में भारत, श्रीलंका, मेक्सिको, कोरिया, कजाकिस्तान, बंगलादेश, जापान, हंगरी, स्विटजरलैंड, यूएसए, डेनमार्क, चेकिया, इजराइज, उज्बेकिस्तान आदि भाग ले रहे हैं।

शुक्रवार को खबर लिखे जाने तक 21 साल के शाहु तुषार माने, अभी तक यूथ ओलंपिक में एक सिल्वर, वर्ल्ड कप में दो गोल्ड और एशियन चैंपियनशिप दो ब्रॉन्ज जीत चुके थे। 24 साल के अर्जुन बबूता अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक गोल्ड, वर्ल्ड कप में दो गोल्ड, आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप तीन ब्रॉन्ज और एशियन चैंपियनशिप में 1 सिल्वर मेडल हासिल कर चुके हैं। इधर 21 साल के हृदय हजारिका अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक और आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज जीत चुके हैं। 21 साल के पनवार दिव्यांश सिंह, वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक गोल्ड, एक ब्रॉन्ज, वर्ल्ड कप फाइनल में दो गोल्ड, वर्ल्ड कप में तीन गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रांज, आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में एक गोल्ड और एशियन चैंपियनशिप में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल हासिल कर चुके हैं। वहीं, 19 साल के रुद्रांक्ष बालासाहेब पटेल वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो गोल्ड एक सिल्वर, वर्ल्ड कप फाइनल में एक गोल्ड, वर्ल्ड कप में दो और आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में 2 गोल्ड जीत चुके हैं।

### 25 मीटर पिस्टल वुमन क्वालिफिकेशन राउंड

**19 साल** की रिथम सांगवान अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में चार गोल्ड तीन सिल्वर, वर्ल्डकप में तीन गोल्ड एक सिल्वर एक ब्रान्ज, आईएसएसएफ जूनियर कप में दो गोल्ड जीत चुकी हैं। 23 साल की अभिदनय अशोक पटेल वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक सिल्वर एक ब्रान्ज के अलावा वर्ल्ड कप में एक सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। 21 साल की मनू भाकेर यूथ ओलंपिक में एक गोल्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप में 4 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज, वर्ल्डकप फाइनल में 4 गोल्ड, वर्ल्ड कप में 8 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज।

## राजस्थान रॉयल्स के लिए अहम होगी सलामी जोड़ी और स्पिनर

**नई दिल्ली।** राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीम पिछले साल अपना दूसरा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन गुजरात टाइटन्स ने पदार्पण वर्ष में ट्रॉफी हथियाकर उनके लिए इसे निराशाजनक बना दिया था। अब राजस्थान की टीम अपने मैच विजेता खिलाड़ियों के साथ 31 मार्च से शुरु हो रहे आगामी सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी। टीम ने हालांकि कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद अपनी कोर टीम बरकरार रखी है।

# सिंधू बाहर, सात्विक-चिराग की जोड़ी स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी। बासेल

**ओलंपिक** में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के दूसरे दौर में इंडोनेशिया की गैर वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वारदानी से तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में हार कर बाहर हो गई जिससे उनका स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने का सपना भी चकनाचूर हो गया।

विश्व में नौवें नंबर की खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू को 38वीं रैंकिंग की वारदानी से 15-21, 21-12, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इन दोनों खिलाड़ियों के बीच पहला मुकाबला था। लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष जोड़ी ने कड़े

मुकाबले में ताइवान की फेंग चीह ली और फेंग जेन ली की जोड़ी पर 12-21, 21-17, 28-26 से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करके भारत की उम्मीदें बरकरार रखी। विश्व में छठे नंबर की इस भारतीय जोड़ी का अगला मुकाबला डेनमार्क के जेपी बे और लासे मोल्हेडे की जोड़ी से होगा। इससे पहले गुरुवार को दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवें वरीय एचएस प्रणय दूसरे दौर में फ्रांस के गैरवरीय क्रिस्टो पोपोव से सीधे गेम में 8-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को हांगकांग के चेउक यिउ ली से 22-20, 21-17 के हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ भी दूसरे दौर में चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से 19-21, 10-21 से हारकर बाहर हो गए।

## कोलकाता में महिला मैच अधिकारियों की कार्यशाला शुरू

**कोलकाता।** अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स (आरएफवाईएस) के आपस में करार के बाद शुक्रवार से यहां महिला मैच अधिकारियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला शुरू की गई। महिला मैच अधिकारियों के लिए यह अपनी तरह की पहली कार्यशाला है जिसमें 30 महिला अधिकारी भाग ले रही हैं। यह महिला अधिकारी एआईएफएफ के अधिकारियों से प्रशिक्षण ले रहे हैं। कार्यशाला में भाग लेने वाले रेफरी एआईएफएफ के तहत छह अलग-अलग केंद्रों शिलांग, कोलकाता, जमशेदपुर, आइजोल, हैदराबाद और खड़गपुर से पंजीकृत हैं। कार्यशाला का नेतृत्व एआईएफएफ की तरफ से ट्रेवर केटल (मुख्य रेफरी अधिकारी) और मारिया रेबेलो (पाठ्यक्रम निदेशक और रेफरी समिति सदस्य) कर रहे हैं।

## हार्दिक पंड्या कप्तान के तौर पर एमएस धोनी की तरह

**मुंबई।** गुजरात टाइटन्स के स्पिनर आर साई किशोर को लगता है कि उनकी फ्रेंचाइजी के कप्तान हार्दिक पंड्या नेतृत्व क्षमता के मामले में महान क्रिकेटर एमएस धोनी की तरह ही हैं। साई किशोर गुजरात की टीम से जुड़ने से पहले कुछ वर्षों तक चेन्नई सुपर किंग्स के साथ थे। इस तरह वह दोनों खिलाड़ियों को कप्तान के तौर पर करीब से देख चुके हैं।

साई किशोर ने शुक्रवार को यहां वर्चुअल सत्र के दौरान मीडिया से कहा, हार्दिक और माही भाई जिस तरह से चीजों को करते हैं, उनका तरीका लगभग समान ही है, साथ दोनों बहुत ही शांत रहते हैं। उन्होंने कहा, मैं हार्दिक की एक काबिलियत का कायल हूं कि वह सफलता और विफलता दोनों को अच्छी तरह संभालता है, यह बहुत ही अनूठी चीज है। साई किशोर ने कहा कि गुजरात टाइटन्स को सफल होने के लिए अपने पिछले सत्र के प्रदर्शन का दोहराव करना होगा जिसने अपने पदार्पण सत्र में आईपीएल जीता था।

## रोनाल्डो और केन ने बनाए नए रिकॉर्ड, अपनी टीमों को दिलाई जीत

एजेंसी। लंदन

**क्रिस्टियानो** रोनाल्डो और हैरी केन ने 2024 में होने वाली यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मैचों में गुरुवार को नए रिकॉर्ड बनाए और अपनी टीम को जीत दिलाई। पुर्तगाल के रोनाल्डो पहले ही पुरुष फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं और अब उनके नाम पर सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का नया रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है।

रोनाल्डो ने यह रिकॉर्ड लिचेंस्टीन के खिलाफ पुर्तगाल की 4-0 से जीत के दौरान बनाया। यह उनका 197वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। इससे पहले रोनाल्डो और कुवैत के बादेर अल मुतावा के नाम पर 196 मैच खेलने का संयुक्त रिकॉर्ड दर्ज था। रोनाल्डो ने इस मैच में दूसरे हाफ में पेनल्टी को गोल में बदलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कुल गोल की संख्या को 120 पर भी पहुंचाया। इस बीच केन इंग्लैंड की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड की इटली पर 2-1 से जीत के दौरान पहले हाफ में पेनल्टी को गोल में बदला। यह उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 54वां बोल था जो कि वायने रूनी से एक गोल अधिक है। यूरो 2024 का आयोजन जर्मनी में किया जाएगा जिसके क्वालीफाइंग मैचों की शुरुआत विश्वकप समाप्त होने की तीन महीने बाद हुई है।

## युवा खिलाड़ियों को अच्छा इंसान बनाना भी मेरा कामः पोंटिंग

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि मैदान पर अनुशासित प्रदर्शन करने के लिए मैदान के बाहर अनुशासित जीवन जीना महत्वपूर्ण है और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान युवा खिलाड़ियों को अच्छा क्रिकेटर बनाने के साथ अच्छा इंसान बनाना भी अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा, आप जितना अच्छा इंसान होंगे आपको उतना बेहतर खिलाड़ी बनने में आसानी होगी। अगर आपकी निजी जिंदगी व्यवस्थित नहीं है तो वास्तव में आपके लिए मैदान पर अनुशासित प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनना मुश्किल होगा। नब्बे के दशक के आखिरी बरसों से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ढांचे का अहम अंग रहे पोंटिंग जानते हैं की आईपीएल में एक अच्छी पारी खेलने से भारत के युवा खिलाड़ियों का ध्यान किस तरह से भटक सकता है।

# आईपीएल में खुद को साबित करना चाहेंगे डेविड वॉर्नर : शेन वाटसन

एजेंसी। मुंबई

**पूर्व** आस्ट्रेलियाई आल राउंडर और दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वाटसन ने कहा कि टीम के नए कप्तान डेविड वॉर्नर 31 मार्च से शुरु हो रही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में खुद को साबित करना चाहेंगे। ऋषभ पंत पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में घायल होने कारण आईपीएल 2023 सत्र में नहीं खेल पाएंगे जिससे वॉर्नर को दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान नियुक्त किया गया।

वार्नर पहले भी दिल्ली की फ्रेंचाइजी की कप्तानी कर चुके हैं तब इसका नाम दिल्ली डेयरडेविल्स था और आईपीएल में कप्तान के तौर पर उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के साथ सफलता मिली जब उनकी अगुआई में टीम ने 2016 चरण का खिताब जीता था। पर बल्ले से खराब फॉर्म और फिर टीम प्रबंधन से कुछ मनमुटाव के कारण 2021 सत्र में उन्हें बाहर कर दिया गया। वह 2022 सत्र में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। वह विदेशी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं और उनके नाम 5,881 रन हैं। हाल में भारत के दौर पर उनकी खराब फॉर्म जारी रही जिसमें से वह नागुपर और दिल्ली दो टेस्ट में विफल रहे जबकि एकमात्र वनडे में 23 रन ही बना सके। उन्होंने कोहनी में हेयरलाइन फ्रेक्चर से उबरने के बाद इस दौरे पर वापसी की थी। वाटसन ने कहा, डेविड वॉर्नर मेरे लिए क्रम में शीर्ष पर हैं। वह खुद को साबित करना चाहेंगे। उन्होंने आईपीएल में हमेशा इतने रन जुटाए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह जो कुछ भी रन जुटाते हैं, वह काफी महत्वपूर्ण होंगे। पूर्व आस्ट्रेलियाई उप कप्तान वाटसन ने मिचेल मार्श के भी बल्ले से उसी विस्फोटक फॉर्म को जारी रखने की उम्मीद जताई जो भारत के खिलाफ आस्ट्रेलिया की वनडे श्रृंखला में जीत के दौरान उन्होंने दिखाई। वाटसन ने कहा, मिचेल मार्श के लिए यह एक और बड़ा सत्र होने वाला है। उसमें काफी कौशल है और वह जिस तरह से बल्लेबाजी में प्रदर्शन कर रहा है, उससे वह सचमुच बड़ी भूमिका निभाएगा।

### शरीर से फिट न होने के कारण पंत नहीं ले सकेंगे भाग

वहीं वाटसन ने दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोऊको दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सत्र के लिए ट्रंप कार्ड बताया। उन्होंने कहा, मैं पाकिस्तान सुपर लीग में क्वेटा ग्लैडिएटर्स के लिए उनके साथ खेला था। उसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखिए किस तरह से वापसी की है और वह विश्व स्तरीय हिटर है। वह किसी भी चरण में किसी भी परिस्थिति में किसी भी गेंदबाज को धुन सकता है। अगर वह चल गया तो वह प्रतिद्वंद्वी टीम से मैच छीन लेगा।